# PHARMA दर्पण

Editor- Brejesh Garg | www.medicaldarpan.com | Monthly News Paper

B.N. Medical Complex, Bulandshahr (U.P.) | Postal Reg. No. BSR 52/2023-2025 | RNI UPBIL/2011/50248

Year 14 | Issue 7 | D.O.P. 20 MAY 2024 | Pages 16 | ₹ 10/- Copy | ✆ 09045029158, medicaldarpan.ctp@gmail.com



PCD / FRANCHISEE

V & U Pharmaceuticals

Quality Service Reliability

Where Quality is the Core

All Products of V & U Pharmaceuticals are manufactured under stringent quality control in approved manufacturing facilities.

GMP ISO

A NAME SYNONYMOUS TO QUALITY & TRUST

INVITING PROPOSAL FOR FRANCHISEE ACROSS COUNTRY

1. One of the best quality products and packaging.
2. Attractive Pricing.
3. Comprehensive & expanding produt basket
4. Expert Marketing Support/ Print Inputs.
5. Attractive Bonanza

TABLETS/CAPSULES, SYRUPS/LIQUIDS, RESPULES/ROTACAPS, DEVICES/CREAMS

V & U PHARMACEUTICALS

Contact: 7017051435/9999355975

H-1,39N,RIICO Industrial Area, Khushkhera, Bhiwadi, Distt:Alwar, Rajasthan 301707

sales@vnupharmaceuticals.com; vnupharmaceuticals@gmail.com

www.vnupharmaceuticals.com



Our General Divisions

MERRIL | MESTRA | STERILE GENETICS

For any query :- 9719839944 (Call & SMS)

We have more than 2000 Products in our Successfully Running Company.

New Molecules available

Natural Progesterone 200/300/100 mg Tab.

Rifaximine 200/400/550 & Metronidazole 400 mg Tab.

Sultamycillin 375 mg Tab.

Dydrogesterone Tablets IP 10 mg

| Emocare | NUECAD (Cardiac-Diabetic division) | Womana (Gyne-infertility division) | BEAUKIN |
|---|---|---|---|
| Piraciti-Plus (Citicoline 200mg + Piracetam 800mg Tab.) | Metolip-ER 25/50 (Metoprolol Tartrate 25/50 (ER)) | Gensure-Sachet (L-Arginine 3gm. + Proanthocyanidin 75 mg.) | Antihist-D (Desloratadine 10 mg.) |
| Velpy-200/300/500 (Sodium Valproate With Valporic Acid) | Nuepido-AS (Clopidogrel 75 mg +Aspirin 75 mg) | Gensure-LC | Tacroril (Tacrolimus Cream 0.03) |
| Emofexine Tab. (Desvenlafaxine 50mg ER) | Nuepido-Plus (Clopidogrel 75 mg +Aspirin 150 mg) | NMPC-softgel/SR tab/ Inj. | Candigel (Luliconazole 1.0% w/w) |
| Emofexine Plus -50 (Desvenlafaxine 50 mg + Clonazepam 0.5 mg) | Tenzex-M | Gensure-F | Eberil (Eberconazole 30 mg) |

Registered Office :-A-401/402, Empire Business Hub, Science City Road, Ahmedabad-380060 (Gujarat)-India.

Email : order@mestrapharma.com, Website : www.mestrapharma.com



DydroBest | Best BIOTECH

In Female Infertility & Painful Menstrual Disorders

Dydrobest® Dydrogesterone 10 mg. TABLETS

- Female Infertility
- High Risk Pregnancy
- Endometriosis
- Irregular Menstrual Disorders
- Premenstrual Syndrome (PMS)

Dydrogesterone Tablets IP 10 mg

A true partner in Successful pregnancy

For trade enquiries please Call 91 9866908086

e-mail: bestbiotech4u@gmail.com, Website: www.bestbiotechindia.com



Hillwin Pharmaceuticals

THIRD PARTY MANUFACTURING & FRANCHISEE/PCD

WHO GMP CERTIFIED

Best quality of efficiency Product we directly approved by WHO GMP

With the Wide Range of :

Tablets | Capsules | Liquids | Dry Syrup | Injectables | Drops | Lotions | Gels | Ointments | Shampoos | Protein Powders | Ayurveda Products | Neutraceuticals

Excellent Packing Like Alu-Alu, Blister & Strip Packing

Brand Promotional Input Like...

Visual aid, Sample Catch covers, Visiting Cards, Product Literature, MR Bags, DCR Pad, Gifts

Trade Enquiries are Welcome for Third Party MFG. / PCD Franchises Distribution on Monopoly basis in PAN India.

CALL US : +91 8476855579 , 9476782423

Head Office : B-39, New Shopping Complex, Opp. PNB Bank Shivalik Nagar, Haridwar (U.K.)



Biounity Pharma

THIRD PARTY MANUFACTURING SERVICE

100% SATISFACTION

Committed to Healthcare through Innovation & Quality

WE OFFER

- MORE THAN 1000 PRODUCTS
- EXCEPTIONAL PROFIT MARGIN
- PROMPT / TIMELY DELIVERY
- COMPLETE MONOPOLY RIGHTS
- EXCLUSIVE PROMOTIONAL MATERIAL
- ATTRACTIVE PACKING

Wide Therapeutic Range

CONTACT FOR BEST RATE IN THIRD PARTY MANUFACTURING

8449549885

8476946001

po.pharmabiounity@gmail.com,

mkt.biounitypharma@gmail.com

Orthopadic, Gynecare, Gastroenterology | Anti-Infective, Urology Care, Anti-Allergic | Cardiovascular, Anti-Diabetic, Cough & Cold

Bronchodilator, Paediatric, Respiratory | Injectables, Neuropsychiatry, Nutritional Supplements | OTC Products, Derma Care, Eye/Ear/Nasal Drops



SMAYAN HEALTHCARE www.smayan.in

BEST THIRD PARTY INJECTABLES (AMPOULES) MANUFACTURERS COMPANY IN INDIA

Attractive Packaging

Timely Delivery

Quality Range

WHO ISO GMP

For Enquiries Contact:

Smayan Healthcare Pvt. Ltd.

Head Office: SCO - 167, First Floor, Sector - 38 C, Chandigarh, India - 160036

Manufacturing Unit: Plot No. 8-9-26-27, HPSIDC, Industrial Area, Davni, Baddi, District - Solan, (H.P.), 173205

Email: manager@smayan.in, Contact No: +91 - 8591978885 , +91 76967 63030

Soft Gelatin | Injection (Ampoules) | Liquids | Cosmetic | Nasal Spray | Lotions | Ointments | Dusting Powder



Geneka गिनिका Group

Our Plants

JINEKA HEALTHCARE PVT. LTD.

JINEKA HEALTHCARE -1

JINEKA HEALTHCARE -2

GENEKA DRUG PVT. LTD.

VEDA GENEKA

GENEKA PHARMACEUTICALS PVT. LTD.-JAMMU

GENEKA FOILS

We are Having Following Facilities :

TABLETS | CREAM/OINTMENT | SOFT-GELATIN CAPSULE | HARD-GELATIN CAPSULE | LIQUID INJECTABLE | LIQUID ORALS | VETERINARY PREPARATION | MEDICATED SOAPS | EXTERNAL PREPARATION | EXTERNAL PREPARATION | ORAL POWDER | DRY INJECTABLE | HORMONAL LIQUID INJECTION | NUTRACEUTICAL PRODUCT | BETA-LACTUM TABLETS | FOOD SUPPLEMENT | AEROSOL SPRAY | HORMONAL TABLETS | CLAVULANIC ALL RANGE | PALLETS

We are now having Soft gelatin Formulation in Drug

CONTACT INFORMATION :

CONTACT PERSON

Mr. SANKET SHARMA

Mobile : +91-8394904000

E-mail : sanket.jineka@gmail.com

M/S JINEKA HEALTH CARE PVTLTD

Plot No.15, Sector 6B IIE Ranipur SIDCUL, Haridwar, Uttarakhand (INDIA)

Website : www.genekagroup.in

Follow us:

## दवा दुकानदार भी कर सकेंगे प्राथमिक उपचार

**रांची (झारखंड):** अब दवा दुकानदार भी मरीजों का प्राथमिक उपचार कर सकेंगे। इसकेलिए उन्हें फर्स्ट एड स्पेशलिस्ट और पब्लिक हेल्थ का कोर्स करना होगा। इस कोर्स में नामांकन की प्रक्रिया 15 मई तक जारी रहेगी। बता दें कि ये दोनों कोर्स मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा संच.ालित है। फर्स्ट एड स्पेशलिस्ट और पब्लिक हेल्थ का कोर्स एक साल का है। कोर्स करने के बाद क्लीनिक खोलने के लिए भी अधिकृत हो सकते हैं या फार्मासिस्ट का भी एक विकल्प हो सकता है। फर्स्ट एड स्पेशलिस्ट और पब्लिक हेल्थ के कोर्स में भी नामांकन प्रक्रिया की जा रही है।

**बाजार की मांग के अनुसार कर सकते हैं कोर्स:** झारखंड स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी के अंतर्गत आने वाले एलबीएसएम कॉलेज में कई सर्टिफिकेट कोर्स बाजार की मांग के अनुरूप भी शुरू किए गए हैं। इन कोर्सों का डिजाइन भी बाजार की मांग के अनुरूप किया गया है। बताया गया है ये कोर्स पूरा करने के बाद इसके सहारे जीविकोपार्जन किया जा सकता है। सभी कोर्स नए सत्र से शुरू किए जाएंगे। अब दवा दुकानदार भी मरीजों का प्राथमिक उपचार कर सकेंगे। कई अन्य कोर्सों का संचालन भी शुरू किया गया है। बिजनेस पाठ्यक्रम के तहत मैनेजमेंट, एमबीए, पीजीडीएम, फाइनांशियल मैनेजमेंट शामिल हैं। वहीं, कंप्यूटर एप्लीकेशन, रिटेल मार्केटिंग प्रोजेक्ट, मैनेजमेंट मार्केटिंग, मैनेजमेंट नेचुरोपैथी, बैंकिंग एंड इंश्योरेंस के कोर्स भी चलाए जा रहे हैं। फर्स्ट एड स्पेशलिस्ट और पब्लिक हेल्थ के कोर्स में भी नामांकन प्रक्रिया की जा रही है।

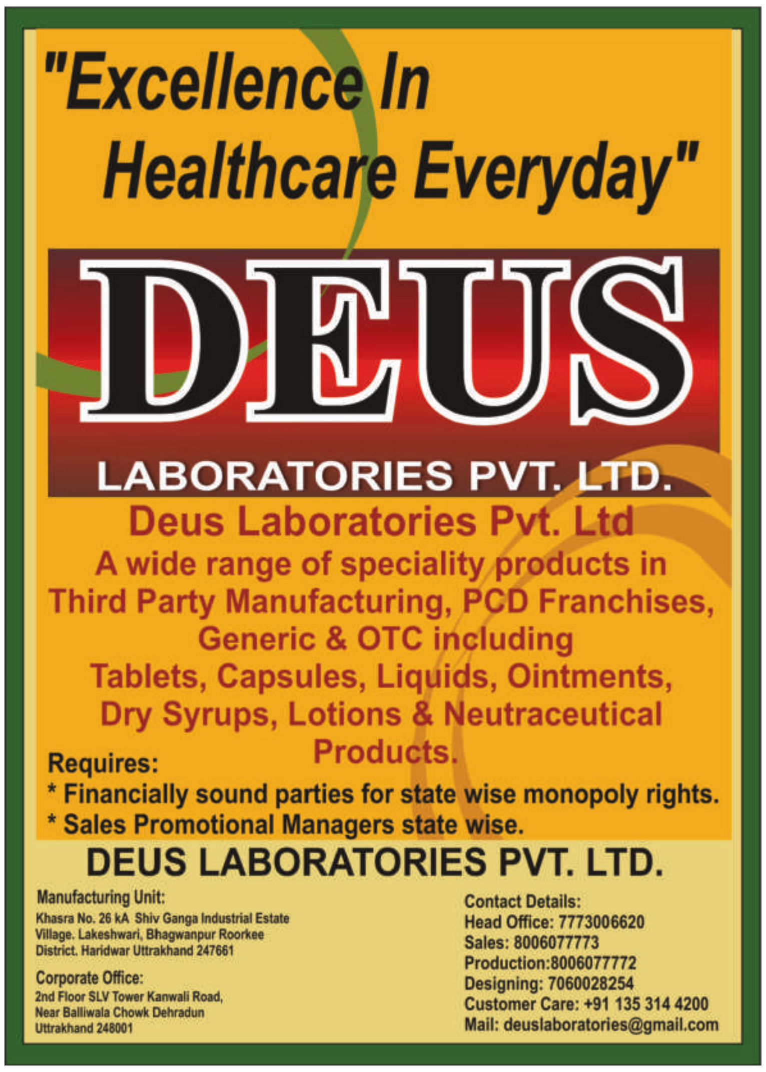


## चेन्नई के डॉक्टरों ने भारत की पहली रोबोटिक साइटोरिडक्टिव सर्जरी सफलतापूर्वक की

**चेन्नई:** चेन्नई के अपोलो कैंसर सेंटर (ACC) के सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट ने पेरिटोनियल सरफेस कैंसर के लिए हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी (HIPEC) के साथ भारत की पहली रोबोटिक साइटोरिडक्टिव सर्जरी (CRS) सफलतापूर्वक की है। यह न्यूनतम इनवेसिव, रोबोट-सहायता प्राप्त दृष्टिकोण स्यूडोमाइक्सोमा पेरिटोनी (PMP), एक आक्रामक अपेंडिक्स कैंसर के इलाज में एक आदर्श बदलाव को दर्शाता है, जो रोगियों को देखभाल का एक नया मानक प्रदान करता है, जिससे तेजी से रिकवरी होती है और जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है।

51 वर्ष की एक महिला रोगी में द्विपक्षीय डिम्बग्रंथि द्रव्यमान का निदान किया गया था और गर्भाशय, अंडाशय, अपेंडिक्स और ओमेंटम के हिस्से को हटाने सहित व्यापक सर्जिकल हस्तक्षेप हुआ था। रोगी के पेल्विस में और सीकुम (कोलन का पहला भाग) के आसपास अवशिष्ट म्यूसिनस इम्प्लांट्स (जिलेटिनस जमा जो एपेंडीक्यूलर म्यूसिनस ट्यूमर की सर्जरी के बाद पेट में रह जाता है) पाए गए। एपेंडिक्स कैंसर के रोगी के पेट (पेरिटोनियम) की परत में फैलने की अजीब प्रवृत्ति के कारण, डॉ अजीत पई और उनकी टीम ने कम से कम इनवेसिव रोबोटिक साइटोरिडक्टिव सर्जरी (उदर गुहा में कैंसर कोशिकाओं की मात्रा को कम करने के लिए) की, जिसमें राइट हेमीकोलेक्टोमी (कोलन को हटाना जिसमें एपेंडिक्स होता है) और कम्पलीट मेसोकोलिक एक्सीजन (कोलन और एपेंडिक्स से उत्पन्न होने वाले कैंसर के इलाज के लिए सर्जरी) और पेरिटोनेक्टॉमी और टोटल ओमेंटेक्टॉमी के साथ-साथ हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी परंपरागत रूप से, CRS@HIPEC को एक खुले और व्यापक ऑपरेशन के रूप में किया जाता है, जिसमें 10-12 इंच का चीरा लगाया जाता है। रोबोटिक CRS दृष्टिकोण महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करता है क्योंकि यह न्यूनतम आक्रामक है, चिकित्सकों ने रोबोटिक उपकरणों के लिए छोटे 8 मिमी चीरों का उपयोग किया, जिससे दर्द, रक्त की हानि, निशान और असुविधा कम हो गई। ट्यूमर को हटाने और HIPEC की डिलीवरी के लिए एक एकल SCM (स्टर्नोक्लेडोमैस्टॉइड) चीरा का उपयोग किया गया था।

## 10वीं फेल चला रहा फर्जी हॉस्पिटल, सील

**डूंगरपुर (राजस्थान):** फर्जी अस्पताल का पर्दाफाश होने पर उसे सील कर देने का मामला सामने आया है। हैरानी की बात यह है कि इस हॉस्पिटल को 10वीं फेल युवक चला रहा था। जांच में सामने आया कि यह झोलाछाप डॉक्टर गुजरात के एक हॉस्पिटल में सफाईकर्मी था। इस दौरान उसने कई मामूली मेडिकल जानकारी हासिल कर ली और फिर डूंगरपुर जिले के पुनावाडा में अपना फर्जी अस्पताल खोल दिया।

> **03**
> **साल पूर्व गुजरात के अहमदाबाद में एक अस्पताल में सफाई का काम कर्ता था**

स्वास्थ्य विभाग अधिकारियों के अनुसार आरोपी युवक इस हॉस्पिटल में प्रसव के साथ-साथ गर्भपात, भ्रूण जांच जैसे अनैतिक कार्य भी करता था। इस हॉस्पिटल की सीज कर दिया गया है। डूंगरपुर जिले के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने राजस्थान-गुजरात के पुनावाडा बोर्डर पर कार्रवाई करते हुए एक फर्जी अस्पताल को सीज किया है। छापामारी के वक्त अस्पताल में एक प्रसूता व एक अन्य मरीज दाखिल मिले। जांच में पता चला कि इस अस्पताल का संचालन करने वाला युवक दसवीं फेल था। छापामारी का पता चलते ही आरोपी झोलाछाप मौके से फरार हो गया। यह फर्जी अस्पताल सीमलवाड़ा उपखंड क्षेत्र के गुजरात बॉर्डर पर पूनावाडा में पिछले 3 साल से खुला हुआ था। फर्जी डॉक्टर जितेंद्र भगोरा खुद इलाज और प्रसव कराता था। वह 3 साल पूर्व गुजरात के अहमदाबाद में एक अस्पताल में सफाई का काम करता था। वहां पर प्रसव, ड्रिप लगाना और भी अन्य तरह के वह थोड़ा बहुत काम करना सीख गया था और बाद में उसने अपना खुद का 8 बेड का अस्पताल पूनावाडा में खोलकर उसी में मरीजो को ठीक करने का काम कर रहा था जोकि अवैध था।

छापामारी के कार्य को जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर अलंकार गुप्ता, एसीएमएचओ विपिन मीणा, खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर नरेंद्र प्रजापत, पीठ पीएससी प्रभारी डॉक्टर रोहित लबाना, नर्सिंग ऑफिसर मदन ननोमा, फार्मासिस्ट युवराज और पीठ पुलिस चौकी ने मिलकर अंजाम दिया। जांच के समय अस्पताल में दो महिलाएं दाखिल मिली। इसमें एक का एक दिन पहले ही प्रसव कराया गया था। दूसरी महिला मरीज उल्टी-दस्त से ग्रस्थ थी। अस्पताल में भर्ती दोनों महिलाओं को डूंगर सारण सीएचसी में भर्ती करवाया गया है। वहीं अस्पताल को सीज कर दिया गया है। फर्जी डॉक्टर आरोपी जितेंद्र भगोरा के खिलाफ धंबोला थाने में मामला दर्ज करवाया गया है। अस्पताल का पर्दाफाश होने पर उसे सील कर देने का मामला सामने आया है। और हैरानी की बात यह है कि इस हॉस्पिटल को 10वीं फेल युवक चला रहा था। फर्जी अस्पताल में भारी मात्रा में दवाइयां भी मिली हैं। इनमें गर्भपात कराना, नींद, डिलीवरी, बीएनएस, एनएस की ड्रिप, बीपी इंस्ट्रूमेंट भी शामिल है। इस दौरान उसने कई मामूली मेडिकल जानक.ारी हासिल कर ली और फिर डूंगरपुर जिले के पुनावाडा में अपना फर्जी अस्पताल खोल दिया। फर्जी अस्पताल वाली जगह को एक सरकारी शिक्षक ने किराए पर दे रखा है।

## भारत की सिप्ला मोटापे की दवाओं के विपणन के लिए एली लिली के साथ साझेदारी करने को तैयार

**बेंगलुरु:** सिप्ला अमेरिकी दवा निर्माता एली लिली के साथ साझेदारी करने के लिए तैयार है ताकि भारत में अपनी ब्लॉकबस्टर मोटापा उपचार दवाओं का विपणन किया जा सके, कंपनी के सीईओ ने कहा। बिल्कुल और हमेशा के लिए खुला... हम लिली के साथ अपनी साझेदारी को बहुत महत्व देते हैं और मुझे लगता है कि दोनों कंपनियां सांस्कृतिक रूप से जुड़ी हुई हैं, सिप्ला के वैश्विक सीईओ उमंग वोहरा ने रॉयटर्स के एक प्रश्न के उत्तर में कहा। लिली के मौंजारो और जेपबाउंड के साथ-साथ डेनिश प्रतिद्वंद्वी नोवो नॉर्डिस्क के वेगोवी और ओजेम्पिक की वैश्विक मांग आपूर्ति से आगे निकल गई है। वे GLP&1 रिसेप्टर एगोनिस्ट के एक थेरेपी क्षेत्र से संबंधित हैं, जिसे टाइप 2 मधुमेह के रोगियों में रक्त शर्करा को नियंत्रित करने के लिए विकसित किया गया है, लेकिन वजन घटाने में उनकी भूमिका के लिए लोकप्रियता हासिल की है।

बाजार के अवसर को भांपते हुए, सिप्ला सहित भारतीय दवा निर्माता, दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश में बाजार में आक्रामक रूप से बड़ा हिस्सा हासिल करने के लिए वजन घटाने वाली दवाओं के अपने नकल संस्करण विकसित करने के लिए काम कर रहे हैं। फरवरी में लिली ने रॉयटर्स को बताया कि उसे उम्मीद है कि वह अगले साल की शुरुआत में भारत में अपनी ब्लॉकबस्टर मधुमेह की दवा और बेहद लोकप्रिय मोटापे के उपचार मौनजारो को लॉन्च करेगी। बिक्री के लिहाज से भारत की तीसरी सबसे बड़ी दवा निर्माता कंपनी सिप्ला की भारत में मधुमेह की दवाओं को बेचने और बढ़ावा देने के लिए लिली के साथ पहले से ही साझेदारी है।

वोहरा ने कहा, अब हम उनके लिए बेची जाने वाली इंसुलिन रेंज को लेकर लिली के साथ बहुत अच्छे संबंध बना चुके हैं। उन्होंने आगे कहा कि कंपनी इस साल अमेरिका, भारत और दक्षिण अफ्रीका में नए लॉन्च की तैयारी कर रही है।

4 वर्ष तक घर बैठे यह समाचार पत्र पढ़ने के लिये हमारे पंजाब नैशनल बैंक के **खाता संख्या 1824002100120081,** IFSC Code - PUNB0145020 जो कि मैडीकल दर्पण के नाम से है, में रू० 500/- जमा कर अपना पूरा पता हमारे फोन नं०- 09045029158 पर SMS कर दें।

PD PAPER MAY 2024_32 Inch January. 2021.qxd 5/20/2024 5:49 PM Page 3

## गर्भपात की दवाइयां अवैध रूप से बेचने पर मेडिकल एजेंसी सील

**उज्जैन:** गर्भपात की दवाइयां अवैध रूप से बेचने पर मेडिकल एजेंसी को सील करने का मामला सामने आया है। मेडिकल एजेंसी सीलिंग की कार्रवाई कलेक्टर के आदेश के बाद जांच के लिए पहुंची टीम ने की है। स्वास्थ्य विभाग की टीम को सूचना मिली थी कि बस स्टैंड नागदा स्थित धनोतिया मेडिकल एजेंसी द्वारा अनाधिकृत रूप से गर्भपात की दवाइयों की बिक्री की जा रही है। टीम ने मौके पर जासकरि जांच की और शिकायत सही पाई जाने पर मेडिकल एजेंसी को सील कर दिया है। जानकारी के मुताबिक शिकायत मिलने पर कलेक्टर नीरज कुमार सिंह के निर्देशन और उप संचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन उज्जैन के मार्गदर्शन में धनोतिया मेडिकल एजेंसी नागदा की जांच की गई। ड्रग इंस्पेक्टर देशराज सिंह राजपूत एवं धर्मसिंह कुशवाह द्वारा उक्त मेडिकल एजेंसी का संयुक्त रूप से निरीक्षण किया। शिकायत के तथ्यों की पुष्टि की गई, जो कि सही पाए गए। जांच में यह पाया गया कि धनोतिया मेडिकल एजेंसी के संचालक गोविंद धनोतिया बिना डॉक्टर की पर्ची के गर्भपात की दवाइयों को बेचा जा रहा था। जांच में पता चला कि दुकान संचालक होलसेल एजेंसी संचालित करता है तथा उनके द्वारा अनाधिकृत रूप से झोलाछाप डॉक्टर्स को भी एलोपैथिक दवाइयां बेची जाती थी। एजेंसी से चार दवाओं के सैंपल भी लिए गए हैं, जिन्हें जांच के लिए राज्य औषधि प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया है। फर्म की जांच में औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम-1940 एवं नियमावली-1945 के अन्य प्रावधानों का भी उल्लंघन पाया गया। इसके चलते उक्त मेडिकल एजेंसी को अग्रिम आदेश/निर्देश प्राप्त होने तक सीलबंद किया गया है।

NOTHING IS IMPOSSIBLE
EVERYTHING IS POSSIBLE

## कैमिस्ट शॉप पर रेड कर दो के लाइसेंस कैंसिल, 15 लाइसेंस सस्पेंड किए

**खगड़िया (बिहार):** कैमिस्ट शॉप पर रेड कर दो दुकानों का लाइसेंस कैंसिल कर दिया गया है। वहीं, 15 दुकानों के लाइसेंस सस्पेंड किए गए हैं। जिले में दो दवा दुकानों के लाइसेंस कैंसिल कर दिए गए हैं। वहीं, 15 दुकानों के लाइसेंस 15 दिन से लेकर 60 दिनों तक के लिए निलंबित किए गए हैं। इनके अलावा, बिना लाइसेंस के दो दवा दुकानों पर भी कार्रवाई की गई है। इन दोनों दुकानों से दवाओं को जब्त कर कोर्ट में केस दर्ज करवाया गया है। बताया गया है कि महेशखूंट स्थित न्यू पोपूलर मेडिकल हॉल से मद्य निषेध विभाग द्वारा कोडिनयुक्त कफ सीरप बरामद किया गया था। इसका दुकानदार ने खरीद व बिक्री के कागजात प्रस्तुत नहीं किए थे। वहीं जांच के दौरान विक्रय अभिलेख भी प्रस्तुत नहीं किया गया था। साथ ही, स्पष्टीकरण का भी जवाब नहीं देने पर इन दुकानों का लाइसेंस कैंसिल किया गया। बिना लाइसेंस के दवा बेचने के आरोप में बीते दिनों बेलदौर थाना रोड स्थित राजू मेडिकल दुकान पर भी कार्रवाई की गई। जबकि शहर के होमगार्डचौक स्थित रीतू मेडिकल हॉल व कोसी कॉलेज रोड स्थित सिटी हॉस्पीटल में बिना लाइसेंस के दवा बेची जा रही थी। सभी दवाओं को जब्त कर कोर्ट में केस दायर किया गया है।

## कैमिस्ट दवाओं का स्टॉक तय सीमा में ही रख सकेंगे

**सीकर:** कैमिस्ट के लिए दवाओं का स्टॉक अब तय सीमा में ही रखने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। यह कदम औषधि नियंत्रण विभाग ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने के लिए उठाया है। नए आदेशों के तहत 14 तरह की साइक्रोट्रोपिक दवाओं का स्टॉक तय सीमा में ही रखा जा सकेगा। ड्रग कंट्रोलर अजय फाटक और राजाराम शर्मा ने 14 तरह की दवाओं की खरीद और बिक्री की सीमा तय कर दी है। खुदरा विक्रेता केवल पर्ची के आधार पर ही मरीज को दवाएं बेच सकेंगे। साथ ही दवा की बिक्री और खरीद के लिए अलग से एक रजिस्टर रखना अनिवार्य होगा। इस रजिस्टर की हर सप्ताह जांच की जाएगी। साइकेट्री और अन्य बीमारियों के उपचार में काम आने वाली कई दवाओं पर स्टॉक लिमिट लगाने से दवा विक्रेताओं में आक्रोश है। हालांकि दवा डिपो, राजकीय मेडिकल संस्थान, अस्पताल व नशा मुक्ति केन्द्र व कैंसर के उपचार करने वाले संस्थान इस प्रतिबंध के दायरे में नहीं आएंगे। नए आदेश के अनुसार कोडिन बेस्ड कफ सीरप, डीफेंक्सोलेट व पेंटाजोनिक, बूप्रीनोरपि, क्लोरडाइजेपोक्साइड, डाइजापॉम, क्लोनजापॉम, ट्रामाडोल, टेपेंटाडोल, प्रेगाबि. लिन, गाबापेंटिन साल्ट वाली दवाएं जो टेबलेट, कैप्सूल या इंजेक्शन किसी भी अन्य दवा के काम्बिनेशन का स्टॉक निर्धारित किया गया है। वहीं नाइट्राजेपॉम, अल्प्राजोलम,इटीजोलम केप्सूल व टेबलेट का स्टॉक भी तय रहेगा। नशीली दवाओं के कारोबार में काफी समय से तेजी देखी जा रही है। इसके पीछे नशीली दवाओं का सस्ता होना माना जा रहा है। यह नशे के अन्य विकल्पों की तुलना में भी सस्ता है। दवाओं की बिक्री और खरीद पर प्रतिबंध नहीं होने के कारण कई दुकानदार बिना बिल के इन दवाओं की सप्लाई करते हैं। जिले में कई बार बिना बिल की नशीली दवाएं भारी मात्रा में पकड़ी जा चुकी हैं। जबकि इन दवाओं को आमतौर पर मानसिक बीमा.

PD PAPER MAY 2024_32 Inch January. 2021.qxd 5/20/2024 5:49 PM Page 4

## जीन-संपादित सुअर किडनी प्रत्यारोपण करवाने वाले पहले मरीज की मौत

**वाशिंगटन:** आनुवंशिक रूप से संशोधित सुअर की किडनी ट्रांसप्लांट करवाने वाले पहले जीवित मरीज की मौत हो गई है, यह जानकारी उस अमेरिकी अस्पताल ने दी जिसने यह प्रक्रिया की थी। बोस्टन अस्पताल ने जारी एक बयान में कहा, श्री रिक स्लेमैन के अचानक निधन पर मास जनरल को गहरा दुख हुआ है। हमें इस बात का कोई संकेत नहीं है कि यह उनके हाल ही में किए गए ट्रांसप्लांट का नतीजा था। दुनिया में पहली बार, मैसाचुसेट्स जनरल अस्पताल के सर्जनों ने आनुवंशिक रूप से संपादित सुअर की किडनी को 62 वर्षीय एक ऐसे व्यक्ति में ट्रांसप्लांट किया जो अंतिम चरण की किडनी की बीमारी से पीड़ित था। उन्होंने मार्च में चार घंटे तक उस व्यक्ति का एक सफलतापूर्वक ऑपरेशन किया था।

अस्पताल के बयान में कहा गया है, स्लेमैन को हमेशा दुनिया भर में अनगिनत प्रत्यारोपण रोगियों के लिए आशा की किरण के रूप में देखा जाएगा और हम जेनोट्रांसप्लांटेशन के क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए उनके भरोसे और इच्छा के लिए बहुत आभारी हैं। अंगों की कमी दुनिया भर में एक पुरानी समस्या है और बोस्टन अस्पताल ने मार्च में कहा था कि किडनी प्रत्यारोपण के लिए उसकी प्रतीक्षा सूची में 1,400 से अधिक मरीज थे। अस्पताल के अनुसार, प्रत्यारोपण के लिए इस्तेमाल की गई सुअर की किडनी मैसाचुसेट्स बायोटेक कंपनी ईजेनेसिस द्वारा प्रदान की गई थी और इसे हानिकारक सुअर जीन को हटाने और कुछ मानव जीन को जोड़ने के लिए संशोधित किया गया था। टाइप 2 मधुमेह और उच्च रक्तचाप से पीड़ित स्लेमैन को 2018 में एक मानव किडनी प्रत्यारोपित की गई थी, लेकिन पांच साल बाद इस किडनी ने शरीर में काम करना बंद कर दिया था इसी को देखते हुए दोबारा यह कार्य किया गया है।

## दिल्ली के आरएमएल अस्पताल में रिश्वतखोरी, आरोपी सीबीआई रिमांड पर

**नई दिल्ली:** दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने राम मनोहर लोहिया (आरएमएल) अस्पताल में रिश्वतखोरी के मामले में गिरफ्तार नौ आरो. पियों को पांच दिन की सीबीआई रिमांड पर भेज दिया है। इन आरोपियों में अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग के प्रोफेसर और तकनीकी प्रभारी भी शामिल हैं। विशेष न्यायाधीश प्रशांत कुमार ने 8 मई को पारित आदेश में कहा, मेरा मानना है कि चूंकि मामला जांच के शुरुआती चरण में है और आरोपियों से हिरासत में लेकर विस्तृत पूछताछ की जरूरत है, ताकि न केवल विभिन्न दस्तावेजों का सामना किया जा सके, बल्कि अन्य आरोपियों और उनकी गिरफ्तारी के बारे में भी जानकारी जुटाई जा सके, अब उन्हें अदालत में 14 मई को पेश किया जाएगा, अदालत ने कहा। वकील राजीव मोहन, चिराग मदान, शशांक बाजपेयी, विदुला मेहरोत्रा और कई अन्य लोग मामले में विभिन्न आरोपियों के लिए पेश हुए। हाल ही में, सीबीआई ने आरएमएल के कई डॉक्टरों और कर्मचारियों को फंसाते हुए एक प्राथमिकी दर्ज की, जिसमें उन पर मरीजों और चिकित्सा उपकरण आपूर्तिकर्ताओं से रिश्वत लेने का आरोप लगाया गया। सीबीआई ने कहा कि गिरफ्तार किए गए नौ लोगों में आरएमएल के कार्डियोलॉजी विभाग के दो प्रोफेसर और सहायक प्रोफेसर हैं। एजेंसी ने कहा, अस्पताल के एक वरिष्ठ तकनीकी प्रभारी, एक नर्स, दो क्लर्क, साथ ही पांच निजी चिकित्सा उपकरण आपूर्तिकर्ता कंपनियों के प्रतिनिधि भी एफआईआर में आरोपियों में शामिल हैं। सीबीआई ने अपनी जांच के तहत 15 स्थानों पर तलाशी ली। आरोपियों पर आपराधिक साजिश और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। आरोपों के अनुसार, डॉक्टरों और अस्पताल के कर्मचारियों ने चिकित्सा उपकरण कंपनियों के प्रति. निधियों के माध्यम से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रिश्वत ली, जिसके बदले में उनके उपकरणों को बढ़ावा देना या अस्पताल में इसके उपयोग को सुविधाजनक बनाना शामिल है। क्लर्क और नर्स कथित तौर पर अपॉइंटमेंट और एडमिशन की सुविधा के लिए मरीजों से अनुचित लाभ की मांग कर रहे थे। एफआईआर में कहा गया है, एक डॉक्टर ने कथित तौर पर अबरार अहमद नामक एक सप्लायर से 1.95 लाख रुपये की रिश्वत मांगी, जिसे उसके पिता के खाते में ट्रांसफर कर दिया गया। बाद में, आरोपी डॉक्टर ने फिर से सप्लायर से संपर्क किया और सभी लंबित रिश्वत राशि के भुगतान में तेजी लाने के लिए कहा क्योंकि वह एक निजी दौरे पर यूरोप जाने की योजना बना रहा था।

**जैसा मनुष्य पुराने वस्त्रों को त्यागकर दूसरे नये वस्त्रों को ग्रहण करता है, वैसे ही आत्मा पुराने तथा वृद्ध शरीर को त्यागकर नये शरीर को प्राप्त करती है.**

## पैथोलॉजी को अवैध तरीके से चलाने पर किया सील, दवा दुकान से शराब बरामद

**लांजी ,बालाघाट(मप्र):** पैथोलॉजी को अवैध तरीके से चलाने पर सील कर दिया गया है। यह कार्रवाई दशन पाली क्लीनिक पर जांच के बाद प्रशासनिक टीम ने की है। यहां लंबे समय से बिना अनुमति के पैथोलॉजी व नर्सिंग होम का संचालन किया जा रहा था। जांच के दौरान दवा दुकान के अंदर से शराब की बोतलें भी बरामद की गई हैं।

**सील तोड़कर फिर शुरू किया क्लीनिक :** दशन पाली क्लीनिक पर अनियमतिताओं की शिकायत मिली थी। पिछले दिनों तहसीलदार, लांजी थाना प्रभारी एवं फारेंसिक टीम व बीएमओ ने मिलकर क्लीनिक की जांच की। इस दौरान क्लीनिक पर भारी अनियमितताएं मिली। इसके चलते टीम ने क्लीनिक को सील कर दिया था, लेकिन क्लीनिक प्रबंधन ने बिना जांच पूरी हुए सील तोड़कर फिर से इसका संचालन शुरू कर डाला। इस बारे में जानकारी मिलने पर अधिकारियों की तीन सदस्यीय टीम मौके पर पहुंचीं। टीम में एसडीएम प्रदीप कौरव, एसडीओपी पुलिस सतेंद्र घनघोरिया और बीएमओ डा. प्रदीप गेडाम शामिल रहे। इन्होंने पूर्व में की गई जांच के बिंदुओं के आधार पर सत्यापन किया। जांच में सामने आया कि दशन क्लीनिक के नाम से रजिस्ट्रेशन है, न कि अस्पताल नर्सिंग होम चलाने का। फिर भी क्लीनिक में 10 बिस्तर लगे मिले। यहां नियम विरुद्ध मरीजों को भर्ती कर इलाज किया जा रहा था। क्लीनिक में एक पैथोलॉजी भी पाई गई, लेकिन उसके दस्तावेज नहीं मिले। पैथोलॉजी के लिए नियमानुसार एमडी पैथोलॉजी होना आवश्यक है। क्लीनिक से निकलने वाले बायोमेडिकल कचरे को नष्ट करने के लिए कोई व्यवस्था नहीं मिली। पाल्यूशन कंट्रोल बोर्ड का भी लाइसेंस नहीं मिला।

**एनओसी, आग बुझाने के लिए व्यवस्था नही :** निरीक्षण में फायर संबंधी एनओसी तथा आग बुझाने के लिए कोई व्यवस्था नहीं मिली। हैरानी की बात तो यह रही कि इस क्लीनिक में संचालित दवा दुकान में रखी शराब भी बरामद हुई। यहां बड़ी मात्रा में एक्सपायरी डेट के इंजेक्शन मिले हैं। ऑक्सीजन सिलेंडर भी खाली रखा मिला। जांच टीम ने इस संबंध में उच्च अधिकारी को रिपोर्ट तैयार कर भेज दी है।

## इन 10 दवाओं में है जानलेवा केमिकल, बिक रही खुलेआम

**नई दिल्ली:** कफ सिरप समेत 10 दवाइयां ऐसी हैं, जिनमें जानलेवा केमिकल शामिल है। खास बात यह है कि ये दवाइयां देशभर में खुलेआम बिक रही हैं। स्वास्थ्य विभाग सबकुछ जानकर भी अनजान बना हुआ है। बाजार में कई ऐसी दवाएं खुलेआम बिक रही हैं, जो जानलेवा साबित हो सकती हैं। पिछले सात महीनों में 10 दवाओं की जांच में जानलेवा केमिकल डाई-एथिलीन ग्लाइकोल (डीईजी) और एथिलीन ग्लाइकोल (ईजी) मिला है। खास बात यह है कि इन 10 दवाओं में 6 बच्चों के कफ सिरप शामिल हैं।

इन दवाओं में बच्चों के 6 कफ सिरप भी शामिल हैं। इनमें कोफवोन एलएस, ग्वाइफेनेसिन सिरप-100, ग्वाइफेनेसिन, सिलप्रो प्लस और कोल्ड आउट के दो बैच शामिल हैं। सेंट्रल ड्रग स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (सीडीएससीओ) ने अगस्त 2023 से फरवरी 2024 के बीच की गई जांचों में ये नतीजे निकाले हैं। गौरतलब है कि ये वही घातक केमिकल हैं, जिससे 1-2 साल में गाम्बिया, उज्बेकिस्तान और कैमरून सहित कई देशों में 140 से ज्यादा बच्चों की मौत हो चुकी है। इस केस में भारतीय फार्मा कंपनी के बनाए कफ सिरप को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। बता दें कि जून 2023 से सीडीएससीओ ने निर्यात होने वाले सभी कफ सिरप की लैब टेस्टिंग अनिवार्य कर दी थी। जून से अक्टूबर 2023 तक 5 महीनों में 54 फार्मा कंपनियों के सैंपल फेल हो गए। खांसी-सर्दी होने पर डॉक्टर आमतौर पर कफ सिरप दवा लेने की सलाह देते हैं, लेकिन ड्रग्स कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने 4 साल से छोटे बच्चों को कफ सिरफ देने पर बैन लगा दिया है। कहा गया है कि क्लोरफेनिरामाइन मैलेट और फिनाइलफ्राइन के कॉम्बिनेशन से बने कफ सिरप का बच्चों पर बुरा असर देखने को मिल रहा है।

Our Range
TABLET
CAPSULE
DRY SYRUP
OINTMENT
SYRUP
INJECTABLE
HERBAL PRODUCTS
SHAMPOO
SOAP
SOFT GEL
PROTEIN POWDER
SACHET
Our Group Companies
ZANEKA Healthcare Ltd.
Ambience Pharma
R.D.N. PHARMACEUTICALS
AvrioLifecare

Ambience Pharma
Contributing to the HEALTH of Individuals WORLD WIDE
Why WE ?
- Attractive Packing & Best Quality Medicines
- Latest Molecules & High Efficacy
- Monopoly Rights & Timely Delivery
- Competitive Price with Best Promotional Inputs
- Special Schemes for Nursing Homes & Hospitals.
- Wide Range of More than 400 Products

OUR TOP SELLING PRODUCTS
- Ampicillin 250 mg + Dicloxacillin 250 mg Capsule
- Itraconazole 400 SR / 200/ 100 Capsules
- Levofloxacin 250 mg + Ornidazole 500 mg Tablets/Kid Suspension
- Etoricoxib 60 mg + Thiocolchicoside 4 mg Tablets
- Rabeprazole 20 mg + Domperidone 30 mg Capsules
- Esomeprazole 40 mg + Domperidone 30 mg Capsules
- Cefpodoxime Proxetil 200 mg + Ofloxacin 200 mg Tablets
- Lyophilized Sachromyces Boulardii Sachets
- Rabeprazole 20 mg + Levosulpride 75 mg Capsules
- Lactitol Suspension
- Clopedogrel Tablets 75 mg
- Codeine Syrup
- Lactulose 10 g + White Dextrin 3.5 g + Polydextrose 2.1 g & Fructo-oligosaccharides 2.5 g Suspension

Third Party Manufacturing in WHO-GMP Unit.
Dedicated Plant for Clav Products.

TRADE ENQUIRES ARE WELCOME FOR PCD / FRANCHISEE / THIRD PARTY MANUFACTURING AT :-
Ph. +91-9997971077, +91-9627761357
Email :- ambiencepharma@gmail.com
www.ambiencepharma.com

अमृत और मृत्यु – दोनों ही इस शरीर में स्थित हैं. मनुष्य मोह से मृत्यु को व सत्य से अमृत को प्राप्त होता है

"यदि किसी का स्वभाव अच्छा है तो उसे किसी और गुण की क्या जरूरत है? यदि आदमी के पास प्रसिद्धि है तो भला उसे और किसी श्रृंगार की क्या आवश्यकता है?" –चाणक्य

GRAPHIC design
FLYER CREATION LOGO CONCEPT COMMUNICATION MARKETING
IMPORTANT ANNOUNCEMENT
In order to help my fellow colleagues to revamp their business post Covid-19
our special discounted rates for
Visual Aids designing and printing are as follows :
Charges : Book type Rs. 35 per page + Rs 200 for book binding,
Spiral bound stand type Rs. 25 per page + Rs 200 for spiral binding
(Designing Free and no restrictions on minimum numbers of visual aids to be printed) .
Visual Aids | Reminder Cards | Packing Labels
Catch Covers | Dr's Request Cards | Boxes
Leave Behind Cards | Stickers | Physician's Samples
PRINTING
Medical Writers & Illustrators
Contact or write to:
Medical Writers & Illustrators. WZ-91 B, Tatarpur (Near Metro pillar No. 431)
Tagore Garden , New Delhi-110027. Mob. 9871696965 / 9971696965
Ph. 011-25458331 / 011-45613764. email: medicalwriters01@gmail.com

## RML हॉस्पिटल के दो डॉक्टर समेत 9 अरेस्ट, इलाज के नाम पर रिश्वत लेने का आरोप

**नई दिल्ली:** RML हॉस्पिटल (राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल) में इलाज के नाम पर रिश्वत लेने के मामले का पर्दाफाश हुआ है। सीबीआई ने इस मामले में 2 डॉक्टरों समेत 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि यह गिरोह डॉक्टरों के साथ मिलकर मरीजों से इलाज के नाम पर रिश्वतखोरी कर रहा था। सीबीआई ने इनकी शिकायतें मिलने पर इस गिरोह पर शिकंजा कसा है। आरएमएल के जिन दो डॉक्टर्स को गिरफ्तार किया गया है, उनमें कार्डियोलॉजी विभाग के डा. पर्वतगौड़ा और डॉ. अजय राज शामिल हैं। सीबीआई ने द्वारा दर्ज करवाई गई एफआईआर में 16 डॉक्टर्स, मेडिकल उपकरण बेचने वाले डीलर, हॉस्पिटल के नर्सिंग कर्मचारी और अन्य लोग शामिल हैं।

**06 दिन की कस्टडी में कोर्ट में रिमांड पर लिया सीबीआई ने**

सीबीआई के अनुसार रजनीश कुमार, क्लर्क भुवाल जयसवाल, संजय कुमार और विकास कुमार को भी गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि क्लर्क भुवाल जयसवाल ने डॉक्टरों के साथ मिलकर मरीजों को भर्ती कराने के लिए उनके परिजनों से रिश्वत ली वहीं, संजय कुमार ने फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट जारी करने के लिए रिश्वत ली। डॉक्टर्स और डीलरों से जुड़े कई ठिकानों पर छापेमारी की गई है। सीबीआई ने आरोपियों को कोर्ट में पेश कर 6 दिन की कस्टडी रिमांड पर लिया है। आरएमएल अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉक्टर पर्वतगौड़ा को ढाई लाख रुपये की रिश्वत के साथ रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया है।

## स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए बायोमेडिकल उपकरणों का उचित प्रबंधन आवश्यक: एमडी

**जयपुर (कैलाश शर्मा) :** राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन की प्रबंध निदेशक श्रीमती नेहा गिरि ने कहा कि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण जांच एवं उपचार उपलब्ध कराने तथा स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए बायोमेडिकल उपकरणों का उचित प्रबंधन आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इसके लिए प्रदेश में बायोमेडिकल उपकरण मरम्मत और रखरखाव कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। चिकित्सा उपकरणों की मरम्मत एवं नियमित रखरखाव से निदान और उपचार परिणामों को बेहतर बनाने में काफी मदद मिलती है।

एलिवेटिंग हॉस्पिटल सर्विसेज विद् सीमलेस रिपेयर एण्ड मेंटीनेंस एक्सीलेंस' विषय पर आयोजित नेशनल सिम्पोजियम को सम्बोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि संगोष्ठी में सभी हितधारकों के साथ परामर्श कर बायोमेडिकल उपकरणों के प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज तैयार होगा। प्रयास है कि बायोमेडिकल उपकरणों के क्षेत्र में रिसर्च एवं प्रबंधन की गुणवत्ता में सुधार हो, उपकरणों का डाउनटाइम कम हो तथा स्वास्थ्य सेवाओं की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित हो। बायोमेडिकल इक्विपमेंट मैनेजमेंट से उपकरणों की परिचालन दक्षता बढ़ने के साथ ही लागत कम करने में भी मदद मिलती है। प्रबंध निदेशक ने बताया कि आरएमएससीएल दवाओं, सर्जिकल एवं सूचर्स तथा जांच उपकरणों की खरीद में अग्रणी रहा है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की रैंकिंग में आरएमएससीएल अग्रणी रहा है। उन्होंने कहा कि बीईएमपी कार्यक्रम के तहत पिछले महीने तक कुल 1 लाख 43 हजार 631 उपकरणों को ई–उपकरण सॉफ्टवेयर में मैप किया गया है। इस कार्यक्रम की शुरुआत के बाद से पंजीकृत ऑनलाइन शिकायतों 1 लाख 44 हजार 465 में से 1 लाख 44 हजार 234 का सफलतापूर्वक समाधान किया गया है। अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएचएम अरूण गर्ग ने कहा कि बायोमेडिकल इक्विपमेंट मैनेजमेंट लागू करने से उपकरणों की मेंटीनेंस लागत में कमी आती है और महंगे बायोमेडिकल उपकरणों के उपयोग की अवधि को बढ़ाया जा सकता है।

1st time in Bharat
6 in 1 Customizable ERP
Trusted by 90000 + of users across GLOBE
Finance
Sales Force Automation
Supply Chain Management
HR-Payroll
Manufacturing Module
E-commerce
CBO Central Business Online
The Perfect Way of Customizable ERP
CBO ERP Limited
An ISO 27001:2013 Company
We have1300+ Satisfied Companies
Our presence is in more than 10 countries
+91-9891886164 | info@cboerp.com | www.cboerp.com

**जैसा मनुष्य पुराने वस्त्रों को त्यागकर, दूसरे नये वस्त्रों को ग्रहण करता है, वैसे ही आत्मा पुराने तथा वृद्ध शरीर को त्यागकर नये शरीर को प्राप्त करती है.**

## नशीली दवा के अंतरराज्यीय नेटवर्क का पर्दाफाश

**सोलन (हप्र):** नशीली दवा के अंतरराज्यीय नेटवर्क का पर्दाफाश किया गया है। साथ ही गिरोह से जुड़े सात आरोपियों को भी गिरफ्तासर किया गया है। पंजाब पुलिस ने बद्दी के एक फार्मा उद्योग से पांच राज्यों में चल रहे नशीली दवाओं के नेटवर्क को पकड़ा। पुलिस ने इस गिरोह के मुख्य सरगना सहित 7 आरोपियों को अरेस्ट किया है। नारकोटिक्स सैल अमृतसर की टीम ने बद्दी के दवा उद्योग में रेड कर 725.5 किलो नशीले ट्रामाडोल पाउडर (जिससे करीब 1.5 करोड़ कैप्सूल बन सकते हैं) के साथ 47.32 किलोग्राम नशीले कैप्सूल बरामद किए हैं। इन्हें टीम एक ट्रक में भरकर पंजाब में ले गई है। जांच में पता चला कि दवा उद्योग ने एक वर्ष के अंदर 6500 किलोग्राम नशीला ट्रामाडोल पाउडर खरीदा था। इससे स्पष्ट है कि नशीली दवाओं का उत्पादन बड़े स्तर पर हो रहा था। पंजाब में मामले का भंडाफोड़ होने के बाद राज्य दवा नियंत्रक विभाग ने दवा उद्योग को नोटिस जारी कर जांच के लिए एक कमेटी भी गठित की है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि अरेस्ट किया गया गिरोह पांच राज्यों पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश ओर महाराष्ट्र में नशीली दवाओं का नेटवर्क चला रहा था। इसमें फार्मा फैक्टरी के कर्मचारियों की भी भूमिका भी सामने आई है। गिरोह के पास से पुलिस ने 70.42 लाख नशीली दवाइयों की गोलियां, 725 किलोग्राम ट्रामाडोल पाउडर और 2.37 लाख रुपए की ड्रग मनी बरामद की है। डीजीपी ने बताया कि पुलिस ने नशीली दवाओं के मुख्य सरगना को उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से गिरफ्तार किया है।

दो नशा तस्करों को गिरफ्तार करने के बाद एसपी एसटीएफ विशालजीत सिंह और डीएसपी एसटीएफ वविंदर कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने इस रैकेट के मुख्य सरगना ऐलेक्स पालीवाल को उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में ट्रेस करके गिरफ्तार किया। मुख्य सरगना ऐलेक्स पालीवाल के पास से 9.04 लाख नशीली गोलियां व कैप्सूल के साथ 1.37 लाख रुपए की ड्रग मनी बरामद की। पुलिस पूछताछ में ऐलेक्स पालीवाल ने बताया कि बद्दी के दवा उद्योग से नशीली दवाइयों की खेप उठाई जाती थी। इन नशीले पदार्थों की ट्रांसपोर्टेशन और वितरण संबंधित जांच करते हुए नशीले पदार्थों की तस्करी के अंतर्राज्यीय नैटवर्क की जांच करते हुए 4 अन्य तस्करों को दबोचा गया, जिनकी पहचान इंतजार सलमानी, प्रिंस सलमानी, बलजिन्दर सिंह और सूबा सिंह के तौर पर हुई है। पंजाब एसटीएफ ने ड्रग कंट्रोल ऑफिसर सुखदीप सिंह और रमनीक सिंह की मौजूदगी में पुलिस टीमों ने बद्दी स्थित दवा उद्योग की जांच की और रिकॉर्ड जब्त करने पर खुलासा हुआ कि केवल आठ महीनों में 20 करोड़ से अधिक एल्पराजोलम गोलियों का उत्पादन किया। उप दवा नियंत्रक बद्दी मनीष कपूर ने बताया कि नशीली दवाओं का मामला सामने आने पर सम्बन्धित उद्योग को नोटिस जारी किया गया है।

Our vision a Healthy World
Golden opportunity to join hands with fastest growing pharmaceutical company having widest range of products.
750 + Products
New Generation Molecules
Tablets | Capsules | Ointment/Gel | Sun Screen
Shampoo | Face Wash | Dusting Powder | Mouth Wash
Dry Syrup/Syrup/Suspension | Injectable | Protein Powder
Sachet | Softgel Capsule
Brand promotional inputs available like :
Visual-Aids | Leaflet & Pads | Product Glossary
Gifts | Reminder Cards | Visiting Card
Bags | Catch Cover
OVER 1200 SATISFIED CUSTOMER
All Brands are Trademark | International Standard Packing
Super Franchises/Franchisee/Promoters with sound financial background & pharma selling experience are welcome for distribution rights on monopoly basis for unrepresented areas, please contact to our Corporate Office
Our Divisions
abc American Biocare | WELLSBURG | Solacia | Solacia | GOIND
(AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED CO.)
R.C. B NO. 2, ROOM NO. 15, CHEMBUR COLONY, CHEMBUR, MUMBAI-400074
OVERSEAS OFFICE : PARK DRIVE,MELVILLE, NEW YORK - 11747 U.S.A
CORPORATE OFFICE :
American Biocare, "Maa Sharda Niwas" 266 - Napier Town, Near Bhawartal Garden, JABALPUR - 482001 (M.P.)
Phone : +91-761-2450887 Mobile : 09479638088, 09424698888
E-MAIL : americanbiocare@gmail.com Visit us at : www.americanbiocare.in, www.americanbiocare.co.in

Park
ISO | GMP | GLP | WHO-COMPLIANS SCHEDULE M
Manufacturing Facility at Baddi, Himachal Pradesh
TABLETS | CAPSULES | LIQUIDS
INJECTION | EYE/EAR & NASAL DROPS | DRY SYRUP
Proposals Invited for Marketing Tie-ups, Contact/Third Party Manufacuturing/Export Orders
Looking Distributors on PCD/Franchisee Basis in un-represented area
SCO-206, First Floor, Sector-14, Panchkula (Haryana)
PH : +91 92170-80009, +91 92183 98388
PARK CARE | SPACE CARE | CareHealth
Works : Village Kalujhanda, Teh. Baddi (H.P.)
Corporate Office : SCO 206, 1st Floor, Sector-14, Panchkula (Haryana)
E-mail : gmcontpark@gmail.com
Web Site : www.parkpharma.net

4 वर्ष तक घर बैठे यह समाचार पत्र पढ़ने के लिये हमारे पंजाब नैशनल बैंक के खाता संख्या 1824002100120081, IFSC Code - PUNB0182400 जो कि मैडीकल दर्पण के नाम से है, में रू० 500/– जमा कर अपना पूरा पता हमारे फोन नं०– 09045029158 पर SMS कर दें।

PD PAPER MAY 2024_32 Inch January. 2021.qxd 5/20/2024 5:49 PM Page 6



## मैडीकल दर्पण मीडिया हाऊस की ओर से जन्मदिन पर ढेर सारी शुभकामनाएं

| | | | |
|---|---|---|---|
| SHRI RAJESH KUMAR JI | AGRA | 20/05/1957 | 9319102913 |
| SHRI DINESH KUMAR GABDA JI | DHULE | 21/05/1959 | 9552939759 |
| SHRI SUNEEL B. REPAL JI | SOLAPUR | 21/05/1965 | 9421065255 |
| SHRI NANDU BHAI PATIL JI | BANASKANTHA | 21/05/1970 | 9879395808 |
| SHRI MAHESH CHOUDHRY JI | PUNE | 21/05/1991 | 9552310059 |
| SHRI JIGNESH K. PATANI JI | VADODARA | 22/05/1992 | 9879618351 |
| SHRI MAYANK SINGH JI | RAJHAND- | 22/05/1999 | 7000436157 |
| SHILPA AGARWAL JI | BULANDSHAHR | 22/05/1997 | 7409062958 |
| SHRI BHANUDAS PATIL JI | JALGAON | 22/05/1973 | 9890111659 |
| SHRI SANDIP BORA JI | NASHIK | 23/05/1974 | 9423485884 |
| SHRI SAMEER K.PARKHI JI | NASHIK | 23/05/1990 | 7588013365 |
| SHRI ASHISH D. AGARWAL | BHANDARA | 24/05/1986 | 9420517280 |
| SHRI SHIVKUMAR BANSAL JI | AGRA | 25/05/1998 | 9690617328 |
| SHRI RAJ NARESH SHARMA JI | AGRA | 26/05/1963 | 9219615112 |
| SHRI JITENDRA MORANKAR JI | DHULE | 26/05/1973 | 8483089386 |
| SHRI D.M. MAHAJAN JI | KOLHAPUR | 26/05/1965 | 9673335399 |
| SHRI PRAKASH KUMAR H. CHOUDHARY | SURAT | 26/05/1988 | 8469935185 |
| SHRI VIVEK GOSAVI JI | NASHIK | 26/05/1988 | 8806057916 |
| SHRI RUPESH GOVIND NANKAR JI | NASHIK | 26/05/1985 | 9422766651 |
| SHRI AMISH SHAHU JI | NAGPUR | 27/05/1976 | 9860500915 |
| SHRI PAVANJAIN JI | DHAULPUR | 27/05/1977 | 9414028142 |
| SHRI NISCHAL PUROHIT JI | TAPI | 28/05/1972 | 9825651996 |
| SHRI ARUN CHOUDHARY JI | BULANDSHAHR | 28/05/1993 | 9675023063 |
| SHRI YOGESH N. BHOKARE JI | JALGAON | 28/05/1977 | 9850210488 |
| SHRI BHARAT BHAI PATEL JI | MEHSANA | 31/05/1973 | 9429728129 |
| SHRI VIQUAR SAGEER AZEEZY JI | JALGAON | 31/05/1971 | 9423977861 |
| SHRI PRAFUL SHAH JI | SURAT | 01/06/1962 | 9428390906 |
| SHRI PATEL DURGESH JI | PATAN | 01/06/1986 | 9624153791 |
| Shri. SHABBIR A. DEGINAL JI | BIJAPUR | 01/06/1978 | 9845459521 |
| MOHD. ANSARI ALIMUDDIN JI | NASHIK | 01/06/1957 | 9823183104 |
| ANSARI ALIMUDDIN | NASHIK | 01/06/1957 | 9823183104 |
| MOH. ARIF | NASHIK | 01/06/1965 | 9822331586 |
| SHRI EKNATH SAINDANE JI | JALGAON | 01/06/1972 | 9665540688 |
| SHRI N.S. PATIL JI | KOLHAPUR | 02/06/1969 | 9226885265 |
| MOHD. NAFEES AHMAD JI | ETAH | 02/06/1969 | 7017422084 |
| SHRI BALKISHAN MUNESHWAR JI | GONDIA | 02/06/1976 | 9049990117 |
| SHRI MOHIT P. DESAI JI | VADODARA | 03/06/1979 | 9824155470 |
| SHRI P.K. PRADHAN JI | MAZITAR | 03/06/1955 | 9064462916 |
| SHRI PRABHU ASATI JI | GONDIA | 03/06/1964 | 7774840222 |
| DR. UDAI PAL SHARMA JI | BULANDSHAHR | 03/06/1968 | 9761130317 |
| SHRI RAVINDRA DHADD JI | KOLHAPUR | 04/06/1960 | 9730086251 |
| SHRI DEEPAK JAIN JI | NAGPUR | 05/06/1975 | 9420063375 |
| MR. HARSHAD RUDRAKAR JI | AMRAVATI | 05/06/1975 | 9975521267 |
| SHRI YASH R. MALI JI | JALGAON | 05/06/1996 | 7588010199 |
| MOHD. FAHEEM AKHTAR | NAGPUR | 05/06/1978 | 9373664636 |
| DR. PRADEEP KUMAR JI | BULANDSHAHR | 05/06/1992 | 9759064593 |
| SHRI HANS RAJ SAINI JI | ALWAR | 05/06/1992 | 9982719797 |
| SHRI SATISH P.NAVAL JI | NASHIK | 06/06/1956 | 9225738802 |
| SHRI ANUPAM GARG JI | AGRA | 06/06/1998 | 7878905919 |
| SHRI HEMENDRA KUMAR JI | ALWAR | 07/06/1980 | 9694320719 |
| SHRI MAHENDRA BHAI JI | SURAT | 08/06/1986 | 9913582689 |
| SHRI PRASHANT YEOLE JI | DHULE | 08/06/1978 | 9923105571 |
| SHRI ASHISH VARSHNEY JI | ETAH | 08/06/1978 | 9837122244 |
| SHRI BANKEYLAL JI | ALIGARH | 08/06/1985 | 9758395613 |
| SHRI DINESH KUMAR CHOUDHRY JI | SURAT | 09/06/1990 | 9725577877 |
| SHRI UTTAM PATH JI | BARGARH | 09/06/1976 | 9437218792 |
| SHRI NILESH JAY SINGH RAJPUT JI | JALGAON | 09/06/1980 | 9822261467 |
| MR. SATISH SARDA JI | CHANDRAPUR | 12/06/1978 | 9595690565 |
| SHRI MUKESH KUMAR JI | BULANDSHAHR | 13/06/1986 | 9808123477 |
| SHRI LALIT P.PATKAR JI | NASHIK | 13/06/1985 | 9403725809 |
| DR. S.P. SINGH JI | BULANDSHAHR | 14/06/1985 | 7500582017 |
| SHRI KRIAHAN KUMAR RAUT JI | GONDIA | 14/06/1980 | 9325003575 |
| SHRI NARENDRA TANDEKAR JI | GONDIA | 14/06/1984 | 9923066401 |
| SHRI SHRIKANT MORE JI | SATARA | 15/06/1985 | 8855006522 |
| MR. BASUDEV SAHOO JI | CUTTACK | 15/06/1979 | 9437356627 |
| SHRI CHETAN AGRAWAL JI | NASHIK | 15/06/1993 | 9766092888 |
| SHRI JITENDRA BATRA JI | AGRA | 16/06/1976 | 9258801383 |
| SHRI SUNIL CHHAJED JI | DHULE | 17/06/1967 | 9823271255 |
| SHRI VINAY N. KABRA JI | JALGAON | 17/06/1958 | 9890057949 |
| SHRI CHAITANJ J. MAHAJAN JI | JALGAON | 17/06/1982 | 9822312112 |
| SHRI VIKAS GUPTA JI | AGRA | 18/06/1985 | 9758047100 |
| SHRI UMESH PATEL JI | PATAN | 19/06/1978 | 9824174058 |
| SHRI TARUN KR. GUPTA JI | BULANDSHAHR | 19/06/1989 | 7417920630 |
| SHRI PRASHANT S. JAIN JI | DHULE | 20/06/1982 | 9421245293 |
| SHALU JI | ALIGARH | 20/06/1995 | 9758395613 |
| MOHD. SHAFIQUE SHAIKHE JI | NASHIK | 20/06/1981 | 9881146986 |

## स्वास्थ्य विभाग की रेड, 4 मेडिकल स्टोर व क्लिनिक सीज

**हल्द्वानी:** स्वास्थ्य विभाग की टीम ने छापामारी कर चार मेडिकल स्टोर व क्लीनिकों को सील किया है। लालकुआं व आसपास के क्षेत्रों में फर्जी तरीके से चल रहे मेडिकल स्टोर एवं क्लीनिक के खिलाफ जिलाधिकारी वंदना के निर्देश पर कार्रवाई की गई। स्वास्थ्य एवं तहसील विभाग की संयुक्त टीम ने आधा दर्जन के करीब मेडिकल स्टोर एवं क्लीनिक में छापामारी की। इन पर कई अनियमितताएं पाई गई। इसके तहत हल्दूचौड़ के डीके क्लिनिक,कमलेश मेडिकल स्टोर, और हल्दूचौड़ जग्गी के ही मंडल क्लिनिक को सीज कर दिया गया। इनके संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी को रिपोर्ट भेज दी गई है। टीम को लाल. कुआं के रस्तोगी डेंटल क्लीनिक में भी भारी अनियमिताएं मिली। डेंटल क्लीनिक को बिना किसी डिग्री के संचालित किया जा रहा था। उसे भी सीज कर दिया गया है। लाल. कुआं तहसील गेट के सामने ओमकार क्लीनिक में भी अनियमितताएं मिलने पर स्पष्टीकरण मांगा गया है।

## मल्टी विटामिन और कैल्शियम की दवा में 99% पाउडर व सत्तू

झारखंड में नकली और घटिया दवा धड़ल्ले से बिक रही है। इसे खाकर लोग ठीक होने की जगह बीमार हो रहे हैं। ड्रग डिपोर्टमेंट द्वारा कुछ दवाओं की सैंपल की जांच में यह खुलासा हुआ है। रांची की एक दवा कंपनी पामा फार्मास्यूटिकल्स और सार्थक मेडिकल एजेंसी की ओर से सदर अस्पताल और नगर निगम में बड़ी मात्रा में मल्टी विटामिन, कैल्शियम और एंटीबायोटिक सहित कई दवाओं की आपूर्ति की गई थी। इन दवाओं की जांच रिपोर्ट हैरान करने वाली है। मल्टी विटामिन व कैल्शियम की दवा में विटामिन और कैल्शियम की मात्रा 100% होनी चाहिए। लेकिन दवा में यह 1% ही मिली।

बाकी 99% पाउडर, सत्तू, नमक और अन्य पदार्थ मिले। इसके अलावा एंटीबायोटिक व पैरासिटामोल भी नकली मिले हैं। औषधि निदेशालय ने इन दवाओं को सब स्टैंडर्ड और घटिया क्वालिटी का बताया है। जांच के बाद ड्रग डिपार्टमेंट ने सदर अस्पताल और नगर निगम को सप्लाई की गई दवा के इस्तेमाल पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने का आदेश दिया है। दरअसल रांची सहित पूरे झारखंड में नकली और घटिया दवा बेचने के लिए बड़ा सिंडिकेट काम कर रहा है। यह सिंडिकेट और मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव उसी ब्रांड की दवा लिखने के लिए, डॉक्टरों को मोटी कमीशन देते हैं। दवा बाजार में पहुंचता है और डॉक्टर के लिखने पर मरीज वहीं दवा इस्तेमाल करते हैं। इससे ये और बीमार हो जाते हैं।

सदर अस्पताल में पामा फार्मास्यूटिकल्स ने जो एचएमटी मल्टी विटामिन नाम की दवा सप्लाई की थी, वह बैच नंबर बीयू-1722 की थी। इसकी 10,500 टैबलेट की सप्लाई 23 दिसंबर 2023 को की गई थी। सभी दवा घटिया क्वालिटी की मिली। इसके अलावा नगर निगम द्वारा संचालित विभिन्न वार्डों के हेल्थ सेंटर से ड्रग डिपार्टमेंट की टीम ने शिकायत के बाद 20 तरह के दवाओं की सैंपलिंग की थी। बताते चले कि निगम में एंटीबायोटिक दवा सेफिक्जिन (प्रीसेफ 200 एलबी) की करीब 14,000 टैबलेट सप्लाई हुई थीं। रैपर पर कंपनी का पूरा विवरण, वह भी फर्जी रांची जिले के एक ड्रग इंस्पेक्टर ने बताया कि उक्त सब-स्टैंडर्ड क्वालिटी की दवाओं के रैपर में एड्रेस समेत पूरा विवरण दिया गया था। हमने पता से लेकर अन्य विवरण की भी जांच कराई। जांच में न तो पता सही मिला और न ही बाकी विवरण। वेरिफिकेशन में सब कुछ फर्जी निकला।

**कंपनी के खिलाफ दर्ज होगा मुकदमा :** डिप्टी डायरेक्टर, सुमंत तिवारी ने बताया कि इस प्रकार मामला संज्ञान में आया है कि सदर अस्पताल और नगर निगम द्वारा संचालित कुछ दवाओं की सैंपलिंग की गई थी, कुछ दवाएं नकली मिली है फर्जी दवा कंपनियों पर मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। साथ ही फर्जी दवा बेचने पर लाइसेंस भी राह किया जाएगा।

Contract Research manufacturer
In Quality and state of Art sections of-

AYURVEDIC AYUSH MARK PRODUCTS
TABLET | CAPSULES | OIL | BHASMA | SYRUP

COSMECEUTICALS
SERUM | PSORIASIS | VITILIGO | SKIN CARE | HAIR CARE

ALLOPATHIC
TABLET | CAPSULE | OINTMENT

NUTRACEUTICALS

Rajani Healthcare Products
Office Address: Purva Complex, Sadashiv Peth Pune 411 030, Maharashtra India
Plant: E-18/1, Jejuri MIDC Tel: Purander Dist: Pune Maharashtra India 412 303, www.rajanipharma.com
pharma789@gmail.com, export.rhcp@gmail.com, info@rajanipharma.com, business@rajanipharma.com
+91 20 24471007 +91 20 24473132 +91 9823096996 +91 8793340533 +91 9168316618 +91 9604639665

## samples of these companies were found infected during investigation

**Apple Formulation Pvt. Ltd.**
Plot no. 208. Kishanpur, Roorkee-247667(UK)

**Habitare Pharma Pvt. Ltd.**
Plot No-43-44, Industrial Estate HSIIDC Alipur, Barwala Dist- Panchkula(HR) 134118

**Swiss Biotech Parentrals.**
Kewat No. 1138, VPO- Kachhwa, Karnal-132001(Haryana)

**Bajaj Formulation.**
Khasra No. 161, Village Lakeshwary, Bhagwanpur, Roorkee, Distt. Haridwar (U.K)

**Navkar Lifesciences.**
Plot no. 76. Lodhi Majra, Industrial Area, Baddi, Distt, Solan(H.P)

**SYMBIOSIS HEALTHCARE.**
Commitment for Quality Suketi Road, kala Amb- 173030 (H.P)

**M/s Caremediqa Life Sciences.**
77/7, Industrial Area, Dehradun, Uttarakhand-248110

ALSO AVAILABLE VETERINARY PRODUCT
AdHya Pharmaceuticals Pvt. Ltd.
A Symbol of Excellence in Health Care To Serve Quality Medicines.
Excise Free Zone
Beta & Non Beta
Alu Alu Pack Available
A Wide Range of Syrups, Tablets Capsules, Dry Syrup
Come Join Hands with us:
• Bulk order manufacturing.
• Loan licence arrangement.
• Third party/marketed by arrangement.
• For sole marketing rights for unrepresentated areas.
Interested parties may contact :
KULDEEP SINGH
Mob. : 09927034515, 9837034518
AdHya Pharmaceuticals Pvt. Ltd.
Believe in Quality & Service
197, Raipur, Bhagwanpur, Roorkee, Haridwar (U.K.)
E-mail : adhyapharmaceuticals@gmail.com
adhyaprinting@gmail.com

## फार्मा फैक्टरी में रेड, लाखों की नशीली गोलियां व दवाएं जब्त

**बद्दी:** फार्मा फैक्टरी में छापामारी कर एसटीएफ ने लाखों रुपये कीमत की नशीली गोलियां व दवाएं जब्त की हैं। राज्य दवा नियंत्रक प्राधिकरण ने भी इस मामले में फार्मा कंपनी के संचालकों को नोटिस जारी कर रिकार्ड तलब किया है। औद्योगिक क्षेत्र बद्दी में अवैध साइकोट्रॉपिक पदार्थों व दवाओं के विर्निर्माण में स्माइलैक्स फार्मा पर रेड पड़ी थी। यहां मौके से लाखों की नशीली दवाएं बरामद हुई थी। पंजाब पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने बद्दी की एक और फार्मा फैक्टरी में दबिश दी और लाखों की तादाद में नशीली गोलियां/कैप्सूल, रॉ मटीरियल व सिरप बरामद करने में सफलता पाई है। एसटीएफ ने हिमाचल के दवा नियंत्रक प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ मिलकर झाड़माजरी स्थित बायोजेनटिक ड्रग्स में दबिश दी और साइकोट्रॉपिक पदार्थों व दवाओं की बड़ी खेप को जब्त किया है। औषधि नियंत्रण प्रशासन के अधिकारियों ने करीब 400 किलोग्राम कोडीन, अल्प्राजोलम टेबलेट के 364 बॉक्स और करीब 4,000 कफ सिरप की बोतलें जब्त कीं है। बता दें कि एल्प्रैक्स टेबलेट और कफ सिरप का नशा करने वाले आमतौर पर दुरुपयोग करते हैं और कोडीन का उपयोग कफ सिरप बनाने के लिए किया जाता है।

एसटीएफ ने इस मामले में अब बायोजेनटिक ड्रग्स के खिलाफ भी कार्रवाई की कवायद शुरू कर दी है। राज्य दवा नियंत्रक प्राधिकरण ने भी इस मामले में फार्मा कंपनी के संचालकों को नोटिस जारी कर रिकार्ड तलब किया है। बताया गया है कि स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के डीएसपी के नेतृत्व में अमृतसर से एक टीम ने बद्दी के झाड़माजरी स्थित बायोजेनेटिक ड्रग्स प्राइवेट लिमिटेड में छापा मारा और पिछले लगभग एक साल में खरीदी गई विभिन्न साइकोट्रॉपिक दवाओं और इसके कच्चे माल की बिक्री और खरीद से संबंधित विभिन्न दस्तावेजों का निरीक्षण किया। छापेमारी में कार्यवाहक राज्य दवा नियंत्रक मनीष कपूर समेत प्राधिकरण के एडीसी व ड्रग इंस्पेकटर समेत सात अधिकारी भी शामिल थे। कार्यवाहक राज्य दवा नियंत्रक मनीष कपूर ने बताया कि बायोजेनिटक ड्रग्स में एसटीएफ की कार्रवाई चल रही है और जल्द ही पूरी जानकारी साझा की जाएगी।

## समय रहते बीमारी का पता चलना बेहद जरूरी

**मुजफ्फरनगर:** न्यूरो सिटी हॉस्पिटल की ओर से आर सोशल वेलफेयर ट्रस्ट एवं वीरेंद्र वर्मा विचार मंच के सहयोग से मुश्ताक मंजिल, आर.के. टेलर्स मेन रोड खालापार में निःशुल्क परामर्श कैंप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सुभाष चौहान नामित सदस्य स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि मौजूदा समय में तरह-तरह की गम्भीर बीमारियां चल रही हैं, जिसके लिये समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाना आवश्यक है, लेकिन गरीब व्यक्ति स्वास्थ्य का परीक्षण नहीं करा पता, जिसके लिये चिकित्सकों एवं संस्थाओं को आगे आना होगा।

मिली जानकारी के अनुसार न्यूरो सिटी हॉस्पिटल की ओर से आर सोशल वेलफेयर ट्रस्ट एवं वीरेंद्र वर्मा विचार मंच के सहयोग से मुश्ताक मंजिल, आर.के. टेलर्स मेन रोड खालापार में निःशुल्क परामर्श कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में आए हुए मरीजों को न्यूरो सिटी हॉस्पिटल से आई नवजात एवं बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. निधि मलिक एम.बी.बी.एस. एम.डी. पीडियाट्रिक्स व न्यूरो सृजन डॉक्टर अश्वमेध सिंह बालियान एम.बी.बी.एस., एम.एस., एम.सी. एच. न्यूरोसर्जरी, बी.एच.यू., एंडोस्कोपिक स्पाइन एण्ड ब्रेन सर्जन ने निशुल्क परामर्श दिया और बाल रोग व न्यूरो स्पाइन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी। सुभाष चौहान नामित सदस्य स्वास्थ्य विभाग ने फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम आयोजक उमादत्त शर्मा वीरेंद्र वर्मा विचार मंच व हाजी सरफराज चेयरमेन आर.के. ट्रस्ट की सुभाष चौहान ने प्रशंसा करते हुए कहा कि लगातार शर्मा और हाजी अपनी संस्थाओं के माध्यम से इस तरह के कार्यक्रम आयोजित कराते रहते हैं, जो समाज के लिये बेहद जरूरी और मानव स्वास्थ्य के लिये लाभकारी हैं, क्योंकि मौजूदा समय में तरह-तरह की गम्भीर बीमारिया पनप रही हैं, जिसके लिये गरीब व्यक्ति अपने स्वास्थ्य का परीक्षण नहीं करा पाते, ऐसे में चिकित्सकों एवं सामाजिक संस्थाओं का उत्तरदायित्व है कि वे आगे आयें और इस तरह के सराहनीय कार्य करें।

उन्होंने कहा कि मैं आभार व्यक्त करता हूं न्यूरो सिटी हॉस्पिटल से आए हुए समस्त चिकित्सकों एवं कार्यक्रम आयोजकों का, जिन्होंने इस तरह का कार्यक्रम आयोजित कर जनता तक निःशुल्क इसका लाभ पहुंचाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि अन्य सामाजिक संस्थाओं को बढ़-चढ़कर इस तरह के सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेना चाहिए। इस मौके पर मुख्य रूप से अतिथियों के रूप में सचिन त्यागी वरिष्ठ समाजसेवी, नेहा अरोड़ा देवोपम किड्स गार्डन स्कूल, आशुतोष शर्मा किड्जी स्कूल प्रेमपुरी, लोकेश चौहान यूनिक कोचिंग सेंटर, सतीश तायल, तायल मेडिकोज आदि मौजूद रहे।

भारी संख्या में क्षेत्रवासियों ने निःशुल्क परामर्श लेकर कैंप का लाभ उठाया। आर सोशल वेलफेयर ट्रस्ट एवं वीरेंद्र वर्मा विचार मंच के सहयोग से मुश्ताक मंजिल, आर.के. टेलर्स मेन रोड खालापार में निःशुल्क परामर्श कैंप का आयोजन किया गया। इस मौके पर आर के ट्रस्ट व वीरेंद्र वर्मा विचार मंच से जुड़े सभी लोग और न्यूरो सिटी हॉस्पिटल से आए डॉक्टर्स व उनकी पूरी आदि टीम मौजूद रहे। न्यूरो सिटी हॉस्पिटल की ओर से आर सोशल वेलफेयर ट्रस्ट एवं वीरेंद्र वर्मा विचार मंच के सहयोग से मुश्ताक मंजिल, आर.के. टेलर्स मेन रोड खालापार में निःशुल्क परामर्श कैंप का आयोजन किया गया।

**Satish Tayal.**
**mob. 9760007069**

## गर्मी से संबंधित मौतों को प्रमाणित करने के लिए शव परीक्षण अनिवार्य नहीं: एनसीडीसी

**नई दिल्ली:** राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) ने कहा है कि गर्मी से संबंधित मौतों को प्रमाणित करने के लिए शव परीक्षण अनिवार्य नहीं है। गर्मी से संबंधित मौतों पर हाल ही में जारी अपने दिशानिर्देश में, सरकारी एजेंसी ने कहा है कि हाइपरथर्मिया- असामान्य रूप से उच्च शरीर का तापमान-का निदान ज्यादातर घटनास्थल की जांच, मौत की परिस्थितियों और मौत के वैकल्पिक कारणों के उचित बहिष्कार पर निर्भर करता है।

एनसीडीसी दिशानिर्देश के अनुसार, गर्मी से संबंधित मृत्यु को एक ऐसी मृत्यु के रूप में परिभाषित किया जाता है जिसमें उच्च परिवेश के तापमान के संपर्क में आने से या तो मृत्यु हुई या इसमें महत्वपूर्ण रूप से योगदान दिया। उदाहरण के लिए, दिशानिर्देश सुझाव देते हैं, यदि मृतक के शरीर का तापमान मरने से ठीक पहले =105°F (=40.6°C) था, तो मृत्यु को हीट स्ट्रोक या हाइपरथर्मिया के रूप में प्रमाणित किया जाना चाहिए। एनसीडीसी का कहना है कि अस्पताल पहुंचने से पहले शीतलन का प्रयास किए जाने और/या मानसिक स्थिति में परिवर्तन और लीवर और मांसपेशियों के एंजाइम्स में वृद्धि का नैदानिक इतिहास होने पर शरीर के कम तापमान के साथ मौतों को हीट स्ट्रोक या हाइपरथर्मिया के रूप में भी प्रमाणित किया जा सकता है। इसमें कहा गया है, ऐसे मामलों में जहां मृत्यु से पहले शरीर का तापमान स्थापित नहीं किया जा सकता है, लेकिन गिरने के समय पर्यावरण का तापमान अधिक था, उचित गर्मी से संबंधित निदान को मृत्यु का कारण या महत्वपूर्ण योगदान देने वाली स्थिति के रूप में सूचीबद्ध किया जाना चाहिए। एनसीडीसी का कहना है कि यदि नैदानिक निदान उपलब्ध नहीं है, तो किसी मृत्यु को हीट स्ट्रोक या हीट से संबंधित मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, यदि जांच गर्म वातावरण के निरंतर संपर्क के सम्मोहक सबूत प्रदान करती है और मृत्यु का कोई स्वतंत्र कारण पहचान करने में विफल रहती है। एक अधिकारी ने कहा, अतीत में गर्मी से संबंधित मौतों की कम रिपोर्टिंग की शिकायतें मिली हैं क्योंकि शव परीक्षण के निष्कर्षों पर जोर दिया जाता है। नए दिशानिर्देश मानदंडों को आसान बनाते हैं और इस प्रकार, डेटा संग्रह को और अधिक सटीक बनाने का लक्ष्य रखते हैं ।

## अंतरराज्यीय अवैध दवा आपूर्ति और विनिर्माण नेटवर्क का हुआ भंडाफोड़

**अमृतसर:** पंजाब पुलिस ने हिमाचल प्रदेश में एक फार्मा फैक्ट्री से संचालित एक अंतर-राज्यीय अवैध दवा आपूर्ति और निर्माण नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है, एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। पंजाब सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, फार्मा ओपिओइड के खिलाफ एक बड़े खुफिया-आधारित अभियान में, पंजाब पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने हिमाचल प्रदेश के बद्दी स्थित एक फार्मा फैक्ट्री से चल रहे अवैध साइकोट्रोपिक पदार्थों के निर्माण और आपूर्ति इकाइयों के एक अंतरराज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने शनिवार को यहां बताया।

यह घटनाक्रम स्पेशल टास्क फोर्स, बॉर्डर रेंज, अमृतसर द्वारा दो ड्रग तस्करों की गिरफ्तारी के लिए की गई तीन महीने की लंबी जांच के बाद सामने आया है, जिनकी पहचान तरनतारन के कोट मुहम्मद खान गांव के सुखविंदर सिंह उर्फ धामी और अमृतसर के गोविंद नगर के जसप्रीत सिंह उर्फ जस के रूप में हुई है, जिन्हें इस साल फरवरी में ब्यास से 4.24 लाख नशीली गोलियां/कैप्सूल और 1 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद होने के बाद गिरफ्तार किया गया था। विज्ञप्ति के अनुसार, पांच राज्यों में फैले इस पूरे अभियान के दौरान, पुलिस ने कुल सात ड्रग तस्करों/आपूर्तिकर्ताओं को गिरफ्तार किया है और 70.42 लाख नशीली गोलियां/कैप्सूल, 725.5 किलोग्राम नशीला ट्रामाडोल पाउडर और 2.37 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की है। पांच राज्यों में पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र शामिल हैं। डीजीपी गौरव यादव ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इन दो ड्रग तस्करों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस की टीम ने एसपी एसटीएफ विशालजीत सिंह और डीएसपी एसटीएफ वविंदर कुमार के नेतृत्व में रैकेट के मुख्य सरगना एलेक्स पालीवाल को उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से 9.04 लाख नशीली गोलियां/कैप्सूल और 1.37 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है।

उन्होंने बताया कि आरोपी एलेक्स पालीवाल के खुलासे के बाद अभियान को हिमाचल प्रदेश तक बढ़ाया गया, जहां ड्रग कंट्रोल ऑफिसर सुखदीप सिंह और रमनीक सिंह की मौजूदगी में पुलिस टीमों ने बायोजेनेटिक ड्रग प्राइवेट लिमिटेड की जांच की और रिकॉर्ड जब्त किए, जिससे पता चला कि कंपनी ने महज आठ महीनों में 20 करोड़ से ज्यादा अल्प्राजोलम टैबलेट बनाई हैं। उन्होंने कहा कि अभिलेखों से महाराष्ट्र में मेसर्स एस्टर फार्मा तक आपूर्ति श्रृंखला का भी पता चला है, जहां आगे की जांच के उपायों से बायोजेनेटिक ड्रग प्राइवेट लिमिटेड की सहयोगी फार्मा निर्माण कंपनी स्माइलेक्स फार्माकेम ड्रग इंडस्ट्रीज का पता चला, जो बद्दी में स्थित है। डीजीपी ने कहा कि स्माइलेक्स फार्माकेम ड्रग इंडस्ट्रीज को लक्षित करने वाले बाद के ऑपरेशन में 47.32 लाख नशीले कैप्सूल और 725.5 किलोग्राम नशीले ट्रामाडोल पाउडर की पर्याप्त जब्ती हुई - जो 1.5 करोड़ कैप्सूल बनाने के लिए पर्याप्त है। विज्ञप्ति के अनुसार, अभिलेखों से पता चला है कि स्माइलेक्स फार्माकेम ड्रग इंडस्ट्रीज ने एक साल के भीतर 6500 किलोग्राम नशीले ट्रामाडोल पाउडर खरीदे हैं। उन्होंने कहा कि परिवहन और वितरण की समवर्ती जांच से इंतेजार सलमानी, प्रिंस सलमानी, बलजिंदर सिंह और सूबा सिंह सहित व्यक्तियों की गिरफ्तारी हुई, जिससे अंतरराज्यीय मादक पदार्थों की तस्करी के जटिल जाल का पता चला। पुलिस टीमों ने चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन के पास एक परिवहन वाहन से 9.80 लाख नशीली गोलियां/कैप्सूल का एक और हिस्सा बरामद किया है। उन्होंने कहा कि आगे की जांच जारी है और और गिरफ्तारियां होने की उम्मीद है।

ALWAISWIN Pharma India Pvt Ltd
Deals In:- Herbal, Food, Neutraceuticals Syrup, Injectables, Softgel
Our Company registered Products:

| | | | |
|---|---|---|---|
| Almonx 500 | Orthogard- BP | Alrabe-DSR | Nerviwin-M |
| Almonx Cv625 | Orthogard- NP | Alvit-Grow 16G | Nerviwin150 |
| Almonx LB | Orthogard- MR | Alvit- Active12G | Nerviwin GB |
| Almonx 250 | Orthogard Gel | Alvicof-dx | Nerviwin 300 |

Call Us:-9815003544,7784849000
Franchise Available For Vacant States
Attractive Packings | Third Party Enquiry Also Welcome | Best Quality Products
Head Office:-18-f-Big B Complex Rotary Chowk Baddi (H.P)
G.Mail:- alwaiswinpharma@gmail.com
Our web:-alwaiswinpharma.com

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

आदरणीय
सुशील मोदी जी
भाजपा नेता, पूर्व उपमुख्यमंत्री, बिहार सरकार

के दुःखद निधन पर अश्रुपूरित, भावपूर्ण शत् शत् नमन
परम पिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं
कि उनकी पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें
व परिवारजनों को इस असहनीय दुःख को
सहन करने की शक्ति प्रदान करें।
।। ॐ शांति, शांति, शांति ॐ ।।

अवतरण दिवस 05.01.1952 – स्वर्गारोहण 13.05.2024

MEDICAL DARPAN MEDIA HOUSE FAMILY
Mob.: 9410434811, 9045029158 | Email: medicaldarpan.ctp@gmail.com

## नशीली दवा फैक्ट्री से 104 करोड़ की दवाएं जब्त

**जोधपुर:** नशीली दवा फैक्ट्री का मुंबई पुलिस ने राजस्थान में भंडाफोड़ किया है। मौके से मेफेड्रोन और दवाइयां बनाने के लिए काम में लिए जा रहे अन्य रसायनों को भी बरामद किया है। इनकी कीमत 104 करोड़ रुपए बताई गई है। मुंबई पुलिस ने दवा फैक्ट्री के मालिक हुकुमराम चौधरी को गिरफ्तार किया है। बता दें कि इससे पहले नए साल की पूर्व संध्या पर शहर भर में पुलिस हाई अलर्ट पर थी। इस दौरान साकीनाका पुलिस स्टेशन के कांस्टेबल चंद्रकांत पवार को जानकारी मिली कि कुछ लोग मेफेड्रोन बेचने वाले हैं।

इस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस सरफराज शेख (22) माजिद उमर शेख (44) अब्दुल कादर शेख (44) को गिरफ्तार कर लिया था। इन तीनों आरोपियों के पास से 3.35 करोड़ रुपए मूल्य की 1.655 किलोग्राम मेफेड्रोन बरामद की गई थी। डीसीपी मंगेश शिंदे ने मुंबई में तीन आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद मेफेड्रोन कहां से खरीदी गई ये पता लगाने की कोशिश की। जांच के दौरान राजस्थान के जोधपुर में नशीली दवाओं की फैक्ट्री के बारे में जानकारी मिली। मुंबई से गिरफ्तार तीन आरोपियों की कॉल डिटेल के आधार पर पुलिस पहले पुणे में प्रशांत पाटिल के पास पहुंची और उसे हिरासत में लिया। पुलिस ने प्रशांत पाटिल से पूछताछ कर जोधपुर की फैक्ट्री के बारे में जानकारी हासिल की।

### क्षणिकाएं

1. अच्छा व्यवहार, लो. कप्रियता लाएगी। बुरा व्यवहार, अकेला कर जाएगी।
2. गति पर, नियंत्रण चाहिए। वरना, हड्डिया तुड़वाईए।
3. बढ़ती आयु में, दुखी मत हो पाओ। सामंजस्य बिठाओ, सब में घुल मिल जाओ।
4. पूरे परिवार ने, साथ में खाना खाया। भोजन का स्वाद, अलग निखर पाया।
5. व्यवहार में, नम्रता लाओगे। निश्चित ही, खुशियां पाओगे।
6. बदलते समय के साथ, आप भी बदल पाइये। पर कुछ भी हो जाये, संस्कारों को भूल न जाइये।

27, ललितपुर कॉलोनी, डॉ. पी.एन. लाहा मार्ग लश्कर, ग्वालियर (म०प्र०)
मो० न० : 9826611169

PAL SURGICAL INDUSTRIES (Regd.)
Complete Hospital, Lab Solutions Since 1953
Hospital Clothing, Bedding Materials
such as Surgeon Gowns Suits,
Doctor's Cots, Caps, Face Mask, PP Kits
Patient Kurta Pyjama, Pharma Lab Uniform
Disposable HIV Kit, maternity Kits, Bird Flu Kit
Water Beds, Mackintosh, All other School Uniforms
Palco Brand of India Pride of India
1802, FF, Electrical Market, Bhagirath Place, Chandni Chowk, Delhi - 110006
9891177191 8377951686, 8800406997
palsurgical1953@gmail.com

## भारतीय वायु सेना ने आगरा में हवाई मार्ग से भीष्म पोर्टेबल अस्पताल का परीक्षण किया

**आगरा :** भारतीय वायुसेना ने मंगलवार को विमान से एयरड्रॉप के लिए आगरा में भीष्म पोर्टेबल क्यूब्स का परीक्षण किया। यह पहली बार है जब भारतीय वायुसेना ने इस पोर्टेबल अस्पताल का परीक्षण किया है। यह परीक्षण इसलिए किया गया ताकि पोर्टेबल अस्पताल को कहीं भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैनात किया जा सके। सूचना और प्रसारण मंत्रालय के अनुसार, भीष्म पोर्टेबल क्यूब्स प्रोजेक्ट भीष्म नामक व्यापक पहल का एक हिस्सा हैं – सहयोग, हित और मैत्री के लिए भारत स्वास्थ्य पहल, जिसे 200 से अधिक हताहतों के इलाज के लिए तैयार किया गया है, जिसमें त्वरित प्रतिक्रिया और व्यापक देखभाल पर जोर दिया गया है। विशेष रूप से, सहायता क्यूब कई अभिनव उपकरणों से लैस है जो आपात स्थिति के दौरान आपदा प्रतिक्रिया और चिकित्सा सहायता को बढ़ाने के लिए डिजाइन किए गए हैं। यह क्षेत्र में चिकित्सा सेवाओं के प्रभावी समन्वय, वास्तविक समय की निगरानी और कुशल प्रबंधन की सुविधा के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डेटा एनालिटिक्स को भी एकीकृत करता है। पूरी इकाई में 72 आसानी से परिवहन योग्य घटक होते हैं जिन्हें आसानी से हाथ, साइकिल या यहां तक कि ड्रोन द्वारा ले जाया जा सकता है, जो बेजोड़ लचीलापन प्रदान करता है। सामूहिक हताहतों की घटनाओं (MCI) के मामले में, जहां बुनियादी सहायता से लेकर उन्नत चिकित्सा और शल्य चिकित्सा देखभाल तक की आवश्यकता होती है, एड क्यूब 12 मिनट के भीतर तैनात किए जाने की अपनी क्षमता के साथ सबसे अलग है। ये क्यूब मजबूत, जलरोधी और हल्के होते हैं, जिन्हें विभिन्न विन्यासों के लिए डिजाइन किया गया है, जो उन्हें विभिन्न आपातकालीन परिदृश्यों के लिए आदर्श बनाता है। एयरड्रॉप से लेकर ग्राउंड ट्रांसपोर्टेशन तक, क्यूब को कहीं भी तेजी से तैनात किया जा सकता है, जिससे तत्काल प्रतिक्रिया क्षमता सुनिश्चित होती है। इस वर्ष की शुरुआत में 22 जनवरी को अयोध्या में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान, चिकित्सा तैयारियों और प्रतिक्रिया क्षमताओं को बढ़ाने के लिए दो आरोग्य मैत्री आपदा प्रबंधन क्यूब-बीएचआईएसएचएम इकाइयों को रणनीतिक रूप से तैनात किया गया था।

## फार्मा कंपनी में नारकोटिक्स दवा के उत्पादन का लाइसेंस कैंसिल

**सोलन (हप्र)।** बद्दी की फार्मा कंपनी की एक यूनिट का नारकोटिक्स दवा के उत्पादन का लाइसेंस कैंसिल कर दिया गया है। यह कार्रवाई राज्य ड्रग विभाग ने नशीली दवाओं के उत्पादन का भंडाफोड़ होने पर की है। विभाग की ओर से जारी किए गए नोटिस का कंपनी ने कोई जवाब नहीं दिया था। इस कंपनी की दूसरी यूनिट को भी नोटिस जारी किया गया है। अगर उसका भी जवाब नहीं मिला तो दूसरी यूनिट का भी लाइसेंस कैंसिल किया जाएगा। राज्य दवा उप नियंत्रक मनीष कपूर ने बताया कि पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि कंपनी की पहली यूनिट में 8 महीने में 20 करोड़ से अधिक एल्पराजोलम गोलियों को निर्माण हुआ। उद्योग ने एक वर्ष में 6500 किलोग्राम नशीला ट्रामाडोल पाउडर खरीदा, जिसकी विभाग को भनक तक नहीं लगी। पंजाब पुलिस की दवा उद्योग में रेड के दौरान 725.5 किलोग्राम नशीले ट्रामाडोल पाउडर (जिससे करीब 1.5 करोड़ कैप्सूल बन सकते हैं) के साथ 47.32 लाख नशीले कैप्सूल बरामद हुए थे। मनीष कपूर के अनुसार कंपनी की दूसरी यूनिट को भी नोटिस भेजा गया है।

## आगरा केमिस्ट एसोसिएशन ने ट्रैफिक कर्मियों के लिए दिए ओआरएस घोल के 1200 पैकेट

**आगरा:** महावीर जयंती के शुभ अवसर पर एसीपी ट्रैफिक सैय्यद अरीब अहमद के पुलिस लाइन स्थित कार्यालय पर आगरा महानगर केमिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बढ़ती गर्मी को देखते हुए एसीपी ट्रैफिक अरीब अहमद की पहल पर आगरा में तैनात ट्रैफिक पुलिस कर्मियों के लिए 1200 पैकेट ओआरएस घोल उपलब्ध कराने का कार्य किया। इस दौरान अरीब अहमद ने महत्वपूर्ण जानकारी साझा करते हुए बताया कि पूरे जिले में कहीं भी अगर कोई एंबुलेंस कहीं जाम में फसती है तो कंट्रोल रूम के नंबर-9454457886 पर फोन करें ट्रैफिक पुलिस द्वारा तुरंत सहायता पहुंचाई जाएगी। संस्था के पदाधिकारीजन को नए बने ट्रैफिक कंट्रोल रूम को दिखाया और नई ट्रैफिक कंट्रोल प्रणाली को समझाया। संस्था के अध्यक्ष आशीष शर्मा को ओर से सभी पदाधिकारियों ने इस नए ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम और शहर में तैनात ट्रैफिक पुलिस के कार्यों की सराहना की। आगरा महानगर केमिस्ट एसोसिएशन के संस्थापक गिरधारी लाल भगत्यानी, चेयरमैन संजय चौरसिया, महामंत्री अश्वनी श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष अमित गुप्ता, उपाध्यक्ष राजीव तनेजा और मंत्री पंकज अग्रवाल आदि के साथ ट्रैफिक इंस्पेक्टर संजीव गौतम उपस्थित रहे।

## भारतीय फार्मास्युटिकल नेताओं ने अमेरिका-भारत साझेदारी से सस्ती दवा साझेदारी का आग्रह किया

**नई दिल्ली:** भारतीय फार्मास्युटिकल अलायंस (आईपीए) – जिसमें 23 प्रमुख भारतीय शोध-आधारित जेनेरिक फार्मास्युटिकल कंपनियां शामिल हैं – ने वाशिंगटन डीसी के डीएआर संग्रहालय में बैठक की, जिसमें दोनों देशों की फार्मास्युटिकल आपूर्ति श्रृंखला के लिए विदेशी स्रोतों पर निर्भरता कम करने और सस्ती दवा लचीलापन हासिल करने के लिए यूएस-भारत व्यापार साझेदारी का आग्रह किया गया। इन नेताओं ने IOVIA इंस्टीट्यूट

फॉर ह्यूमन डेटा साइंस द्वारा जारी एक नए प्रमुख अध्ययन का हवाला दिया। यूएस-इंडिया मेडिसिन पार्टनरशिप: यूएस हेल्थकेयर में भारत का योगदान – यूएस हेल्थकेयर सिस्टम में भारत के महत्वपूर्ण योगदान और दोनों देशों की स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत करने के लिए यूएस-इंडिया संबंधों के महत्व पर प्रकाश डाला। एक ही स्रोत से अमेरिकी बाजार में बुनियादी दवाओं जैसे कि हाइपरटेंसिव और एंटीबायोटिक्स (जो वैश्विक एंटीबायोटिक्स का लगभग आधा हिस्सा वितरित करते हैं) की हिस्सेदारी बढ़ रही है, अमेरिका के लिए रणनीतिक किफायती दवा भागीदारों के रूप में भारतीय दवा कंपनियों के महत्व पर जोर देते हुए, इन अधिकारियों ने अमेरिका और भारत में स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से एक परिवर्तनकारी किफायती दवा साझेदारी का आह्वान किया। जाइडस लाइफसाइंसेज के आईपीए उपाध्यक्ष और प्रबंध निद. शक शार्विल पटेल ने कहा, इन महत्वपूर्ण नेटवर्क में संतुलन बहाल करने और लचीलापन बनाने का समय आ गया है। यह केवल विवेकपूर्ण नहीं है – यह महत्वपूर्ण है। सस्ती दवा साझेदारी अमेरिका की आपूर्ति श्रृंखलाओं पर फरवरी 2021 के कार्यकारी आदेश के अनुरूप होगी, जिसमें राष्ट्रपति बिडेन ने फार्मास्युटिकल्स और सक्रिय दवा सामग्री की आपूर्ति श्रृंखला जोखिम के रूप में पहचाना और घोषणा की कि अमेरिका को अपनी आर्थिक समृद्धि और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लचीली, विविध और सुरक्षा आपूर्ति श्रृंखलाओं की आवश्यकता है। IOVIA संस्थान की रिपोर्ट के अनुसार, भारत लंबे समय से संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए सस्ती दवाओं का एक महत्वपूर्ण स्रोत रहा है। अमेरिकियों के लिए निर्धारित सभी दवाओं में से 90 प्रतिशत जेनेरिक हैं, और उनमें से 47 प्रतिशत नुस्खे भारतीय दवा कंपनियों द्वारा उत्पादित उत्पादों से भरे गए हैं। इन कंपनियों द्वारा अमेरिकी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में औसत वार्षिक बचत +219 बिलियन से अधिक है, और पिछले दशक में +1.3 ट्रिलियन से अधिक है। पटेल ने आगे कहा, हम अमेरिका के दवा भागीदारों के रूप में अपनी भूमिका को पूरी तरह से स्वीकार करते हैं। नई IOVIA संस्थान रिपोर्ट अमेरिकी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में हैं। शीर्ष दस (10) प्रमुख चिकित्सीय क्षेत्रों में से पांच (5) में, भारतीय कंपनियों का अमेरिकी नुस्खों में 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा है, जिसका प्रतिशत 55 प्रतिशत से लेकर 60 प्रतिशत तक है। पटेल ने निष्कर्ष निकाला, अमेरिका और भारत दोनों ने स्वीकार किया है कि API और KSM के लिए आपूर्ति श्रृंखलाएँ अपर्याप्त रूप से विविध हैं और जोखिम को कम करने और विविधता लाने के लिए सहयोग करने की गुंजाइश है। इस बात का संदर्भ देते हुए कि व्यापार प्रस्ताव राष्ट्रपति बिडेन के कार्यकारी आदेश, भारत के उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन कार्यक्रम और जनवरी 2024 के यूएस-भारत संयुक्त वक्तव्य के अनुरूप है, ल्यूपिन की सीईओ विनीता गुप्ता ने इसके महत्व पर जोर दिया। किफायती दवा साझेदारी प्रस्ताव एक व्यापार पहल से कहीं अधिक है; यह हमारी पारस्परिक समृद्धि और सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक आधारभूत कदम है। गुप्ता ने प्रस्ताव पर आगे विस्तार से बताया, ऊर्जा, जलवायु और अर्धचालकों में मौजूदा यूएस-भारत सहयोग के स्वाभाविक विस्तार के रूप में इसके रणनीतिक महत्व पर प्रकाश डाला। महामारी से मिले सबक ने हमें स्पष्ट रूप से दिखाया है कि स्वास्थ्य आंतरिक रूप से औद्योगिक कौशल और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। इस पहल के साथ, हमारा लक्ष्य हमारे औद्योगिक क्षेत्रों और राष्ट्रीय सेनाओं के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करना है, जिससे दोनों देशों की स्वास्थ्य सुरक्षा बढ़ेगी। गुप्ता ने कहा, एक बार यह आधारभूत ढांचा तैयार हो जाने के बाद, इसे यूरोपीय संघ, यूके और कनाडा जैसे विश्वसनीय सहयोगियों तक बढ़ाया जा सकता है। हम एक व्यापक ढांचा बना रहे हैं जो न केवल तत्काल स्वास्थ्य देखभाल आवश्यकताओं को संबोधित करता है बल्कि हमें भविष्य की चुनौतियों के लिए भी तैयार करता है। यह पहल एक लचीला वैश्विक स्वास्थ्य बुनियादी ढांचा बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है जो दुनिया भर में आर्थिक स्थिरता और सुरक्षा का समर्थन करता है। आईपीए के महासचिव सुदर्शन जैन ने भारतीय फार्मास्युटिकल एलायंस का प्रतिनिधित्व करने पर अपने गहरे सम्मान को व्यक्त करते हुए सत्र का समापन किया।

हमारे महत्वपूर्ण योगदान को उजागर करती है। अमेरिका भर में हमारे संचालन केवल व्यवसाय से अधिक हैं; वे अमेरिकी समुदायों के प्रति हमारी गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। पटेल ने नई रिपोर्ट के विशिष्ट निष्कर्षों पर चर्चा की। निष्कर्ष अमेरिकी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में भारतीय फर्मों द्वारा महत्वपूर्ण योगदान को प्रदर्शित करते

Wish You a Very
Happy Birthday
to
Pramod Mittal
Pramod Medical Agencies, Muzaffarnagar (U.P.) Mob.:9897233533
"Wising you a day filled with Happiness and a year filled with joy"
गुरुवार, 30 मई 2024
Neeru & Brejesh Garg

## चिकित्सा विभाग का नवाचार ख़अब मौसमी बीमारियों की मॉनिटरिंग ओडीके एप से होगी

**जयपुर (कैलाश शर्मा) :** चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने एक महत्वपूर्ण नवाचार किया है। इस नवाचार के तहत अब मौसमी बीमारियों की मॉनिटरिंग विभाग द्वारा ओडीके एप से की जाएगी। इस नवाचार से प्रदेशभर में मौसमी बीमारियों की स्थिति की रियल टाइम मॉनिटरिंग हो सकेगी और बचाव एवं रोकथाम के लिए त्वरित रूप से कारगर कदम उठाए जा सकेंगे। ओडीके एप का मुख्य उद्देश्य हाउस इण्डेक्स, ब्रटू इण्डेक्स एवं कंटेनर इण्डेक्स को कम कर मलेरिया, डेंगू एवं चिकनगुनिया के केसों में कमी लाना है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती शुभ्रा सिंह ने बताया कि प्रदेश में मच्छरजनित मौसमी बीमारियों की मॉनिटरिंग हेतु एक नवाचार किया गया है। उन्होंने बताया कि मच्छरजनित बीमारियों जैसे मलेरिया, डेंगू, चिकुनगुनिया की तीव्रता प्रायः वर्षा ऋतु के प्रारम्भ जुलाई-अगस्त से लेकर अक्टूबर-नवम्बर तक रहती है। विगत वर्षों में लाइफ स्टाइल एवं मौसम परिवर्तन के चलते मौसमी बीमारियों का प्रसार बढ़ने लगा है। भारत सरकार ने इस वर्ष डेंगू रोग के अधिक प्रसार की आशंका व्यक्त की है। इसे देखते हुए विभाग सभी आवश्यक उपाय सुनिश्चित कर रहा है। श्रीमती सिंह ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मौसमी बीमारियों से बचाव व नियंत्रण हेतु विभिन्न विभागीय एवं अन्तर्विभागीय गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। मौसमी बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण की दृष्टि से चिकित्सा विभाग ने तकनीक के उपयोग पर जोर दिया है। विभाग ओडीके ऐप द्वारा मच्छरजनित बीमारियों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग करेगा। एप के माध्यम से मच्छर के प्रजनन स्थलों तथा लार्वा पाये जाने वाले स्थानों की फोटो लेकर स्वायत्त शासन विभाग या पंचायती राज विभाग को भेजा जाएगा। फोटो मिलने के बाद संबंधित विभाग उन स्थानों पर एंटी लार्वा एवं मच्छर रोधी गतिविधियां कर आमजन को बीमारियों से बचाएंगे। सभी स्तर के अधिकारियों द्वारा किया जा सकेगा एप का उपयोग फील्ड में भ्रमण दौरान मच्छर के प्रजनन स्थानों की पहचान कर फोटो लेने का कार्य विभिन्न स्तर के अधिकारियों-कार्मिकों द्वारा किया जा सकेगा। एएनएम, आशा, सीएचओ, एमपीडब्ल्यू, डीबीसी वर्कर, ब्लॉक स्तर से बीपीएम, ब्लॉक सुपरवाइजर, बीसीएमओ, जिला स्तर से एन्टोमोलोजिस्ट, वीबीडी कन्सलटेन्ट, एपिडेमियोलोजिस्ट, उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जोन एवं राज्य स्तरीय अधिकारी फोटो लेकर संबंधित विभाग को भेज सकेंगे। सड़क पर पड़ा हुआ कचरा, नाली में सफाई के अभाव में रूका हुआ पानी, गड्ढों में भरा पानी, खाली प्लॉट में कचरा/पानी, बड़े जल स्रोतों (तालाब, पोखर/बावड़ी) में कचरा, घर के बाहर पानी के अन्य स्रोत टंकी आदि।

PD PAPER MAY 2024_32 Inch January. 2021.qxd 5/20/2024 5:49 PM Page 9



## अंगदान दर में सुधार के लिए आईसीयू में मस्तिष्क मृत्यु के मामलों की निगरानी करें राज्य: केंद्र

**नई दिल्ली:** केंद्र ने राज्यों से आईसीयू के मरीजों में ब्रेन स्टेम डेथ के मामलों की निगरानी करने को कहा है। केंद्र ने कहा है कि ऐसे मामलों की खराब पहचान और प्रमाणन के कारण देश में अंगदान की दर कम स्तर पर बनी हुई है। राज्यों को दी गई सलाह का उद्देश्य देश में अंगदान की दर को बढ़ाना है, जो प्रति दस लाख की आबादी पर एक से भी कम है। राष्ट्रीय अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (NOTTO) के निदेशक डॉ. अनिल कुमार ने राज्यों को लिखे पत्र में कहा, भारत में अंगदान की दर कम बनी हुई है (प्रति वर्ष प्रति दस लाख की आबादी पर एक से भी कम)। इसमें पहचानी गई प्रमुख चुनौतियों में से एक ब्रेन स्टेम डेथ (BSD) मामलों की खराब पहचान और प्रमाणन है, जबकि ऐसे कई संभावित मामले मौजूद हैं।

मानव अंग ऊतक प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 के प्रावधानों के अनुसार , आईसीयू में संभावित ब्रेन स्टेम मृत्यु मामलों की पहचान करना आवश्यक है। इसके अलावा, यह जांच करना अनिवार्य है कि क्या ऐसे संभावित दाताओं ने अंगदान के लिए प्रतिज्ञा की थी और यदि नहीं, तो परिवार के सदस्यों को कानून के तहत हृदय गति रुकने से पहले अंगदान करने के अवसर के बारे में जागरूक करना चाहिए, उन्होंने कहा। पिछले महीने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों और क्षेत्रीय और राज्य अंग और ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (आरओटीटीओ और एसओटीटीओ) के निदेशकों को भेजे गए पत्र में कुमार ने कहा कि ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर को प्रत्यारोपण समन्वयक की मदद से ऐसे बीएसडी मामलों के प्रमाणीकरण के बाद उपर्युक्त जांच करनी होती है।

कुमार ने कहा कि प्रत्येक संस्थान से अनुरोध है कि वह अधिनियम और नियमों के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए बीएसडी मामलों के प्रमाणीकरण की सुविधा प्रदान करे और निगरानी करे। अपने पत्र में, अधिकारी ने आवश्यक अनुरोध प्रदर्शन बोर्ड का एक टेम्पलेट संलग्न किया है जिसे अस्पताल में आईसीयू, आपातकालीन या किसी अन्य रणनीतिक स्थान के बाहर रखा जाना है। उन्होंने नियमित मासिक आधार पर अस्पतालों से एकत्रित की जाने वाली सूचनाओं की एक सूची भी संलग्न की। उन्होंने कहा कि संस्थान के प्रमुख और संबंधित एसओटीटीओ को एकत्रित जानकारी का विश्लेषण करना चाहिए और सभी संभावित दाताओं से अंग दान को अधिकतम करने के उद्देश्य से सुधारात्मक कार्यवाई की जानी चाहिए। पत्र में कहा गया है कि इसके अलावा, सभी एसओटीटीओ से अनुरोध है कि वे प्रत्येक पंजीकृत अस्पताल से सूची के अनुसार ऐसी जानकारी एकत्र करें और इसे प्रत्येक आगामी महीने की सात तारीख तक एनओटीटीओ को भेजें।

## औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण में सुधार के लिए उद्योग प्रतिनिधियों से युक्त पैनल

**नई दिल्ली:** राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) के संस्थागत सुधारों के लिए गठित समिति में उद्योग के प्रतिनिधि शामिल हैं, जिन्हें प्राधिकरण द्वारा विनियमित किया जाना चाहिए। जन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने औषधि विभाग (डीओपी) द्वारा 14 फार्मा एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों को विशेष आमंत्रित के रूप में शामिल करके समिति गठित करने की बेतुकी और हितों के टकराव की ओर इशारा किया है । 12 मार्च को शुरू में गठित की गई इस समिति में सचिव डीओपी, अध्यक्ष एनपीपीए और इसके वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार के साथ दो विशेष आमंत्रित सदस्य, भारतीय औषधि गठबंधन (आईपीए) के महासचिव और भारतीय औषधि निर्माता संघ के सीईओ का एक मुख्य समूह था। हालांकि, जब डीओपी को अन्य उद्योग संघों से उनके प्रतिनिधियों को विशेष आमंत्रित सदस्यों के रूप में शामिल करने के लिए कई अनुरोध प्राप्त हुए, तो 24 अप्रैल को विशेष आमंत्रित सदस्यों की सूची में विस्तार किया गया और इसमें सीआईआई, फिक्की, एसोचौम, यूएस-इंडिया स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप फोरम, ऑर्गनाइजेशन ऑफ फार्मास्युटिकल प्रोड्यूसर्स ऑफ इंडिया और एसोसिएशन ऑफ इंडियन मेडिकल डिवाइस इंडस्ट्री सहित व्यापार समूहों और फार्मा संघों के 12 प्रति. निधियों को शामिल किया गया। उद्योग प्रति. निधि न केवल मूल्य निर्धारण प्राधिकरण में सुधार का हिस्सा होंगे, बल्कि वे नए औषधि और चिकित्सा उपकरण (नियंत्रण) आदेश का मसौदा तैयार करने का भी हिस्सा होंगे, जो उनके उत्पादों की कीमत को विनियमित करने वाला है। मानक अभ्यास यह है कि सरकारी समिति द्वारा हितधारकों से परामर्श किया जाता है। समिति सुनवाई तय करती है और विभिन्न हितधारक इसके समक्ष उपस्थित होकर अपने इनपुट देते हैं। लेकिन वे समिति का हिस्सा कैसे हो सकते हैं? यह हितों का एक स्पष्ट टकराव है, दवाओं के तर्कसंगत उपयोग और दवाओं तक पहुंच में सुधार पर काम करने वाले एक वकालत समूह ऑल इंडिया ड्रग एक्शन नेटवर्क (एआईडीएएन) की मालिनी ऐसोला ने बताया। एनपीपीए को दवाओं के मूल्य निर्धारण को विनियमित करना और उनकी उपलब्धता और पहुंच सुनिश्चित करना है। ड्रग प्राइस कंट्रोल ऑर्डर वह आदेश है जिसके द्वारा मूल्य नियंत्रण लागू किया जाता है, और यह एक ऐसा आदेश है जिसे पूरी तरह से बदला जा रहा है। ये सार्वजनिक हित में हैं, लेकिन डीपीसीओ के कामकाज की जांच करने वाली समिति में फार्मा उद्योग का वर्चस्व है।

जिसने हमेशा मूल्य नियंत्रण का विरोध किया है, भले ही मूल्य के हिसाब से केवल 14 प्रतिशत और मात्रा के हिसाब से 25 प्रतिशत दवाओं के मूल्य नियंत्रण के तहत होने का अनुमान है।

## त्रिपुरा के जी.बी. पंत अस्पताल में किडनी प्रत्यारोपण सुविधा शुरू की जाएगी: मुख्यमंत्री माणिक साहा

**अगरतला:** त्रिपुरा में स्वास्थ्य सेवा के लिए एक महत्वपूर्ण विकास में , मुख्यमंत्री माणिक साहा ने घोषणा की कि जी.बी. पंत अस्पताल जल्द ही किडनी प्रत्यारोपण प्रक्रियाओं को करने के लिए सुसज्जित होगा। यह घोषणा जी.बी. पंत और अगरतला सरकारी मेडिकल कॉलेज (ए.जी.एम.सी.) के निरीक्षण दौरे के बाद की गई। अपने दौरे के दौरान, साहा ने अस्पताल में चल रही प्रगति पर प्रकाश डाला, जिसमें सात नए सुपर-स्पेशियलिटी आउटपेशेंट विभागों और वार्डों को समायोजित करने के लिए कार्यालयों का स्थानांतरण शामिल है।

उन्होंने अब तक की प्रगति पर अपनी संतुष्टि व्यक्त करते हुए कहा, हमारा लक्ष्य एक ही छत के नीचे व्यापक देखभाल प्रदान करने के लिए इन संवर्द्धनों को तेजी से पूरा करना है। इसके अतिरिक्त, साहा ने अस्पताल परिसर में पानी की गुणवत्ता के बारे में चिंताओं को संबोधित किया। उन्होंने पानी में उच्च लौह तत्व से निपटने के लिए एक आयरन रिमूवल प्लांट की स्थापना की योजना का खुलासा किया, जो सुविधा में स्वास्थ्य और स्वच्छता मानकों को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। साहा ने अस्पताल की सुविधाओं को बढ़ाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए कहा, हमें जीबी पंत में पानी में आयरन तत्व की जानकारी है, इसलिए हम आयरन रिमूवल प्लांट लगाने की संभावना तलाश रहे हैं। हमारा लक्ष्य उपलब्ध बुनियादी ढांचे का लाभ उठाते हुए इसे उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में स्थापित करना है। मुख्यमंत्री ने आगामी किडनी प्रत्यारोपण सुविधाओं के बारे में भी जानकारी दी, जो अस्पताल की सेवा क्षमताओं के लिए एक महत्वपूर्ण छलांग है। उन्होंने बताया, डॉक्टरों और कर्मचारियों की एक टीम को प्रशिक्षण के लिए मणिपुर भेजा गया है, और वे वापस आ गए हैं। हम जल्द ही इन सुविधाओं को खोलने की तैयारी कर रहे हैं। इस कदम से उन रोगियों पर बोझ कम होने की उम्मीद है, जिन्हें पहले ऐसी गंभीर प्रक्रियाओं के लिए राज्य से बाहर जाना पड़ता था। साहा के दौरे में न्यूरोसर्जरी और नेफ्रोलॉजी विभागों की गहन समीक्षा और डॉक्टरों और कर्मचारियों के साथ दवा, उपकरण रखरखाव और गुणवत्ता नियंत्रण पर चर्चा भी शामिल थी।

किडनी ट्रांसप्लांट सुविधाओं और आयरन रिमूवल प्लांट दोनों की स्थापना राज्य भर में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए सरकार की व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसमें लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), विद्युत विभाग और अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ परामर्श जारी है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी लंबित कार्य कुशलता से पूरे किए जाएं।

## साइनस रोग पर आयुर्वेद परिचर्या

मल-मूत्र एवं छींक आदि के वेगों को रोकने से, अजीर्ण होने से, धूल के नाक में जाने से, अधिक बोलने से, अधिक क्रोध करने से, ऋतुओं की विषमता से, शिरः थूल होने से, रात्री जागरण से, अधिक सोने से, ठन्डे जल का उपयोग करने से, ओस के प्रभाव से, अधिक मैथुन करने से, अधिक आँसु गिराने से और धुंआ लगने से जब शिर में कफ अधिक संचित हो जाता है तब बढ़कर प्रतिश्याम रोग को उत्पन्न होता हैं।

**वातज प्रतिश्याम का लक्षण** – वात के कारण होने वाले प्रतिश्याम में नाक में दर्द और सुई चुभाने जैसी पीड़ा, छींक आना, पानी जैसा नाक से स्त्राव होना, शिरः थूल और स्वरभेद होना।

**पित्तज प्रतिश्याय का लक्षण** – पित्तज प्रतिश्याय में नासिका का अग्रभाग पक जाता है, ज्वर होता है, मुख सुखता है, प्यास लती है और गरम-गरम पीला द्रव निकलाता हैं।

**कफज प्रतिश्याय का लक्षण** – कफज प्रतिश्याय में कास, भोजन में अरूची, गाढे कफ का स्त्रावल होना और नाक में खुजली होना।

**सन्निपातजं प्रतिश्याय के लक्षण** – त्रिदोषज प्रतिश्याय या पीनस में तीनों दोषों के जो लक्षण कहे गये हैं, वे सब होते है और इसमें तीव्र पीड़ा होती हैं।

**दुष्ट प्रतिश्याम और उसके उपद्रव** – जब प्रतिश्याम रोग की ठीक समय पर उचित चिकित्सा नहीं की जाती है और आहितकर आहार किया जाता है, तब वह उपेक्षित हुआ प्रतिश्याय का रूप धारण कर लेता हैं। उसके बाद उपद्रवस्वरूप अनेक प्रकार के रोग उत्पन्न हो जाते है। जैसे-छिंके आना, नाक का सुख जाना, प्रतिनाह (नाक का बंद हो जाना), नाक से बहुत पानी निकलते रहना, नाक से सड़न जैसी दुर्गन्ध आना, अपीनस होना (सदैव सर्दि जुकाम बना रहना) नाक का पकना, नाक में सुजन आना, नाक में ग्रन्थी बनना, नाक में पूय जमा होना, नाक से रक्त आना, नाक में छोटी फुन्सियाँ होना, सिर, कान और आँख के रोगों का होना, सिर के बालों का झड़ना (खालित्य), पालिव्य (सिर के बालों का सफेद होना, प्यास लगना, दम फूलाना, खाँसी आना, ज्वर होना, रक्तपित्त रोग होना, स्वर भेद होना और राज्यक्षमा होना-ये उपद्रव होते हैं।

**चिकित्सा सूत्र** – प्रतिश्याय सामान्यतः वेगों को रोकने, अत्यंत भाषण, ऋतु की विषमता का या परिवर्तन, अत्यंत जागरण, शीतलजल, ओस, मैथुर और धुंआ से होता है। बारम्बार प्रतिश्याय होना धातुक्षय का एक लक्षण है। इससे बचना चाहिए। क्योंकि प्रतिश्याय के अच्छा न होने पर कास और कास अच्छा न होने पर यक्ष्मा हो जाता है।

सामावस्था में लंघन कराये, सहने योग्य अधिकतम उष्ण जल अधिकतम मात्रा में बारम्बार पिलायें। अधिकतम उष्ण जला का सेवन करें। अदरक का सेवन करें। सिर की पीड़ा में दाल चीनी व लंवण में से किसी एक का या दोनों का लेप करें। पक्व प्रतिश्याय में छींक लाये। सिर पर तेल रखें। पसीना लाये। कटु पदार्थ आदि, सोंठ, हिंग आदि से युक्त लघु भोजन करें।

**पथ्य** – प्रारम्भ में लंघन, तत्पश्चात मूँग, परवल, आदी, हलसुन मलाई युक्त दही मधु मिलाकर, गुड़, उष्ण जल, बकरी का दूध, काली मिर्च आदि।

- 1 चम्मच सितोपलादि और आधा चम्मच तालीसादि चूर्ण मिलाकर सुबह-शाम गरम पानी से एक हफ्ते लें।
- आधे चम्मच मधुयस्ती चूर्ण को आधे चम्मच शहद में मिलाकर सुबह-शाम एक हफ्ते तक लें।
- सोने से पहले नाक में गाय के घी की दो-दो बूंदें तीन दिन तक डालें। पिघले घी को ही नाक में डालें।

**योग में इलाज**

- सुबह उठकर 1 से 2 मिनट जल नेति
- कुंजल क्रिया 2 से 5 मिनट
- कपालभाति 5 से 7 मिनट
- महावीर आसन 2 से 3 बार
- वीर आसन 2 से 3 बार
- पृष्ठचालन आसन 2 से 3 बार
- शलभासन 2 से 3 बार
- धनुर्रासन 2 से 3 बार
- मंडूकासन 2 से 3 बार
- लिंग मुद्रा 2 से 3 बार
- अनुलोम-विलोम प्राणायाम 2 से 5 मिनट
- भस्त्रिका प्राणायाम 2 से 5 मिनट

**इसके बाद 2 से 5 मिनट ध्यान में बैठें या 2 से 5 मिनट तक शवासन करें।**

पानी को उबालकर ठंडा करके उससे नेति क्रिया करें। नेति क्रिया किसी योग गुरु की देखभाल में दिन में एक बार और एक महीने लगातार करते रहें। बिना एक्सपर्ट कि सलाह के ना करें, सामान्यत इसका उपचार कफज मान कर करना ठीक होता है।

नाक से पानी आना,सर, शरीर का भारीहोना, कान , दांत, सर मे दर्द, कुपाचन, मुख से दुर्गन्ध आना, स्मरण शक्ति कमजोर होना, ज्वर,आलस्य आदि लक्षण होते है नासाछिद्र शोथ,श्वास-प्रश्वास में कठिनाई नाक से बहुत पानी निकलते रहना जैसी आदि। औषधि विवरण भाप -चव्य, चित्रक, त्रिकुट, वासा, दालचीनी, तुलसी, बहेड़ा छिलका सैन्धानमक हल्दी, सब सम भाग लेकर दो से तीन बार दिन में सुबह शाम को भाप ले।

**(सभी औषधियों न प्राप्त होने पर जो अधिकतम मिल सके उनका प्रयोग करे) इसका ही क्वाथ गरम गरम शहद डालकर पीये। दिन मे दो से तीन बार**

मल्लसिन्दूर, 1ग्राम. लौह भस्म, 10 ग्राम अभ्रक भस्म 10 ग्राम. तालिसादि चूर्ण 120ग्राम 50मात्रा, 1×3 शहद से.

लक्ष्मी विलास रस 2×3 अणु या षड विन्दु, अथवा क्षार तैल नस्य शीतल कफज खाद्य व वास परहेज करे।

उष्ण जल को खाने और पीने स्नान मे ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करे।

वेद अमेन्द्रमोहन
मो० न० 9415037450

## केमिस्ट शॉप पर रेड कर दो के लाइसेंस कैंसिल, 15 लाइसेंस सस्पेंड किए

खगड़िया (बिहार)। केमिस्ट शॉप पर रेड कर दो दुकानों का लाइसेंस कैंसिल कर दिया गया है। वहीं, 15 दुकानों के लाइसेंस सस्पेंड किए गए हैं।

जिले में दो दवा दुकानों के लाइसेंस कैंसिल कर दिए गए हैं। वहीं, 15 दुकानों के लाइसेंस 15 दिन से लेकर 60 दिनों तक के लिए निलंबित किए गए हैं। इनके अलावा, बिना लाइसेंस के दो दवा दुकानों पर भी कार्रवाई की गई है। इन दोनों दुकानों से दवाओं को जब्त कर कोर्ट में केस दर्ज करवाया गया है।

**कोडिनयुक्त कफ सीरफ बेचने पर किया लाइसेंस कैंसिल :** बताया गया है कि महेशखूंट स्थित न्यू पोपूलर मेडिकल हॉल से मद्य निषेध विभाग द्वारा कोडिनयुक्त कफ सीरप बरामद किया गया था। इसका दुकानदार ने खरीद व बिक्री के कागजात प्रस्तुत नहीं किए थे। वहीं जांच के दौरान विक्रय अभिलेख भी प्रस्तुत नही किया गया था। साथ ही, स्पष्टीकरण का भी जवाब नहीं देने पर इन दुकानों का लाइसेंस कैंसिल किया गया। बिना लाइसेंस के दवा बेचने के आरोप में बीते दिनों बेलदौर थाना रोड स्थित राजू मेडिकल दुकान पर भी कार्रवाई की गई। जबकि शहर के होमगार्डचौक स्थित रीतू मेडिकल हॉल व कोसी कॉलेज रोड स्थित सिटी हॉस्पीटल में बिना लाइसेंस के दवा बेची जा रही थी। सभी दवाओं को जब्त कर कोर्ट में केस दायर किया गया है।

**दवा दुकानों के लाइसेंस किए सस्पेंड :** जिले के विभिन्न क्षेत्रों में 15 दुकानों का विभिन्न कारणों से लाइसेंस को पंद्रह दिन से 60 दिन के लिए निलंबित किया गया है। इसमें कोसी कॉलेज रोड स्थित न्यू कोशी मेडिकल हॉलसागरमल कॉलोनी स्थित मेड जी मेडिसीन इन दोनों पर मुख्य रूप से फर्मासिस्ट की अनुपस्थिति में दुकान का संचालन करने एवं अन्य मामलों में कमी पाए जाने पर 60 दिनों के लिए लाइसेंस को निलंबित किया गया है।

वहीं गोगरी जमालपुर स्थित नेहा मेडिकल हॉल का 60 दिन के लिए लाइसेंस निलंबित किया गया है। जबकि हॉस्पीटल रोड स्थित जायसवाल मेडिकल हॉल ने खरीद कागजात प्रस्तुत नहीं किए। इस पर स्टोर का 15 दिन के लिए लाइसेंस सस्पेंड किया गया है।

## लापरवाही में फंसा फोर्टिस अस्पताल

**जयपुर:** किडनी ट्रांसप्लांट करने के बाद मरीज के इलाज में लापरवाही का मामला सामने आया है। फोर्टिस अस्पताल अब जांच घेरे में फंस गया है। मरीज की मौत के बाद परिजनों ने अस्पताल परिसर में हंगामा किया। परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही और गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाया है। इस पर जवाहर सर्किल थाना पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की।

**यह है मामला:** जानकारी अनुसार नरेश कुमार जायसवाल 47 वर्ष का 23 मार्च को किडनी ट्रांसप्लांट किया गया था। इसमें उन्हें अपनी मां की किडनी दी गई थी। एक सप्ताह बाद मरीज को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। मरीज के भतीजे नमन ने बताया कि हमने चाचा की सभी जांच करवाई उसमें कुछ नहीं आया। इसके लिए अस्पताल ने हमसे बाहर से जांचे करवाने के लिए 5 हजार रुपये भी लिए थे। इसके बावजूद चाचा की तबियत लगातार बिगड़ी रही।

**किडनी बदलने पर भी हो गई मौत :** 19 अप्रैल को उन्हें छुट्टी देने वाले थे, लेकिन उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई। इसके साथ ही उन्हें इंजेक्शन भी दिया गया, जिससे उनकी और तबीयत बिगड़ गई। थोड़ी देर बाद दूसरा इंजेक्शन लगाया और उनकी मौत हो गई।

**ट्रांसप्लांट किया है या नहीं, इसकी जांच की मांग :** परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर आरोप लगाया है कि इन्होंने ट्रांसप्लांट किया है या नहीं, इसकी जांच होनी चाहिए। वहीं, इस मामले में जवाहर सर्किल थाना के इंचार्ज विनोद सांखला ने कहा कि परिजनों की शिकायत पर बोर्ड बनवाकर इसकी जांच करवाई जाएगी। उधर, अस्पताल प्रशासन का भी कहना है कि मरीज का किडनी ट्रांसप्लांट हुआ था। बाद में मरीज की तबीयत ज्यादा खराब हो गई। अब परिजनों की शिकायत पर जांच करवाएंगे। इससे मौत के कारणों का पता चल सकेगा। उधर, अस्पताल में हंगामा बढ़ते देख पुलिस ने परिवार को समझाया। इसके बाद परिजन जयपुरिया अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराकर ले गए।

## धूम्रपान, शराब और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के सेवन से शुक्राणु डीएनए को होता है नुकसानः विशेषज्ञ

**नई दिल्ली:** दिल्ली स्थित एम्स के विशेषज्ञों ने कहा कि अस्वस्थ जीवनशैली और धूम्रपान, शराब और प्रोसेस्ड फूड का सेवन तथा सेल फोन का अत्यधिक उपयोग जैसी सामाजिक आदतें शुक्राणु डीएनए को नुकसान पहुंचा सकती हैं। उन्होंने कहा कि बहुत से लोगों को यह भी पता नहीं है कि पुरुषों में शुक्राणु की खराब गुणवत्ता के कारण बांझपन , महिलाओं में बार-बार गर्भपात और बच्चों में जन्म दोष हो सकते हैं।

एम्स के एनाटॉमी विभाग की प्रोफेसर डॉ. रीमा दादा ने कहा कि गर्भाधान और भ्रूण के विकास में पिता की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि शुक्राणु में न्यूनतम एंटीऑक्सिडेंट होते हैं और इसकी डीएनए मरम्मत मशीनरी चुप रहती है। डॉ. दादा ने कहा, इस प्रकार, अस्वस्थ जीवनशैली और धूम्रपान, शराब का सेवन , सेल फोन का अत्यधिक उपयोग, प्रोसेस्ड फूड, कैलोरी से भरपूर पोषण रहित आहार, मोटापा और पर्यावरण प्रदूषकों के संपर्क जैसी सामा. जिक आदतें वीर्य संबंधी ऑक्सीडेटिव तनाव को बढ़ाती हैं और शुक्राणु डीएनए को नुकसान पहुंचाती हैं । इसके अलावा, विवाह और गर्भधारण की देरी से शुक्राणु की गुणवत्ता में और गिरावट आती है, डॉक्टर ने एम्स में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा। बढ़ती उम्र के साथ, शुक्राणु डीएनए की गुणवत्ता में गिरावट आती है और इससे डे नोवो जर्मलाइन म्यूटेशन और एपिम्यूटेशन का संचय हो सकता है जिसका अर्थ है कि क्षतिग्रस्त शुक्राणु जन्मजात विकृतियों, बचपन के कैंसर, ऑटोसोमल प्रमुख विकार और बच्चों में ऑटिज्म, सिजोफ्रेनिया और द्विध्रुवी विकार जैसे जटिल व्यवहार विक. रों का कारण बन सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, हमारी प्रयोगशाला के पहले के अध्ययनों से पता चला है कि डीएनए क्षति के उच्च स्तर सहज रूप से गर्भ धारण करने में विफलता और बार-बार गर्भावस्था के नुकसान से जुड़े हैं।

पुरुषों को इस बात से अवगत होना चाहिए कि उनकी आदतें और मनोवैज्ञानिक तनाव उनके शुक्राणुओं पर एक एपिजेनेटिक निशान और हस्ताक्षर छोड़ते हैं, डॉ. दादा ने कहा, ष्एक स्वस्थ जीवन शैली का नेतृत्व करना और प्रतिदिन योग करना माइटोकॉन्ड्रियल और परमाणु डीएनए अखंडता में सुधार करता है। योग के परिणामस्वरूप एंटीऑक्सिडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी जीन और डीएनए मरम्मत तंत्र के लिए जीन कोडिंग के लिए जीन की अभिव्यक्ति में वृद्धि होती है। योग ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करता है और शुक्राणु टेलोमेर की लंबाई को बनाए रखता है और इस प्रकार, शुक्राणु की त्वरित उम्र बढ़ने को रोकता है। इसके अलावा, शुक्राणु अंगों को ऑक्सीडेटिव क्षति कम हो जाती है और यह भ्रूण के विकास में सहायता करता है। योग का नियमित अभ्यास डीएनए की गुणवत्ता में सुधार करता है और इस प्रकार, संतान में आनुवंशिक और एपिजेनेटिक बीमारी का बोझ कम होता है।

"यदि किसी का स्वभाव अच्छा है तो उसे किसी और गुण की क्या जरूरत है? यदि आदमी के पास प्रसिद्धि है तो भला उसे और किसी श्रृंगार की क्या आवश्यकता है?" -चाणक्य

## फार्मा कंपनियों को राहत, एपीआई की कीमतों में भारी गिरावट

**नई दिल्ली।** सक्रिय दवा सामग्री (एपीआई) की कीमतें, जिनका उपयोग फॉर्मूलेशन बनाने के लिए किया जाता है, कोविड-19 के बाद सबसे बड़ी गिरावट देख रही हैं, जिससे फार्मा उद्योग को राहत मिली है, जिसने एपीआई लागत में 50 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की है। उद्योग के विशेषज्ञों का कहना है कि इस प्रवृत्ति के परिणामस्वरूप अगली दो-तीन तिमाहियों में कंपनियों के उच्च परिचालन लाभ मार्जिन होंगे। भारत का दवा उद्योग, जो एपीआई, इंटरमीडिएट्स और बल्क ड्रग्स के लिए चीन पर निर्भर है, ने कोविड के समय में कीमतों में तेजी देखी थी। इस साल की शुरुआत तक एपीआई की कीमतों में बढ़ोतरी जारी रही। हालांकि, जानकार लोगों ने ईटी को बताया कि चीजें बदलने लगी हैं। चीनी दवा उद्योग पर नजर रखने वाले मेहुल शाह ने पुष्टि की, पिछले दो महीनों में कीमतों में भारी गिरावट देखी गई है। एपीआई की मांग भी कम हो गई है। कोविड के दौरान पैरासिटामोल के लिए एपीआई की कीमत ₹900 से घटकर ₹250 प्रति किलोग्राम हो गई है। बाजार के सूत्रों ने ईटी को बताया कि कोविड के बाद यह ₹600 प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया और अब इसमें नाटकीय गिरावट देखी गई है।

## डिप्रेशन, एलर्जी समेत 19 दवाइयों के सैंपल जांच में फेल

**बीबीएन (हिमाचल):** प्राप्त समाचार के अनुसार डिप्रेशन, एलर्जी समेत 19 दवाइयां लैब जांच में सब-स्टैंडर्ड पाई गई हैं। यह ड्रग अलर्ट केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने जारी किया है। रिपोर्ट के अनुसार हिमाचल सूबे की 16 दवा कंपनियों में बनी 19 तरह की दवाइयां और सिरप गुणवत्ता मानकों पर खरी नहीं उतरी हैं। राष्ट्रीय स्तर पर अवमानक घोषित किए गए दवा सैंपल में से एक तिहाई दवाएं हिमाचल की दवा कंपनियों से संबंधित हैं। ये दवाइयां मिली सब स्टैंडर्ड सीडीएससीओ ने जिन दवाओं को सब-स्टैंडर्ड पाई गई हैं, उनमें डिप्रेशन, एलर्जी, न्यूमोनिया, खांसी, एसिडिटी, मतली, हाई बीपी, जीवाणु संक्रमण, रक्त के थक्के, दर्द और सूजन, गठिया, सिरदर्द, क्रोनिक ब्रोंकाइटिस, हार्ट फेल, पेट के अल्सर, एंटीफंगल रोग जैसी बीमारियों के उपचार की दवाएं शामिल हैं। कालाअंब स्थित फार्मा कंपनी में निर्मित एलेनों टैबलेट भी मासिक ड्रग अलर्ट में शामिल है। इस कंपनी की एलर्जी के उपचार की दवा को विघटन के कारण मानक के रूप में लेबल किया गया है। बता दें कि इस फार्मा के कफ सिरप ने 2020 में जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में कई मासूमों की जान ले ली थी।

**अन्य राज्यों में बनी 47 दवाओं के सैंपल भी जांच में फेल :** सीडीएससीओ ने मार्च माह के ड्रग अलर्ट में खुलासा किया है कि इन दवाओं का निर्माण बद्दी, परवाणू, कालाअंब, पांवटा साहिब, बरोटीवाला स्थित दवा उद्योगों में हुआ है। वहीं, देश के अन्य राज्यों के दवा उद्योगों में बनी 47 दवाओं के सैंपल भी जांच में फेल हो गए हैं।

**दवा कंपनियों को नोटिस जारी :** राज्य दवा नियंत्रक मनीष कपूर ने बताया कि संबंधित दवा कंपनियों को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए संबंधित बैच का पूरा स्टॉक वापस मंगवाने के निर्देश दिए गए है। जिन उद्योगों के बार-बार सैंपल फेल हो रहे हैं, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

**ये दवा उत्पाद सब-स्टैंडर्ड :** सब-स्टैंडर्ड घोषित की गई दवाईयों में रिफैक्सिमिन टैबलेट 200 मिलीग्राम, डिक्लोफेनाक, पेरासिटामोल और के दो अलग-अलग बैच की दवाएं, सेराटियोपेप्टिडेज टैबलेट, मोंटोर-एलसी, एसेक्लोफेनाक, टेलवेर्ज एच, ओपी सोप्रोएट टैबलेट, शामिल हैं। इनके अलावा, एक्सि लो-ओज टैबलेट, सैलुजिंक- 20 टैबलेट, एनालाप्रिल मैलेट टैबलेट, डोमिपेन टैबलेट, रैबेप्राजोल सोडियम गैस्ट्रो-रेसिस्टेंट, ट्रॉयपॉड 200 टैबलेट, एलेनों टैबलेट और लुटोल टैबलेट ड्रग अलर्ट में शामिल हैं।

## बायोकॉन ने मेक्सिको में क्रोनिक वजन प्रबंधन दवा के लिए मेडिक्स के साथ आपूर्ति, वितरण समझौते पर हस्ताक्षर किए

**नई दिल्ली:** बायोकॉन लिमिटेड ने मैक्सिको स्थित मेडिक्स के साथ अपनी दवा लिराग्लूटाइड (जीसैक्सेंडा) के व्यावसायीकरण के लिए एक अर्ध-अनन्य वितरण और आपूर्ति समझौते पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की, जिसका उपयोग क्रोनिक वेट मैनेजमेंट के उपचार में किया जाता है।

मेडिक्स, एक विशेष दवा कंपनी के साथ समझौते के तहत, बायोकॉन दवा के विनियामक अनुमोदन, विनिर्माण और आपूर्ति प्राप्त करने के लिए जिम्मेदार होगी , कंपनी ने एक बयान में कहा। दूसरी ओर, मेडिक्स मैक्सिकन बाजार में इसके व्यावसायीकरण की जिम्मेदारी लेगी, उसने कहा। बायोकॉन के सीईओ और प्रबंध निदेशक, सिद्धार्थ मित्तल ने कहा, सहयोग से मोटापे से जूझ रहे क्षेत्र के रोगियों को हमारे उत्पाद तक सस्ती पहुंच मिल सकेगी और वे बीमारी का बेहतर प्रबंधन कर सकेंगे। उन्होंने आगे कहा, हमारे प्रयास मेडिक्स के साथ मिलकर इस उत्पाद के व्यावसायीकरण को तेजी से सक्षम बनाने पर केंद्रित होंगे। बयान में कहा गया है कि मेडिक्स के पास ऐसे देश में अधिक वजन और मोटापे के बोझ को दूर करने के लिए समाधान विकसित करने का 70 से अधिक वर्षों का अनुभव है, जहां 70 प्रतिशत आबादी इस बीमारी से जूझ रही है, ताकि उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो सके। मेडिक्स के सीईओ कार्लोस एबेलेरा ने कहा कि डब्ल्यूएचओ के अनुसार, मेक्सिको दुनिया भर में अधिक वजन और मोटापे के मामले में दूसरा सबसे बड़ा देश है। एबेलेरा ने कहा, बायोकॉन के साथ हमारी साझेदारी चिकित्सकों के लिए औषधीय विकल्पों में गुणवत्ता और सामर्थ्य लाएगी, जो हमारे दृष्टिकोण का समर्थन करती है।

## भारत में 40 वर्षों में आर्द्र गर्मी के तनाव में 30% की वृद्धि की आशंका, देश का बड़ा हिस्सा प्रभावित: आईएमडी अध्ययन

**नई दिल्ली:** आईएमडी द्वारा हाल ही में किए गए विश्लेषण में भारत में नमी के साथ उच्च तापमान के कारण हीट स्ट्रेस में दीर्घकालिक उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, टीओआई ने रिपोर्ट की है। इसे नम गर्मी तनाव के रूप में वर्णित करते हुए, शोधकर्ताओं ने कहा है कि पिछले 40 वर्षों (1980-2020) में इसकी मात्रा लगभग 30 प्रतिशत बढ़ गई है। विश्लेषण ने भारत में गर्मी के तनाव का सामना करने वाले क्षेत्रों की स्थानिक सीमा में एक महत्वपूर्ण ऊपर की ओर रुझान भी दिखाया है।

हीट स्ट्रेस शब्द उच्च तापमान के संपर्क में आने के कारण शरीर पर शारीरिक दबाव को दर्शाता है , जो अक्सर उच्च स्तर की आर्द्रता के साथ जुड़ा होता है। आईएमडी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. राजीब चट्टोपाध्याय ने बताया, पिछले 70 वर्षों (1951-2020) में भारत में स्थानिक रूप से हीट स्ट्रेस का अनुभव करने वाले स्थानों की संख्या में लगभग 30-40 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। विशेष रूप से, पश्चिमी तट, महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों, दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत और राजस्थान और गुजरात सहित उत्तर-पश्चिम भारत में 1950 के बाद से हीट स्ट्रेस में मजबूत वृद्धि देखी गई है।

अध्ययन में यह भी पता चला है कि दो प्राथमिक पैटर्न - शुष्क या नम हीट स्ट्रेस की स्थिति - पूरे भारत में हीट वेव को ट्रिगर करते हैं। डॉ. चट्टोपाध्याय ने यह भी नोट किया कि ये पैटर्न भारतीय क्षेत्र या पश्चिमी विक्षोभ की ओर बढ़ने वाले मध्य अक्षांश प्रणालियों से जुड़े हैं । उन्होंने कहा, पिछले 40 वर्षों में शुष्क या नम गर्मी के तनाव की स्थिति के दौरान, औसत ताप सूचकांक मान विभिन्न क्षेत्रों जैसे मध्य भारत, उत्तर-पश्चिम भारत और देश के पूर्वी तट पर सामान्य गर्मियों के तापमान से 4-5 डिग्री सेल्सियस अधिक बढ़ गया । इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि अत्यधिक उच्च ताप सूचकांक मान, जो सबसे गर्म दिनों का प्रतिनिधित्व करते हैं, इन क्षेत्रों में 38 डिग्री सेल्सियस से अधिक हो गए। उन्होंने कहा कि पूर्वी तट पर, ये अत्यधिक ताप सूचकांक मान अक्सर 43 डिग्री सेल्सियस के निशान को पार कर गए, कभी-कभी 47 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक तक पहुँच गए। जबकि मानक वायु तापमान रीडिंग आपको बताती है कि हवा कितनी गर्म है, ताप सूचकांक आपको बताता है कि नमी/आर्द्रता के स्तर पर विचार करते समय मानव शरीर को ये तापमान कैसा लगता है। यह इस बात का एक पैमाना है कि वास्तविक वायु तापमान के साथ आर्द्रता पर विचार करने पर वास्तव में कितना गर्म महसूस होता है। विश्लेषण ने भारत में गर्मी के तनाव का सामना करने वाले क्षेत्रों की स्थानिक सीमा में एक महत्वपूर्ण ऊपर की ओर रुझान भी दिखाया है। शुष्क गर्मी का तनाव तब होता है जब तापमान बढ़ता है, लेकिन आर्द्रता का स्तर कम रहता है। इस स्थिति की विशेषता तीव्र गर्मी और शुष्क हवा है, जिससे शरीर को पसीने के माध्यम से ठंडा करना मुश्किल हो जाता है और निर्जलीकरण हो सकता है।

दूसरी ओर, नम गर्मी का तनाव तब होता है जब उच्च तापमान अत्यधिक आर्द्रता के साथ जुड़ जाता है, जिससे वाष्पीकरण शीतलन के माध्यम से अपने तापमान को नियंत्रित करने की शरीर की क्षमता में बाधा उत्पन्न होती है । ये दोनों ही खतरनाक स्थितियाँ हैं, चट्टोपाध्याय ने कहा। लक्ष्मी एस, जो आईएमडी के साथ एक शोधकर्ता हैं, ने TOI को बताया कि उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में, ऐसी उच्च आर्द्रता की स्थिति की घटना अपेक्षाकृत कम है, और उन क्षेत्रों में गर्मी का तनाव मुख्य रूप से शुष्क गर्मी का तनाव है (तापमान से प्रेरित और नमी से नहीं)। डेटा भारत के पूर्वी क्षेत्रों (ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और दक्षिणी पश्चिम बंगाल) में 60 प्रतिशत से अधिक उच्च आर्द्रता के स्तर का अनुभव करने वाले स्थानों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाता है जब तीव्र शुष्क और आर्द्र गर्मी की स्थिति होती है। लक्ष्मी ने यह भी बताया कि शुष्क गर्मी के तनाव के समय, 30-40 प्रतिशत क्षेत्रों में पहले से ही आर्द्रता का स्तर प्रतिदिन 60 प्रतिशत से अधिक था। हालांकि, जब उमस भरी गर्मी की स्थिति ने अपना असर दिखाया, तो 70 प्रतिशत या उससे ज्यादा जगहों पर 60 प्रतिशत से ज्यादा आर्द्रता का स्तर देखा गया। पहले से ही चिलचिलाती गर्मी के तापमान के साथ, ऐसी उच्च आर्द्रता मानव शरीर द्वारा महसूस किए जाने वाले गर्मी के तनाव को काफी हद तक बढ़ा सकती है। नम परिस्थितियों में यह उमस भरी गर्मी खतरनाक हो जाती है, आईएमडी चट्टोपाध्याय ने यह भी कहा कि पूरे भारत में नम गर्मी के तनाव की स्थिति में वृद्धि देखी गई है, जिसमें पूर्वी तटीय राज्य, दक्षिणी प्रायद्वीप और महाराष्ट्र के कुछ हिस्से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

## कोलकाता मे अस्पताल ने नवीनतम वैश्विक तकनीक के साथ गंभीर अस्थमा क्लिनिक खोला

**कोलकाता:** विश्व अस्थमा दिवस पर कोलकाता में वैश्विक मानकों के अनुरूप विश्व स्तरीय अस्थमा उपचार प्रदान करने के लिए एक गंभीर अस्थमा क्लिनिक खोला गया। सीके बिड़ला अस्पताल की एक इकाई, कलकत्ता मेडिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (CMRI) में खोला गया क्लिनिक अस्थमा, फेफड़ों के विकारों और गंभीर अस्थमा के मामलों के शुरुआती चरणों का पता लगाने के लिए नवीनतम वैश्विक तकनीक का उपयोग करेगा। गंभीर अस्थमा को नियंत्रित करना मुश्किल है और अक्सर आपातकालीन देखभाल और अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता होती है। मरीजों को सांस लेने में रोजाना संघर्ष का सामना करना पड़ता है, जिससे जीवन की गुणवत्ता कम हो जाती है और स्वास्थ्य देखभाल की लागत काफी बढ़ जाती है।

गंभीर अस्थमा क्लिनिक की स्थापना इन रोगियों के लिए समर्पित स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों की एक टीम से व्यापक देखभाल प्राप्त करने के लिए एक केंद्रीकृत केंद्र के रूप में काम करेगी, पल्मोनोलॉजी सलाहकार डॉ ब्यूटी बिस्वास ने कहा। गंभीर अस्थमा क्लिनिक से ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ अस्थमा (GINA) दिशा-निर्देशों के अनुसार चरणबद्ध अस्थमा प्रबंधन योजनां पेश करने की अपेक्षा की जाती है, जिसमें व्यक्तिगत देखभाल योजनाएं शामिल हैं, जो श्वसन नर्स द्वारा प्रशासन के दौरान नजदीकी निगरानी के साथ बायोलॉजिक्स जैसी उन्नत चिकित्सा प्रदान करती हैं और उनके अस्थमा को अधिक कुशलता से प्रबंधित करने के लिए निरंतर सहायता प्रदान करती हैं। क्लिनिक में, इनहेलर तकनीकों पर उचित प्रशिक्षण दिया जाएगा, उन्नत स्लीप लैब के माध्यम से ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया (ठै।) जैसी सह-रुग्णताओं की पहचान, HRCT स्कैन और सीरोलॉजिकल मार्करों के माध्यम से ब्रोन्किइक्टेसिस और ABPA, स्किन प्रिक टेस्ट द्वारा एटोपिक स्थिति की पहचान, उन्नत फेफड़े के कार्य प्रयोगशाला के माध्यम से अस्थमा की गंभीरता की पुनः पुष्टि, आहार संबंधी सलाह, मनोवैज्ञानिक परामर्श और प्रत्येक यात्रा के साथ उपचारों के अनुपालन की जाँच की जाएगी। वायु प्रदूषण न केवल अस्थमा का कारण बनता है, बल्कि अस्थमा के लक्षणों को भी बढ़ाता है क्योंकि विभिन्न प्रदूषक अस्थमा की प्रवृत्ति को बढ़ाने के लिए कई तरीके अपनाते हैं।

क्योंकि प्रदूषित हवा हानिकारक तत्वों का मिश्रण है, इसलिए इन तत्वों के संयोजन का व्यक्ति के फेफड़ों पर कई गुना अधिक प्रभाव पड़ता है। अगर किसी को फेफड़ों पर प्रत्येक प्रदूषण के हानिकारक प्रभावों के बारे में जानकारी है, तो वह फेफड़ों में होने वाले रोग संबंधी परिवर्तनों के लिए वायु प्रदूषण को सीधे जिम्मेदार ठहराने के लिए नैदानिक तरीके तैयार कर सकता है। क्योंकि हमारे पास वर्तमान में ऐसी सुविधाएं नहीं हैं, इसलिए हम मानव शरीर पर प्रदूषण के प्रभाव को चिकित्सकीय रूप से नहीं माप सकते हैं और इसलिए, हमें केवल महामारी विज्ञान संबंधी अध्ययनों पर ही बहुत अधिक निर्भर रहना पड़ता है।

## फर्जी एनओसी रैकेट: निजी अस्पतालों में आंतरिक समिति की कमी पर रिपोर्ट खामोश

**जयपुर:** चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा अंग प्रत्यारोपण घोटाले के लिए फर्जी एनओसी पर स्वास्थ्य मंत्री को सौंपी गई जांच रिपोर्ट यह उजागर करने में विफल रही है कि राज्य सरकार निजी अस्पतालों को अपनी सक्षम प्राधिकरण समिति या आंतरिक समिति गठित करने के लिए क्यों बाध्य नहीं कर सकी, जबकि वे हर साल 25 से अधिक प्रत्यारोपण करते हैं। मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम 1994 के अनुसार, जो अस्पताल सालाना 25 से अधिक प्रत्यारोपण करते हैं, उन्हें अपनी समितियां गठित करनी होती हैं। हालांकि, इन अस्पतालों ने संभवतः अपनी जवाबदेही से बचने के लिए एसएमएस मेडिकल कॉलेज से अंग प्रत्यारोपण के लिए एनओसी प्राप्त करना पसंद किया। अब, जब एनओसी घोटाला सामने आया है, तो राज्य सरकार ने तीन निजी अस्पतालों के लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं, जिससे उन्हें अगले आदेश तक अंग प्रत्यारोपण करने से रोक दिया गया है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 31 जुलाई, 2008 को जारी अधिसूचना में कहा गया है, यदि संबंधित प्रत्यारोपण केंद्रों पर एक वर्ष में प्रत्यारोपणों की संख्या 25 से अधिक है, तो प्राधिकरण समिति मेट्रो और बड़े शहरों में अस्पताल आधारित होनी चाहिए। टीएचओए 1994 में कहा गया है कि अस्पताल आधारित प्राधिकरण समितियों का गठन करना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। अधिसूचना के अनुसार, अस्पताल आधारित प्राधिकरण समितियों की संरचना, जिसका गठन राज्य सरकार द्वारा और केंद्र शासित प्रदेश के मामले में केंद्र द्वारा किया जाएगा, में अस्पताल के चिकित्सा निदेशक या चिकित्सा अधीक्षक के रूप में कार्य करने वाले सबसे वरिष्ठ व्यक्ति, उसी अस्पताल के दो वरिष्ठ चिकित्सक जो प्रत्यारोपण टीम का हिस्सा नहीं हैं, दो सदस्य उच्च निष्ठा, सामाजिक प्रतिष्ठा और विश्वसनीयता वाले व्यक्ति होंगे, जिन्होंने उच्च न्यायपालिका, पुलिस सेवा के वरिष्ठ कैडर जैसे उच्च रैंकिंग वाले सरकारी पदों पर काम किया हो, या जिन्होंने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित विश्वविद्यालय में रीडर या प्रोफेसर के रूप में काम किया हो, या जो वकील, चार्टर्ड एकाउंटेंट और डॉक्टर जैसे प्रतिष्ठित स्व-नियोजित पेशेवर हों, सचिव (स्वास्थ्य) या नामित व्यक्ति, और निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं या नामित व्यक्ति शामिल होंगे। जबकि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने में विफल रही कि निजी अस्पताल एनओसी के लिए अपनी आंतरिक समितियां स्थापित करें, निजी अस्पताल अब यह दलील दे रहे हैं कि किडनी प्रत्यारोपण के लिए प्रस्तुत किए गए दस्तावेज और सत्यापन प्रक्रिया (एसएमएस अस्पताल की राज्य प्राधिकरण समिति द्वारा जारी एनओसी) के मामले के खुलासे से पहले पूरी प्रक्रिया की प्रामाणिकता पर संदेह करना मुश्किल था। उनका तर्क है कि अस्पताल प्रशासन इस गैरकानूनी कृत्य से पूरी तरह अनजान था, न केवल अंतरराष्ट्रीय रोगियों के लिए बल्कि एनओसी प्राप्त करने वाले भारतीय रोगियों के लिए भी। निजी अस्पतालों में से एक के अधिकारी ने कहा, अस्पताल प्रशासन इस बात से अनजान था कि एसएमएस अस्पताल में राज्य प्राधिकरण समिति द्वारा समिति की बैठकों के बिना एनओसी का इस्तेमाल किया जा रहा था। राज्य सरकार को राज्य के उपयुक्त प्राधिकारी द्वारा पंजीकृत प्रत्यारोपण या पुनर्प्राप्ति अस्पतालों का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करना है, ताकि उनकी गतिविधियों, प्रत्यारोपण की गुणवत्ता, दाता और प्राप्तकर्ता के ऑपरेशन के बाद के अनुवर्ती और प्रत्यारोपण के परिणामों की मौके पर ही निगरानी की जा सके। हालाँकि, राज्य में ऐसा भी नहीं किया गया है।

## चिकित्सा विभाग का नवाचार अब मौसमी बीमारियों की मॉनिटरिंग ओडीके एप से होगी

**जयपुर (कैलाश शर्मा) :** चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने एक महत्वपूर्ण नवाचार किया है। इस नवाचार के तहत अब मौसमी बीमारियों की मॉनिटरिंग विभाग द्वारा ओडीके एप से की जाएगी। इस नवाचार से प्रदेशभर में मौसमी बीमारियों की स्थिति की रियल टाइम मॉनिटरिंग हो सकेगी और बचाव एवं रोकथाम के लिए त्वरित रूप से कारगर कदम उठाए जा सकेंगे। ओडीके एप का मुख्य उद्देश्य हाउस इण्डेक्स, ब्रटू इण्डेक्स एवं कंटेनर इण्डेक्स को कम कर मलेरिया, डेंगू एवं चिकनगुनिया के केसों में कमी लाना है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव श्रीमती शुभ्रा सिंह ने बताया कि प्रदेश में मच्छरजनित मौसमी बीमारियों की मॉनिटरिंग हेतु एक नवाचार किया गया है। उन्होंने बताया कि मच्छरजनित बीमारियों जैसे मलेरिया, डेंगू, चिकुनगुनिया की तीव्रता प्रायः वर्षा ऋतु के प्रारम्भ जुलाई-अगस्त से लेकर अक्टूबर-नवम्बर तक रहती है। विगत वर्षों में लाइफ स्टाइल एवं मौसम परिवर्तन के चलते मौसमी बीमारियों का प्रसार बढ़ने लगा है। भारत सरकार ने इस वर्ष डेंगू रोग के अधिक प्रसार की आशंका व्यक्त की है। इसे देखते हुए विभाग सभी आवश्यक उपाय सुनिश्चित कर रहा है। श्रीमती सिंह ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मौसमी बीमारियों से बचाव व नियंत्रण हेतु विभिन्न विभागीय एवं अन्तर्विभागीय गति. विधियां संचालित की जा रही हैं। मौसमी बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण की दृष्टि से चिकित्सा विभाग ने तकनीक के उपयोग पर जोर दिया है। विभाग ओडीके ऐप द्वारा मच्छरजनित बीमारियों की ऑनलाइन मॉनिटरिंग करेगा। एप के माध्यम से मच्छर के प्रजनन स्थलों तथा लार्वा पाये जाने वाले स्थानों की फोटो लेकर स्वायत्त शासन विभाग या पंचायती राज विभाग को भेजा जाएगा। फोटो मिलने के बाद संबंधित विभाग उन स्थानों पर एंटी लार्वा एवं मच्छर रोधी गतिविधियां कर आमजन को बीमारियों से बचाएंगे। फील्ड में भ्रमण दौरान मच्छर के प्रजनन स्थानों की पहचान कर फोटो लेने का कार्य विभिन्न स्तर के अधिकारियों-कार्मिकों द्वारा किया जा सकेगा। एएनएम.,आशा, सीएचओ, एमपीडब्ल्यू, डीबीसी वर्कर, ब्लॉक स्तर से बीपीएम, ब्लॉक सुपरवाइजर, बीसीएमओ, जिला स्तर से एन्टोमोलोजिस्ट, वीबीडी कन्सलटेन्ट, एपिडेमियोलोजिस्ट, उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जोन एवं राज्य स्तरीय अधिकारी फोटो लेकर संबंधित विभाग को भेज सकेंगे। सड़क पर पड़ा हुआ कचरा, नाली में सफाई के अभाव में रूका हुआ पानी, गड्ढों में भरा पानी, खाली प्लॉट में कचरा/पानी, बड़े जल स्रोतों (तालाब, पोखर/बावड़ी) में कचरा, घर के बाहर पानी के अन्य स्त्रोत टंकी आदि।

## एंटी वेनम दवा अस्पतालों में उपलब्ध कराए सरकार : हाई कोर्ट

**रांची:** एंटी वेनम दवा सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रो में उपलब्ध कराने के सरकार को आदेश दिए गए हैं। झारखंड हाइकोर्ट ने पांच साल से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर की स्थिति को लेकर स्वतः संज्ञान से दर्ज जनहित याचिका पर सुनवाई की। जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय व जस्टिस दीपक रोशन की खंडपीठ ने राज्य सरकार का पक्ष सुनने के बाद जवाब पर असंतुष्टि जताई। हाईकोर्ट ने मौखिक रूप से कहा कि राज्य सरकार के जवाब से स्पष्ट होता है कि अस्पतालों में सांप काटने से बचाव करने की दवा की कमी है। मानसून आनेवाला है जैसे जैसे बरसात होगी सांप अपने बिलो से बाहर आते है और इसी कारण इनसे इस मौसम में खतरा बढ़ जाता है। मानसून के दौरान ही राज्य में सांप काटने की काफी घटनाएं होती हैं।

## कार्डिनल हेल्थ ने महंगी विशेष दवाओं की मांग के आधार पर 2024 के लाभ का अनुमान बढ़ाया

**लंदन:** कार्डिनल हेल्थ ने अपने वार्षिक लाभ पूर्वानुमान को बढ़ा दिया, कैंसर जैसी जटिल स्थितियों के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली महंगी विशेष दवाओं को बेचने वाली अपनी दवा इकाई की मजबूती पर दांव लगाया। प्रतिद्वंद्वी सेनकोरा सहित दवा वितरकों को विशेष दवाओं की बढ़ती बिक्री से लाभ हो रहा है, ऐसे समय में जब जेनेरिक या कॉपीकैट संस्करणों की कीमतें तीव्र प्रतिस्पर्धा के कारण गिर रही हैं।

कार्डिनल को अब 2024 के समायोजित आय की उम्मीद +7.30 से +7.40 प्रति शेयर की सीमा में है, जबकि पहले +7.20 से +7.35 प्रति शेयर का पूर्वानुमान लगाया गया था। LSEG डेटा के अनुसार, विश्लेषकों को प्रति शेयर +7.28 का वार्षिक लाभ होने की उम्मीद थी। कंपनी ने 2025 के समायोजित लाभ के लिए अपने प्रारंभिक दृष्टिकोण की भी घोषणा की, जिसमें प्रति शेयर कम से कम +7.50 की उम्मीद है, जबकि अनुमान +7.87 था। कार्डिनल अपने राजस्व का एक बड़ा हिस्सा फार्मास्युटिकल और स्पेशियलिटी सॉल्यूशन यूनिट से प्राप्त करता है, जिसके माध्यम से यह ब्रांडेड और जेनेरिक दवाओं, स्पेशियलिटी दवाओं और ओवर-द-काउंटर हेल्थकेयर और उपभोक्ता उत्पादों का वितरण करता है। 31 मार्च को समाप्त तीसरी तिमाही में यूनिट ने +50.7 बिलियन का राजस्व अर्जित किया, जो साल-दर-साल 9 प्रतिशत अधिक है। कुल बिक्री +54.91 बिलियन रही, जो विश्लेषकों के +56.06 बिलियन के अनुमान से कम है। कार्डिनल हेल्थ ने पिछले महीने कहा था कि यूनाइटेडहेल्थ ग्रुप के ऑप्टमआरएक्स के साथ उसके अनुबंध, जो उसके सबसे बड़े ग्राहकों में से एक है, जून के अंत में समाप्त होने के बाद नवीनीकृत नहीं किए जाएंगे। कंपनी के अनुसार, 2015 में हस्ताक्षरित ऑप्टम अनुबंधों ने वित्तीय वर्ष 2023 में कार्डिनल के कुल राजस्व में 16 प्रतिशत का योगदान दिया।

## एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज अस्पताल के डॉक्टरों ने 9 साल की बच्ची की दुर्लभ सर्जरी की

**बरहामपुर:** सरकारी एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में डॉक्टरों के एक समूह ने राज्य में पहली बार कुशिंग सिंड्रोम नामक एक बहुत ही दुर्लभ बीमारी से पीड़ित 9 वर्षीय बच्ची का लेप्रोस्कोपिक द्विपक्षीय एड्रेनलेक्टोमी किया। कुशिंग सिंड्रोम एक दुर्लभ आनुवंशिक बीमारी के कारण होता है जिसे प्राइमरी पिगमेंटेड नोडुलर एड्रेनोकोर्टिकल डिजीज (पीपीएनएडी) कहा जाता है, जो एक अत्यंत दुर्लभ विकार है जिसका प्रचलन दो लाख में से एक से भी कम है। एक डॉक्टर ने कहा कि 9 अप्रैल को लेप्रोस्कोपिक करने में डॉक्टरों को लगभग तीन घंटे लगे।

मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की अधीक्षक सुचित्रा दाश ने कहा, यह राज्य में पहला मामला हो सकता है और हमारे डॉक्टरों ने लड़की का सफलतापूर्वक इलाज किया। लड़की की हालत अब अच्छी है और उसे कुछ दिनों तक निगरानी में रखा जाएगा। सोमवार को मरीज को देखने के बाद मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल संतोष कुमार मिश्रा और अधीक्षक ने मरीज की सफल लेप्रोस्कोपी करने के लिए डॉक्टरों की टीम को धन्यवाद दिया, जो एक बहुत ही कठिन काम था।

यह छोटे से सामान्य आकार के एड्रेनल ग्रंथियों द्वारा विशेषता है जिसमें कई छोटे कॉर्टिकल पिगमेंटेड नोड्यूल होते हैं। इस बीमारी में, उपरोक्त किडनी में दोनों एड्रेनल ग्रंथियां अतिरिक्त हार्मोन कोर्टिसोल का स्राव करती हैं और अगर जल्दी इलाज नहीं किया जाता है तो हृदय रोग और स्ट्रोक और समय से पहले मौत हो जाती है।

एंडोक्राइनोलॉजी विभाग के प्रोफेसर पी रवि कुमार ने कहा कि इसका इलाज दोनों तरफ की एड्रेनल ग्रंथियों को हटाकर और कम खुराक वाले स्टेरॉयड के साथ आजीवन सप्लीमेंटेशन द्वारा किया जाता है । यह एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण ऑपरेशन था जिसे बाल रोग विशेषज्ञ, मूत्र रोग विशेषज्ञ, एनेस्थीसिया और बाल रोग विभाग के डॉक्टरों की एक टीम ने अंजाम दिया। इसके अलावा, पेरेंट डिपार्टमेंट एंडोक्राइनोलॉजी ने सर्जरी के दौरान स्टेरॉयड के लिए सहायता प्रदान की, बाल चिकित्सा सर्जरी के एसोसिएट प्रोफेसर मानस रंजन दाश ने कहा, जिन्होंने टीम का नेतृत्व किया। रवि कुमार ने कहा कि गंजम जिले के खंडादेउली गांव की मरीज को 4 अप्रैल को एंडोक्राइनोलॉजी विभाग में भर्ती कराया गया था। वह अत्यधिक वजन, मुंहासे और उच्च रक्तचाप से पीड़ित थी। उन्होंने कहा कि पूरी तरह से जांच करने के बाद, उसे कुशिंग सिंड्रोम का मामला पाया गया।

## पहली तिमाही में फार्मा सौदों में भारी गिरावट

**नई दिल्ली:** फार्मा और हेल्थकेयर सेक्टर में इस साल की पहली तिमाही में वॉल्यूम में 15 प्रतिशत की महत्वपूर्ण गिरावट देखी गई, जिसमें पिछली तिमाही के मुकाबले 47 सौदे 409 मिलियन डॉलर के थे और मूल्य में 82 प्रतिशत की कमी आई, जबकि Q4 2023 में यह 2.3 बिलियन डॉलर था।

ग्रांट थॉर्नटन भारत की फार्मा और हेल्थकेयर Q1 डीलट्रैकर रिपोर्ट में कहा गया है कि इस तिमाही औसत डील साइज साल-दर-साल 79 % घटकर 8.7 मिलियन डॉलर रह गया। Q1 में, मुख्य रूप से बड़े-टिकट वाले लेन-देन की अनुपस्थिति के कारण मूल्यों में महत्वपूर्ण कमी आई , केवल एक उच्च-मूल्य वाला सौदा (100 मिलियन डॉलर से अधिक) दर्ज किया गया, जबकि Q4 2023 में छह ऐसे सौदे हुए। मेडिकल डिवाइस और वेलनेस क्षेत्र ने निवेशकों का ध्यान आकर्षित किया, जबकि स्वास्थ्य तकनीक क्षेत्र में सौदों में उच्च मात्रा में वृद्धि जारी रही। इसमें कहा गया है कि जीवन विज्ञान क्षेत्र में बायोसिमिलर और एपीआई सेगमेंट में निवेशकों की रुचि बनी रहेगी । विलय और अधिग्रहण (M&A) गतिविधि में भी पिछली तिमाही की तुलना में मात्रा और मूल्य दोनों में उल्लेखनीय गिरावट देखी गई।

## नर्सिंग होमों रास्ते संकरे और दमकल के मानक अधूरे

**बिलासपुर:** नर्सिंग होमों रास्ते संकरे और दमकल के मानक अधूरे नगर के बीचों बीच में एक नर्सिंग होम में फायर के मानकों की पूरी तरह से अनदेखी है। दो तल के नर्सिंग होम में आने जाने का एक ही रास्ता वह भी संकरा है। कागज में भले ही एनओसी हो, लेकिन मानक के अनुसार उपकरण न लगे होने से खतरा बना हुआ है। प्रशासन और अग्निशमन विभाग ने कभी जांच न करके अनदेखी किया।

**नैनीताल रोड पर खुला है अस्पताल, मानक पूर्ण नहीं:** बिलासपुर के नैनीताल, रामपुर रोड और नगर की घनी बस्ती के बीचों बीच पर खुले नर्सिंग होम स्वास्थ्य विभाग में पंजीकृत है, लेकिन 15-20 बेड इन दो अस्पतालों में फायर सुरक्षा का इंतजाम नहीं है। चौड़ी सीढ़ियां, दो - रास्ते, बालू व पानी का इंतजाम नहीं है। फिर भी इन्हें फायर एनओसी आंखें बंद करके दे दी गई हैं। हर साल संचालक विभाग से नवीनीकरण कराने में भी सफल रहे।

मरीजों को उपचार मिले और उनकी जान बच सके इसके लिए जिले में 53 नर्सिंग होम अधिकृत रूप से संचालित हैं, बावजूद यहां मानक और नियमों की अनदेखी बड़े पैमाने पर है। उत्तर प्रदेश के एक निजी हास्पिटल में आग लगने से आठ लोगों की मौत हुई है, लेकिन यहां दो प्रतिष्ठित निजी अस्पतालों को छोड़ दिया जाए तो किसी भी नर्सिंग होम में आग से सुरक्षा का इंतजाम नहीं हैं, यह बात अलग है कि दस्तावेजी रूप से सभी के पास फायर एनओसी निजी अस्पतालों में अग्निशमन यंत्र, पानी व रेत के इंतजाम नहीं है, अंधेर तो यह है कि ऐसे नर्सिंग होम को भी परमिट दिया गया है जिनके पास दो रास्ते तक नहीं हैं। अगर यहां कोई अनहोनी हो जाए तो मरीज तो छोड़िये कर्मचारी स्वयं अपना बचाव नहीं कर पाएंगे। जबकि हर नर्सिंग होम का पंजीकरण कराने से पहले यह मानक पूर्ण करने होते हैं, साल में एक बार फायर एनओसी भी प्राप्त करनी होती है। कागज में यह मानक पूरे होते रहते हैं, लेकिन असल में इन अस्पतालों में सुरक्षा के साथ छलावा किया जा रहा है।

**बिना पंजीयन वाले नर्सिंग होम की भरमार:** जिले में बिना पंजीयन के भी भारी मात्रा में नर्सिंग होम संचालित है, इन नर्सिंग का स्वास्थ्य विभाग में न तो पंजीयन है और न ही किसी प्रकार की फायर एनओसी। यह छोटे-छोटे इलाकों में चार से पांच बेड के अस्पताल के रूप में संचालित है। संचालक स्वयं भले ही स्वास्थ्य के बारे में कुछ नहीं जानते हैं लेकिन आनकाल डाक्टर बुलाकर यहां पर सेवाएं देने का दावा करते हैं। विभाग ने कोई अभियान इन्हें बंद कराने के लिए नहीं चलाया है।

**PALCO**

Free consultancy and set up for old / new nursing home, medical center / hospitals, R&D LAB, educational science lab school, all industries lab with trunkey projects in pan India.

Contact : Mr. R.P. PAL / NEERAJ PAL
Call : 9891177191 / 8377951686
1802, FF, Electrical Market, Bhagirath Palace, Chandni Chowk, Delhi 110006

## इंजेक्शन कॉम्बो मेरोपेनेम 1 मिलीग्राम और ईडीटीए का निर्माण-बिक्री अवैध

**नई दिल्ली।** इंजेक्शन कॉम्बो मेरोपेनेम 1 मिलीग्राम और ईडीटीए का निर्माण तथा बिक्री अवैध है। इसे केंद्रीय नियामक प्राधिकरण की मंजूरी नहीं मिली है। सीडीएससीओ की मंजूरी के बिना इस दवा का उत्पादन और बिक्री नियमों के खिलाफ है। इस बारे में औषधि महानियंत्रक (भारत) (डीसीजीआई) ने सभी राज्य दवा नियामकों को सूचित कर दिया है। दवा नियामक ने कहा कि उसके संज्ञान में आया है कि कुछ फार्मा इस कॉम्बो का निर्माण और बिक्री कर रहे हैं। डीसीजीआई डॉ. राजीव सिंह रघुवंशी ने एक नोटिस में कहा कि कोई भी नई दवा तब तक बिक्री के लिए निर्मित नहीं की जाएगी जब तक कि इसे लाइसेंसिंग प्राधिकरण से मंजूरी प्रदान नहीं की जाती है।

## AUTHORIZED DISTRIBUTORS OF ADR BOOK

| Location | Party Name | Contact No. |
|---|---|---|
| Agra | Satish Book Enterprises | 9997877123 |
| Ahmedabad | Bharat Medical Book House | 9824013920 |
| Akola | Book Emporium | 9422861751 |
| Aligarh | Rama Book Store | 9319275252 |
| Allahabad | Chetana Medical Books | 9307978423 |
| Amritsar | City Book Shop | 0183-2571591 |
| Amritsar | Medical Books & Surgicals Centre | 0183-2422729 |
| Aurangabad | Arihant Excel Medical Book House | 9822259681 |
| Aurangabad | Shri Samarth Book Depot | 9822034577 |
| Belgaun | Shri Ganesh Book Stall | 8312461258 |
| Berhampur | Book World | 9861015189 |
| Bhagalpur | Kora Kagaz | 9771511779 |
| Bhopal | Lyall Book Depot | 0755-2543624 |
| Bhubaneswar | Annapurna Medical Book Shop | 9861243882 |
| Bikaner | Academy Book Centre | 9414138998 |
| Burla | Bharat Book Emporium | 9337335744 |
| Calicut | Ramdas Sotes & Books | 0495-2358398 |
| Chennai | Chennai Medical Book Centre | 044-66246369 |
| Chennai | Shah Medical Books | 9444829937 |
| Coimbatore | Arasu Medical Book House | 9444308567 |
| Coimbatore | Balaji Medical Books | 0422-6725292 |
| Coimbatore | Dass Medical Book Shop | 9443958620 |
| Cuttack | Scientific Book Depot | 9437020414 |
| Delhi | Mirza Book Depot | 9958723206 |
| Delhi | Pawan Book Service | 9810202316 |
| Delhi | R.S.Book Store | 9810546759 |
| Delhi | Sagar Book Depot | 9811680722 |
| Delhi | University Book Store | 9818357577 |
| Dhulea | Koshal Book Shop | 9423916592 |
| Gorakhpur | Medical Book Centre | 9450884543 |
| Gwalior | Anand Pustak Sadan | 9425114555 |
| Indore | New Jain Book Stall | 9926636333 |
| Indore | Scientific Literature Company | 9826299744 |
| Jabalpur | Lords Book Sellers | 9425155125 |
| Jabalpur | Akash Pustak Sadan | 9826563047 |
| Jaipur | Kumar Medical Book Store | 9829610430 |
| Jammu | Bhartiya Pustakalaya | 9796636000 |
| Jammu | Narend Book Depot | 9419114398 |
| Jamnagar | Jay Medical Book Centre | 9925236982 |
| Jodhpur | Book World | 9829088088 |
| Jorhat | Naveen Pustakalaya | 9435514204 |
| Kolhapur | Ajab Pustakalaya | 9881424434 |
| Kolkata | Raj Book House | 9432550891 |
| Kota | R.K.Stationers | 9829087574 |
| Koti Hyderabad | Osmani Medical Book House | 040-64644253 |
| Koti Hyderabad | Paras Medical Books Pvt Ltd. | 040-24600869 |
| Koti Hyderabad | Sharp Medical Book Centre | 040-65544303 |
| Lucknow | Aditya Medical Books Pvt Ltd. | 0522-2611724 |
| Lucknow | Arora Book Agencies | 0522-4046778 |
| Ludhiana | Verma Book Depot | 9872202530 |
| Madurai | Medical Books & International | 9344101063 |
| Meerut | City Book Centre | 0121-4056292 |
| Meerut | Menakshi Prakashan | 0121-2645498 |
| Meerut | R LAL Book Depot | 0121-2666235 |
| Mumbai | The National Book Depot | 022-24131362 |
| Mumbai | Vikas Medical Book House Pvt Ltd. | 022-23010441 |
| Mumbai | Bhalani Medical Book House | 022-24171660 |
| Nagpur | New Medical Book Shop | 9822225591 |
| Nagpur | Book Source | 9850943011 |
| Patna | Current Book Service | 9431077745 |
| Pune | J D Granth Bhandar | 020-24492832 |
| Raipur | S.K.Medical Book House | 9329637397 |
| Raipur | Sristhi Book Stationery Mart | 9300855027 |
| Rajkot | Jay Books Medical Book | 9925236984 |
| Ranchi | Student Book Depot | 0651-2221907 |
| Saharanpur | Hans Pustak Bhandar | 9457449388 |
| Sangli | Tanavade & Sons | 9823049499 |
| Sri Nagar | Doctors Dotkom | 9086454647 |
| Tirupati | Shri Venketswar Book Depot | 9885479105 |
| Trivandram | Professional Book House | 9495951506 |
| Varanasi | Atithi Medical Books | 9307978423 |
| Varanasi | Current Book Agency | 9335015235 |
| Visakhapatnam | Andhra Medical Book Centre | 9985716032 |
| Visakhapatnam | World Medical Book Centre | 9849022192 |

## पुणे अस्पताल ने जोड़ प्रतिस्थापन सर्जरी के लिए उन्नत रोबोटिक तकनीक पेश की

**नई दिल्ली:** पिछले पांच सालों में भारत में जोड़ प्रतिस्थापन सर्जरी की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। देश भर के सर्जनों ने देखा है कि हर साल 2.5 लाख से ज्यादा मरीज घुटने के प्रतिस्थापन की सर्जरी करवाते हैं और हाल के सालों में यह संख्या कई गुना बढ़ गई है। हालांकि, भारत में नई और ज्यादा उन्नत तकनीक की शुरुआत के साथ, कुल घुटने के प्रतिस्थापन वाले लोग सर्जरी के छह घंटे बाद ही चलना शुरू कर सकते हैं। आर्थोपेडिक उपचार में विकास और रोबोट-सहायता प्राप्त आर्थोपेडिक सर्जरी की शुरुआत ने घुटने के प्रतिस्थापन से जुड़े जोखिमों को कम कर दिया है।

रोबोटिक सहायता प्राप्त सर्जरी उन्नत चिकित्सा प्रक्रियाएं हैं जो सर्जन द्वारा निर्देशित रोबोटिक उपकरणों का उपयोग करके की जाती हैं। ये प्रक्रियाएं सर्जनों को सटीक उपकरणों और उन्नत प्रणालियों के साथ जटिल सर्जरी करने में मदद करती हैं, जिससे कम रक्तस्राव होता है और रिकवरी का समय कम होता है। लोगों को उन्नत उपचार प्रदान करने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाते हुए, खराडी में मणिपाल अस्पताल ने हाल ही में उन्नत आर्थोपेडिक सर्जरी के लिए एक अत्याधुनिक रोबोटिक तकनीक पेश की है। इस तकनीक का उद्देश्य रोबोटिक सहायता प्राप्त सर्जरी के साथ घुटने के प्रतिस्थापन और जोड़ों के उपचार में सुधार करना है। अनुभवी भारतीय क्रिकेटर श्री कपिल देव ने अस्पताल में नई रोबोटिक तकनीक का अनावरण किया और स्वास्थ्य सेवा में उन्नति के महत्व पर जोर दिया।

पांच सालों में भारत में जोड़ प्रतिस्थापन सर्जरी की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रौद्योगिकी में प्रगति और आर्थोपेडिक उपचार के लिए रोबोटिक सर्जरी के महत्व पर बोलते हुए, डॉ. सिनुकुमार भास्करन, वयस्क संयुक्त प्रतिस्थापन और पुनर्निर्माण और रोबोटिक आर्थ्रोप्लास्टी (हिप और घुटने), मणिपाल अस्पताल, खराडी, पुणे ने कहा, रोबोट-सहायता प्राप्त सर्जरी न केवल जटिल सर्जरी करने वाले डॉक्टरों के लिए फायदेमंद है, बल्कि तेजी से ठीक होने और कम दर्द की पेशकश करके सर्जरी के बाद जीवन की गुणवत्ता में सुधार करके रोगी के लिए भी फायदेमंद है। नई प्रणाली व्यक्तिगत 3 डी सीटी स्कैन की अनुमति देती है, जो अधिक सटीक प्रत्यारोपण सर्जरी और संक्रमण के कम जोखिम के लिए वास्तविक समय में हड्डी की गति की निगरानी के साथ उप-मिलीमीटर सटीकता और बढ़ी हुई सुरक्षा प्रदान करती है। 98 प्रतिशत की सफलता दर के साथ, यह सावधानीपूर्वक परिशुद्धता लंबे समय तक चलने वाले संयुक्त प्रतिस्थापन में परिणाम देती है। पिछले पांच सालों में भारत में जोड़ प्रतिस्थापन सर्जरी की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

## स्वप्न शास्त्र

डॉ॰ सुरेन्द्र कुमार शर्मा

### रोते हुए देखना

शारीरिक कष्टों से मुक्ति प्राप्त होगी तथा स्वास्थ्य में सुधार होगा। मानसिक उलझनों की समाप्ति होगी तथा तनाव से मुक्ति होगी। सरकारी नौकरी प्राप्त होगी तथा रुके हुए कार्य पुनः प्रारम्भ होंगें। किसी प्रियजन से भेंट होगी तथा मानसिक सुख की प्राप्ति होगी। बिगड़े हुए कार्य पुनः प्रारम्भ होंगे। वृद्ध व्यक्तियों के स्वास्थ्य में सुधार होगा तथा आय में वृद्धि होगी। जोड़ों के दर्द से मुक्ति प्राप्त होगी तथा स्वास्थ्य लाभ होगा। किसी बाहरी व्यक्ति के सहयोग से घरेलू कार्य में सहयोग प्राप्त होगा। लोहे तथा पीतल के व्यापार में आने वाली बाधाएं दूर होंगी तथा व्यापार में इच्छित लाभ की प्राप्ति होगी। ऋण संबंधी समस्याओं का समाधान होगा तथा घर में धनागमन होगा। व्यवसाय में परिवर्तन हो सकता हैं धन का व्यय मंगल कार्यों पर होगा तथा शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी। सुंदर वस्त्र एवं आभूषणों की प्राप्ति होगी तथा परस्पर उपहारों का आदान-प्रदान होगा। किसी अत्यधिक प्रिय व्यक्ति की ओर से चल रही चिंताएं समाप्त होंगी तथा शीघ्र उससे मिलाप होगा।

### भैंस देखना

शारीरिक कष्टों से पीड़ित रहेंगे तथा स्वास्थ्य में निरन्तर गिरावट आएगी। यात्राएं स्थगित होंगी। कानूनी विवादों में फंसने की संभवाना है। अदालती कार्यों में हानि होगी तथा अदालती निर्णयों के फलस्वरूप कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। प्रेम संबंधों में असफलता की प्राप्ति होगी तथा आर्थिक स्थिति प्रतिकूल रहेगी। आयात-निर्यात के क्षेत्र में आशानुकूल लाभ में कमी आएगीं। जमीन-जायदाद के संबंध में पड़ोसी से विवाद एवं मारपीट होने की संभावना है। शत्रु पक्ष निरन्तर अनिष्ट करने का प्रयास करेंगे तथा विरोधी हावी रहेंगें मानसिक परेशानियों तथा अशान्ति में समय व्यतीत होगा।

## प्रतिबंधित कफ सिरप की तस्करी रोकी, पिकअप से 8 हजार शीशियां जब्त

**बाराबंकी।** प्रतिबंधित कफ सिरप की भारी खेप ले जा रहे एक पिकअप से 8 हजार शीशियां बरामद की गई हैं। नशे के लिए इस्तेमाल किए जाने वाली इस दवा की कीमत करीब साढ़े दस लाख रुपये बताई गई है। शहर के गुलिस्तान-ए-शेर कॉलोनी में एक पिकअप वाहन अवैध दवाओं से भरी खड़ी थी। किसी ने इसकी सूचना उच्चाधिकारियों को दी। सूचना के बाद खाद्य सुरक्षा व औषधि प्रशासन (एफएसडीए) व पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची। पिकअप की तलाशी लेने पर 50 गत्तों में करीब 7992 शीशी ओमरेक्स टी सिरप जब्त की। जांच के दौरान पता चला कि खांसी की यह प्रतिबंधित दवा उन्नाव से सप्लाई की गई थी। जब्त की गई दवा असली है या मिलावटी और इनका प्रयोग कहां किया जाना था, इसकी जांच में टीम जुटी है। जांच के दौरान जिस पिकअप से सिरप बरामद किया, उसे उन्नाव निवासी चालक राजकुमार चला रहा था। चालक कार्रवाई टीम को देखते ही वाहन छोड़ कर मौके से भाग निकला। दवाओं की यह खेप उन्नाव से लोड़ कराई गई थी। औषधि निरीक्षक ने बरामद सिरप का सैंपल लेकर जांच के लिए लैब में भेज दिया और अज्ञात लोगों के खिलाफ पुलिस में केस दर्ज कर लिया गया है। औषधि निरीक्षक ने बताया कि ओमरेक्स टी सिरप का इस्तेमाल आमतौर पर खांसी के इलाज में होता है। प्रतिबंधित कफ सिरप की भारी खेप ले जा रहे एक पिकअप से 8 हजार शीशियां बरामद, इस सिरप की बिक्री सिर्फ डाक्टरी पर्चे के आधार पर ही करने के निर्देश हैं। ऐसे में लोग नशे के विकल्प के रूप में अवैध तौर पर कफ सिरप का इस्तेमाल करते हैं।

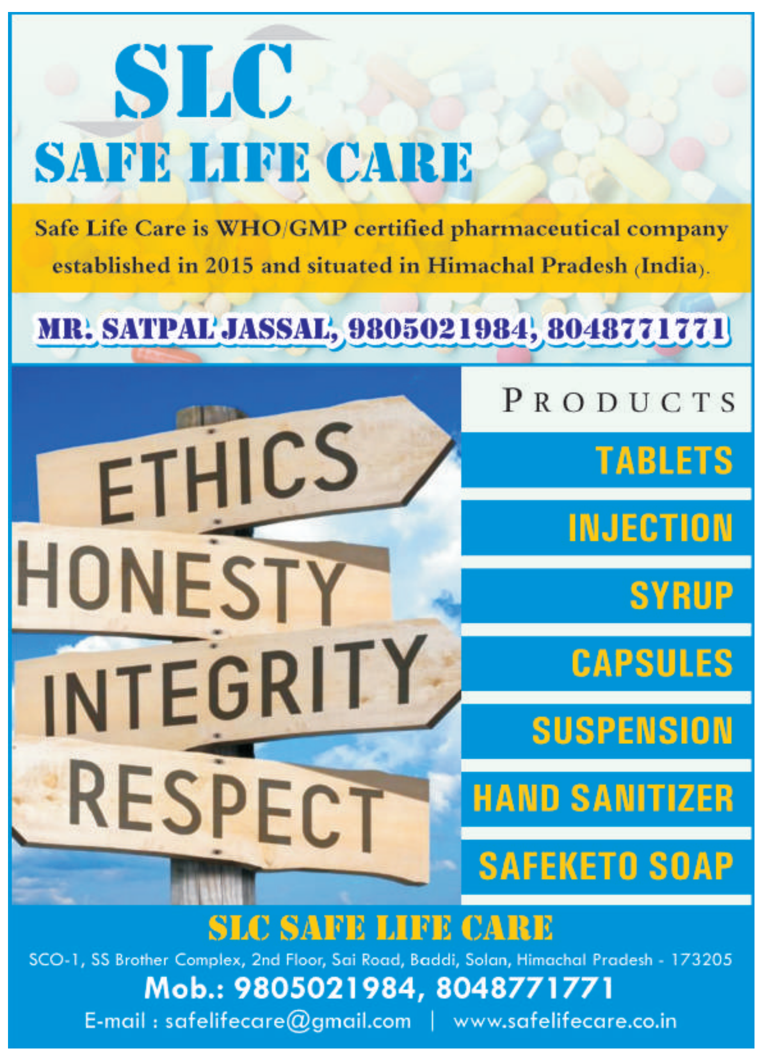

## ओसीडी उत्तर प्रदेश की मीटिंग नेपाल के लुंबिनी में आयोजित की गई

Aiocd की उत्तर मध्य क्षेत्र बैठक लुम्बनी नेपाल अखिल भारतीय अध्यक्ष श्री जे.एस. शिंदे, महासचिव श्री राजीव सिंघल, ओसीडीयूपी अध्यक्ष श्री दिवाकर सिंह, महासचिव श्री सुधीर अग्रवाल, केमिस्ट एंड डगिस्ट एसोसिएशन फर्रुखाबाद के अध्यक्ष रवि शंकर चौहान, महासचिव मनोज मिश्रा, शिवम रस्तोगी, सचिव मोहित चौहान।

**मनोज मिश्रा, mob. 9919247731**

## दीपक शर्मा को मैडिकल दर्पण ने दी बधाई

फार्मा ट्रेडर्स एसोसिएशन रामपुर के जिला अध्यक्ष 'दीपक शर्मा को ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट (OCDUP) उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद रीजन' (मुरादाबाद बिजनौर संभल अमरोहा रामपुर) का रीजन अध्यक्ष मनोनीत होने पर बहुत बहुत शुभ कामनाएं व हार्दिक बधाई।

## बैठक

ओसीडी उत्तर प्रदेश की मीटिंग 2 मई से लेकर 4 मई तक नेपाल में लुंबिनी में आयोजित हुई थी। जिसमें मेरठ के पदाधिकारी इंद्रपाल सिंह, राजेश सिंह, गगन गुप्ता तथा घनश्याम मित्तल उपस्थित रहे। उत्तर प्रदेश की मीटिंग में व्यापारियों को आने वाली समस्याओं के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा हुई। तथा उत्तर प्रदेश के संगठन काभी चुनाव हुआ। यह बताते हुए बड़ी प्रसन्नता हो रही है कि होलसेलर और रिटेलर केमिस्ट एसोसिएशन के महामंत्री श्री घनश्याम मित्तल को अपने क्षेत्र का भी महामंत्री उत्तर प्रदेश की संस्था द्वारा चुना गया। अब उनके क्षेत्र में आगरा, मेरठ और सहारनपुर मंडल रहेंगे। जिसमें करीब 13 जिले शामिल हैं अब हम और ताकत के साथ दवा व्यापारियों की समस्या का समाधान करसकेंगे। इसमें मेरठ के दवा व्यापारियों व पदाधिकारी का भी सहयोग रहा।

**राजेश अग्रवाल (कोषाध्यक्ष) होलसेलर एंड रिटेलर केमिस्ट एसोसिएशन, मेरठ**
**नीतिका अग्रवाल मो० न० 8979107461**

## सचिव चंद्रा एम्स गुवाहाटी की प्रगति से संतुष्ट

**गुवाहाटी:** केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सचिव अपूर्व चंद्रा ने एम्स गुवाहाटी का दौरा करने के बाद वहां चल रहे काम और पहलों पर संतोष जताया। उन्होंने एम्स गुवाहाटी की प्रगति की व्यापक समीक्षा की और भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे और सेवाओं को बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। चंद्रा ने कहा, एम्स गुवाहाटी पूर्वोत्तर के स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य को बदलने में बहुत बड़ी भूमिका निभाता है।

सरकार इस क्षेत्र के लोगों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा बढ़ाने के लिए समर्पित है। उन्होंने कार्यात्मक आईपीडी बेड और परिचालन सेवाओं की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करने के लिए प्रौद्योगिकी और नवाचार का लाभ उठाने के महत्व पर भी जोर दिया,' चंद्रा ने संस्थान को आईआईटी गुवाहाटी जैसे तकनीकी संस्थानों के साथ सहयोग करने का सुझाव दिया। चंद्रा ने एम्स गुवाहाटी की पूरी क्षमता का एहसास करने के लिए सरकार, स्वास्थ्य संस्थानों और हितधारकों के बीच सहयोगी प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया। के कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर अशोक पुराणिक ने गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा, रोगी देखभाल और अत्याधुनिक अनुसंधान के क्षेत्रों में संस्थान की प्रगति पर एक व्यापक प्रस्तुति दी। बैठक में संस्थान के संकाय सदस्यों, अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्रों ने भाग लिया। चंद्रा ने संस्थान के अधिकारियों, स्वास्थ्य पेशेवरों और परियोजना प्रबंधकों (एचआईटीईएस और एनसीसी) सहित प्रमुख हितधारकों के साथ मिलकर चल रहे कार्यों और पहलों की स्थिति का आकलन किया और क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवा वितरण को बढ़ाने के लिए भविष्य की रणनीति तैयार की।

## केकेआर अपैक्स से 7000 करोड़ रुपये में हेल्थियम मेडटेक खरीदेगी

**नई दिल्ली:** केकेआर अपने मौजूदा पीई मालिकों अपैक्स पार्टनर्स से 7000 करोड़ रुपये (+ 840 मिलियन) उद्यम मूल्य पर हेल्थियम मेडटेक (पूर्व में स्यूचर इंडिया) का अधिग्रहण करने के लिए पूरी तरह तैयार है। एक कड़े मुकाबले के बाद जिसमें मैनकाइंड फार्मा का एक संघ भी शामिल था – क्रिसकैपिटल और नोवो होल्डिंग्स, डेनिश दवा प्रमुख नोवो नॉर्डिस्क के नियंत्रक शेयरधारक, लोगों ने कहा। केकेआर और अपैक्स ने बेंगलुरु स्थित हेल्थियम मेडटेक के अधिग्रहण के लिए बाध्यकारी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं और औपचारिक घोषणा करने की संभावना है, ऊपर वर्णित लोगों ने कहा। हेल्थियम वैश्विक स्तर पर मात्रा के हिसाब से सर्जिकल सुइयों का सबसे बड़ा निर्माता है। मनीकंट्रोल सबसे पहले रिपोर्ट की थी कि केकेआर हेल्थियम के लिए सबसे अधिक बोली लगाने वाला था। सूत्रों ने बताया कि एक अन्य दावेदार मैनकाइंड-क्रिसकैपिटल ने 6500 करोड़ रुपये (780 मिलियन डॉलर) की कीमत की पेशकश की है। अपैक्स के पास कंपनी का 99.8 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि शेष 0.2 प्रतिशत हेल्थियम मेडटेक के सीईओ और एमडी अनीश बाफना के पास है। हेल्थियम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सर्जिकल सिवनी निर्माता कंपनी है, जिसकी भारत में लगभग 18 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी है। बाफना केकेआर के तहत कंपनी चलाना जारी रखेंगे। संपर्क करने पर केकेआर के प्रवक्ता अपैक्स पार्टनर्स ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। इससे पहले 2022 में हेल्थियम मेडटेक ने अपनी यूके स्थित सहायक कंपनी को अज्ञात राशि में केकेआर को बेच दिया था। इसने वॉटफोर्ड स्थित क्लिनसप्लाईज को केकेआर हेल्थ केयर स्ट्रैटेजिक ग्रोथ फंड II को बेच दिया था।

सुचर्स इंडिया की स्थापना मूल रूप से 1992 में बेंगलुरु में एलजी चंद्रशेखर और एस सुब्रमण्यम द्वारा की गई थी, जो स्मिथ एंड नेफ्यू और जॉनसन एंड जॉनसन के पूर्व अधिकारी थे। वित्त वर्ष 24 में, कंपनी ने 820 करोड़ रुपये का राजस्व और 256 करोड़ रुपये का एबिटा पोस्ट किया। इस वित्तीय वर्ष में, राजस्व 1,020 करोड़ रुपये तक पहुँचने की उम्मीद है, जबकि एबिटा लगभग 350 करोड़ रुपये है। तब यह लेन-देन चालू वित्त वर्ष 25 के मौजूदा एबिटडा गुणक के 20 गुना पर किया जा रहा है। जॉनसन एंड जॉनसन की एथिकॉन इंक वर्तमान बाजार की अग्रणी कंपनी है। वैश्विक सर्जिकल टांके बाजार में अर्थ्रेक्स इंक और कोविडियन होल्डिंग इंक कुछ अन्य खिलाड़ी हैं।

इस साल की शुरूआत में, अपैक्स ने निवेश बैंक जेफरीज को कंपनी के प्रस्तावित सौदे के लिए औपचारिक बिक्री प्रक्रिया शुरू की थी। पार्टनर्स ग्रुप, हिलहाउस, टीए एसोसिएट्स, कार्लाइल और कनाडाई पेंशन फंड सहित दो दर्जन फंडों ने गैर-प्रकटीकरण समझौतों पर हस्ताक्षर करने के बाद सूचना ज्ञापन उठाया था, अंततः केवल तीन ने बाध्यकारी बोलियां प्रस्तुत कीं पिछले कुछ वर्षों में, इनवसेन्ट के नेतृत्व वाली इंडिया लाइफ साइंसेज, सीएक्स पार्टनर्स और टीपीजी ग्रोथ सहित कई पीई निवेशकों ने कंपनी का समर्थन किया है जब तक कि टीपीजी ग्रोथ ने 73 प्रतिशत नियंत्रित हिस्सेदारी नहीं ले ली। 2018 में, अपैक्स पार्टनर्स ने टीपीजी ग्रोथ, सीएक्स पार्टनर्स और संस्थापक शेयरधारकों को लगभग 1,950 करोड़ रुपये (+ 300 मिलियन) में खरीद लिया दावा किया जाता है कि हेल्थियम उत्पादों ने 18,000 अस्पतालों में 40,000 से अधिक सर्जनों को कवर किया है। केकेआर अपने मौजूदा पीई मालिकों अपैक्स पार्टनर्स से 7000 करोड़ रुपये (+ 840 मिलियन) उद्यम मूल्य पर हेल्थियम मेडटेक (पूर्व में स्यूचर इंडिया) का अधिग्रहण करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

## नैप्रोड लाइफ साइंसेज ने पालघर सुविधा के लिए अपने ईयू-जीएमपी प्रमाणन के सफल नवीनीकरण की घोषणा की

**मुंबई:** नैप्रोड लाइफ साइंसेज (नैप्रोड) ने पालघर में अपनी विनिर्माण सुविधा के लिए यूरोपीय संघ के सामान विनिर्माण प्रथाओं (ईयू-जीएमपी) प्रमाणन के सफल नवीनीकरण की घोषणा की। दिसंबर 2023 में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी एंड न्यूट्रिशन (OGYEI), हंगरी द्वारा ऑडिट किया गया था । यह सुविधा ऑन्कोलॉजी, एनेस्थेटिक्स और अन्य थेरेपी सेगमेंट पर विशेष ध्यान देने के साथ कई तरह के फॉर्मूलेशन, लिक्विड और लियोफिलाइज्ड इंजेक्टेबल उत्पाद बनाती है। इस विकास पर बोलते हुए, नैप्रोड लाइफ साइंसेज के प्रबंध निदेशक मोहन जैन ने कहा, हम दुनिया भर में अपने ग्राहकों और रोगियों को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद प्रदान करने और अनुपालन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ईयू -जीएमपी प्रमाणन पालघर सुविधा की यूरोपीय संघ के गुणवत्ता मानकों के अनुसार लगातार और नियंत्रित उत्पादन सुनिश्चित करने की क्षमताओं को उजागर करता है। यह सुविधा ऑन्कोलॉजी, एनेस्थेटिक्स और अन्य थेरेपी सेगमेंट पर विशेष ध्यान देने के साथ कई तरह के फॉर्मूलेशन, लिक्विड और लाइओफिलाइज्ड इंजेक्टेबल उत्पाद बनाती है।

## मई एवं जून माह के व्रत एवं त्यौहार

| | |
|---|---|
| 23.05.2024 | बुद्धपूर्णिमा |
| 26.05.2024 | गणेश चतुर्थीव्रत |
| 31.05.2024 | तम्बाकू निषेध दिवस |
| 05.06.2024 | पर्यावरण दिवस |
| 09.06.2024 | महाराणा प्रताप जयंती |
| 11.06.2024 | बुढ़वा मंगल |
| 14.06.2024 | रक्तदानदिवस |
| 16.06.2024 | श्रीगंगादशहरा |
| 20.06.20224 | वर्षाऋतु प्रारम्भ |

## नये उत्पाद लॉंच

**TIMES DRUGS & PHARMACEUTICALS (P) LTD.** ने अपने नये उत्पाद लॉंच किए:

- **BECO-ZF** 30ml DROP B-Complex, Antil Ozident, Flaxseed Oil
- **CHLO-VS** Sofl Gel Capsules Clindamycin Phosphate 100 mg Clotrimazole 2000 mg
- **PILEGON** 25gms Cream Ayurvedic Cream
- **SENSTITH** Tooth Gel Potassium Nitrate 5.0% w/w Sodium Mono Fluorophosphate 0.70% w/w Triclosan 0.30% w/w
- **THROBERON** Injection 1 ml Diclofenac Sodium 75mg

PD PAPER MAY 2024_32 Inch January. 2021.qxd 5/20/2024 5:49 PM Page 14

## एली लिली का राष्ट्रव्यापी इंसुलिन मूल्य निर्धारण समझौता रद्द

**लंदन:** एली लिली और इसकी इंसुलिन दवाओं के खरीदारों के बीच एक समझौता, जो कीमतों को सीमित करता और कंपनी द्वारा दवाओं की कीमत बढ़ाए जाने के दावों को हल करने के लिए $13.5 मिलियन प्रदान करता, मामले की देखरेख करने वाले न्यायाधीश के प्रतिकूल फैसले के बाद टूट गया। लिली के हुमालॉग और अन्य इंसुलिन दवाओं के लिए भुगतान करने वाले व्यक्तियों के प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी वर्ग के वकीलों ने नेवार्क, न्यूजर्सी, संघीय अदालत में एक फाइलिंग में कहा कि उन्होंने और लिली ने इस सौदे के लिए अनुमोदन की मांग नहीं करने का फैसला किया है, जिसे उन्होंने पहली बार पिछले मई में प्रस्तावित किया था। वकीलों में से एक, स्टीव बर्मन ने एक ईमेल में कहा कि सौदे को छोड़ने का निर्णय यूएस डिस्ट्रिक्ट जज ब्रायन मार्टिनोटी द्वारा फरवरी में मुकदमे में एक वर्ग को प्रमाणित करने से इनकार करने के बाद आया, फिर भी, बर्मन ने कहा कि फरवरी के निर्णय के कारण, जिसमें मार्टिनोटी ने पाया कि वर्ग-व्यापी मुद्दे व्यक्तिगत मुद्दों पर हावी नहीं थे, हमें कोई रास्ता नहीं दिखता कि हम किसी समझौते को वर्ग-अनुमोदित करवा सकें। बर्मन ने समझौते के खत्म होने को, जिसके तहत मरीजों की इंसुलिन की जेब से होने वाली लागत को चार साल के लिए 35 डॉलर प्रति माह तक सीमित कर दिया जाता, उपभोक्ताओं के लिए संभावित रूप से बड़ा नुकसान बताया।

लिली ने एक बयान में कहा कि वादी के दावों में दम नहीं है और वह अपना बचाव करना जारी रखेगी। लिली और अन्य कंपनियों को अभी भी राज्यों द्वारा मुकदमों का सामना करना पड़ रहा है, जिनमें से कुछ ने खरीदारों के साथ समझौते पर इस आधार पर आपत्ति जताई है कि यह उनके मुकदमों में हस्तक्षेप कर सकता है। कंपनी ने फरवरी में मिनेसोटा के साथ समझौता किया, एक मूल्य सीमा पर सहमति व्यक्त की और राज्य में क्लीनिकों को इंसुलिन दान करने के लिए कहा। मामलों में वादी आरोप लगाते हैं कि इंसुलिन दवा निर्माता अपने उत्पादों के लिए कृत्रिम रूप से उच्च सूची मूल्य निर्धारित करते हैं, जबकि स्वास्थ्य योजनाओं की ओर से दवा को कवर करने के बदले में फार्मेसी लाभ प्रबंधकों (पीबीएम) को छूट देते हैं। इंसुलिन टाइप 1 मधुमेह के रोगियों के लिए उनके रक्त शर्करा को नियंत्रित करने के लिए और अधिक सामान्य टाइप 2 मधुमेह के कुछ रोगियों के लिए महत्वपूर्ण है।

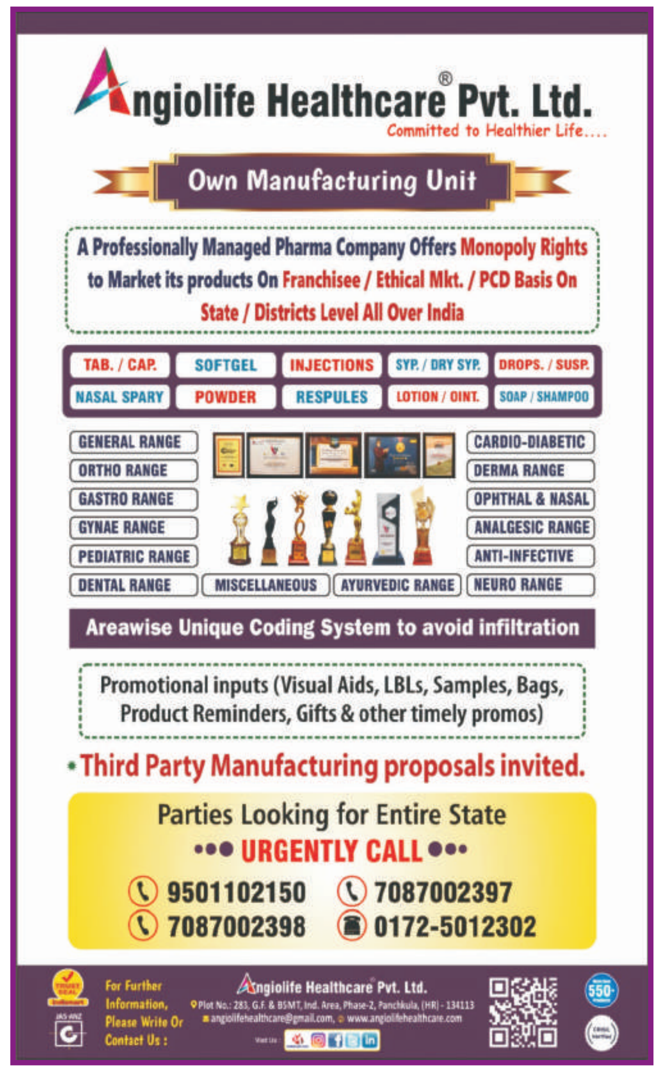


## फर्जीवाड़ा कर सर्टिफिकेट जारी करने पर फार्मेसी काउंसिल के पूर्व-रजिस्ट्रार पर केस दर्ज

**नई दिल्ली:** दिल्ली फार्मेसी काउंसिल के पूर्व-रजिस्ट्रार और फार्मासिस्ट कुलदीप सिंह के खिलाफ केस दर्ज किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। यह कार्रवाई एंटी करप्शन ब्रांच (एसीबी) ने की है। पूर्व-रजिस्ट्रार पर अपने कार्यकाल के दौरान तीन लोगों को फर्जी दस्तावेज के आधार पर रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट जारी करने का आरोप है। एसीबी ने यह कार्रवाई सेक्शन ऑफिसर अजय सचदेवा की शिकायत पर की। बतां दे काउंसिल पहले ही कुलदीप सिंह को सस्पेंड कर चुकी है।

**अगले अधिकारी को तीन महीने तक चार्ज नहीं सौंपा:** बताया गया है कि रजिस्ट्रार के दस्तावेजों और सत्यापन रिपोर्ट को निलंबन का आदेश जारी होने के बाद रजिस्ट्रार कार्यालय में ताले में बंद कर रखा था। उन्होंने तीन माह से अधिक समय तक अगले अधिकारी को चार्ज भी नहीं सौंपा।

**इनके सर्टिफिकेट मिले जाली :** जिन तीन अभ्यर्थियों के दस्तावेज जाली पाए गए हैं, उनमें मोहम्मद मुज्जसिम निवासी संभल, यूपी का सरकारी अस्पताल में ट्रेनिंग का सर्टिफिकेट जाली निकला। दूसरे अभ्यर्थी मदन दुबे का भी ट्रेनिंग सर्टिफिकेट फर्जी पाया गया था। वहीं, तीसरे अभ्यर्थी हीरा का बिहार बोर्ड ओपन स्कूलिंग का बारहवीं का सर्टिफिकेट भी जाली मिला। यह फर्जीवाड़ा वर्ष 2022-23 के दौरान हुआ बताया गया है।

**तीन अभ्यर्थियों को फार्मेसी में रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट जारी किए :** शिकायतकर्ता सेक्शन ऑफिसर काउंसिल अजय सचदेवा का आरोप है कि दिल्ली फार्मेसी काउंसिल के पूर्व रजिस्ट्रार व फार्मासिस्ट कुलदीप सिंह के निलंबन के बाद फाइलों की जांच की गई। इसके बाद इन तीन लोगों के रजिस्ट्रेशन में फर्जीवाड़े का मामला सामने आया। पूर्व रजिस्ट्रार ने तीन अभ्यर्थियों को फार्मेसी में रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट जारी किए थे। इन तीनों ने ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से फार्मासिस्ट के रूप में रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन किया था।

## नियामक ने दवा निर्यात के लिए एनओसी जारी करने की राज्य लाइसेंसधारकों की शक्ति रद्द

**नई दिल्ली:** भारत के औषधि नियामक ने निर्यात उद्देश्यों के लिए अस्वीकृत, प्रतिबंधित या नई दवाओं के निर्माण के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करने के लिए राज्य लाइसेंसिंग अधिकारियों को सौंपी गई शक्तियों को वापस ले लिया है। यह कदम कई देशों में घटिया भारतीय दवाओं के कारण स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के मद्देनजर उठाया गया है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) द्वारा जारी एक नोटिस में कहा गया है कि उद्योग 15 मई से ऑनलाइन मोड के माध्यम से क्षेत्रीय कार्यालयों से फिर से आवेदन कर सकता है। इसने उद्योग से निर्यात उद्देश्यों के लिए अस्वीकृत, स्वीकृत नई दवाओं और प्रतिबंधित दवाओं के निर्माण के लिए एनओसी के लिए नए सिरे से आवेदन करने को कहा। इसके अनुसार, राज्य/केंद्र शासित प्रदेश लाइसेंसिंग प्राधिकरण को सौंपी गई शक्ति 15 मई, 2024 से वापस ले ली जायेगी और ऐसे एनओसी सीडीएससीओ क्षेत्रीय कार्यालय के प्रमुख द्वारा दिए जाएंगे। नियामक ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के औषधि नियंत्रकों से 2 अगस्त, 2018 से 14 मई, 2024 तक जारी सभी एनओसी को सीडीएससीओ के संबंधित क्षेत्रीय कार्यालयों को सौंपने को कहा। यह कदम कई घटनाओं की पृष्ठभूमि में उठाया गया है, गाम्बिया द्वारा आयातित कफ सिरप कथित रूप से डायथिलीन ग्लाइकॉल (डीईजी) और एथिलीन ग्लाइकॉल (ईजी) से दूषित पाए गए, जिसके परिणामस्वरूप बच्चों में तीव्र किडनी की चोट के मामले सामने आए। मार्च में यूनाइटेड स्टेट्स सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) और गाम्बियन वैज्ञानिकों द्वारा की गई एक जांच ने में आयातित डीईजी या ईजी से दूषित दवाओं के कारण बच्चों में ये मामले सामने आए।

www.medicaldarpan.com

## प्रबंध निदेशक ने आरएमएससी के निर्माणाधीन भवन का किया निरीक्षण, निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ जल्द पूरा करने के दिए निर्देश

**जयपुर (कैलाश शर्मा) :** राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन लिमिटेड की प्रबंध निदेशक श्रीमती नेहा गिरि ने स्वास्थ्य भवन में निर्माणाधीन आरएमएससी के नये भवन में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों को गति देकर जल्द से जल्द पूरा किया जाए और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। श्रीमती गिरि ने निर्माणाधीन इस नए भवन के सभी ब्लॉक में जाकर निर्माण कार्यों को देखा। उन्होंने निर्देश दिए कि भवन के सभी कमरों में बिजली, पानी एवं इंटरनेट आदि की फिटिंग गुणवत्तापूर्ण हो। गर्भवती महिलाओं के लिए रेस्टरूम एवं क्रेच की व्यवस्था हो। भवन के पीछे गैलरी में ग्रीन कॉरिडोर बनाया जाए। प्रतीक्षालय में आगन्तुकों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं हों। प्रबंध निदेशक ने भवन में महात्मा गांधीजी की प्रतिमा स्थापित करने, गार्डन एरिया विकसित करने, पुस्तकालय बनाने सहित आवश्यक सभी सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भवन में फायर डिटेक्टर लगाए जाने के साथ ही हवा एवं रोशनी का पूरा ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि करीब 18 करोड़ रूपए की लागत से बनाए जा रहे इस भवन का निर्माण कार्य पूर्ण होने से आरएमएससी के कार्यों को और अधिक सुचारू ढंग से संचालित किया जा सकेगा और संबंधित सेवाओं का विस्तार किया जा सकेगा। साथ ही, चिकित्सा विभाग से जुड़ी अन्य सेवाओं के लिए भी यहां स्पेस उपलब्ध हो सकेगा। निरीक्षण के दौरान कार्यकारी निदेशक (लॉजिस्टिक) डॉ. कल्पना व्यास, विशेषाधिकारी श्री राजेन्द्र सिंह, अधीक्षण अभियंता श्री वीके जैन, अधिशाषी अभियंता श्री अनिल कुमार जैन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

**जीभ में एक भी हड्डी नहीं होती,
परन्तु कमाल की बात यह है कि ये आपकी सारी हड्डीयां तुड़वाने की ताकत रखती है.**

PD PAPER MAY 2024_32 Inch January. 2021.qxd 5/20/2024 5:50 PM Page 15



Leader of Animal Healthcare
Wanted Bussiness Associates All Over India, Nepal & Bhutan
More Than 250 Products
Contact Number: +91-93186-28899, +91-97367-01313
Puremed biotech
SCO No. 6, Genrater House, Opp. City Look Hotel, Sai Raod, Baddi-173205 (H.P.)
E-mail: puremedbiotech@gmail.com
Bolus | Injections | Oral Liquids | Creams | Soap
Feed Suppliment | Insecticide | Shampoo | Herbal Spray
Our Products Range

| | | |
|---|---|---|
| VIAL | BUTAMIN-12 VIAL | Butaphosphan-100mg + Cynocobalamin-50mcg |
| VIAL | HEATOPREG VIAL | Cloprostinol sodium -250 mg |
| VIAL | IVOMED-LA VIAL | Ivermectin -31.5 mg + Benzyl alcohol-3.0% v/v |
| VIAL | MEDICILLIN 48 VIAL | Benzathine Penitcillin 4,800,000 units |
| VIAL | MEGLU ACT VIAL | Flunixim Meglumine 50mg |
| VIAL | MEGAPURE 30ML VIAL | Ciprofloxacin - 40 mg/ml |
| VIAL | MOXIMED-C 4 GM VIAL | Amoxycillin Sodium--2 gm + Cloxacillin Sodium--2 gm |
| VIAL | PUREBECT CS 4.5 GM | Sterile Cefoperazone Sodium--3gm, Sterile Sulbactum Sodium--1.5gm |
| VIAL | RED~STOP VIAL | Monosemicarbazone--1mg |
| VIAL | REALVIT-H VIAL | Vit.A -250000 IU + Vit.D3 -25000 IU + Vit. E Acetate -100 IU + Biotin -12.5 mcg + Benzyl Alcohol-2%w/v |
| VIAL | SCABILON VIAL | Sulphur I.P.66 2mg+Benzyl Benzoate I.P 0.2gm+Lidocaine Base U.S.P 2%W/V |
| VIAL | STEPTOCILLIN -S/DS VIAL | Stepto Penicillin 2.5/5 gm |
| VIAL | X-SAFE VIAL | Ceftiofur Sodium 250/500/1000 mg |
| BOLUS | ALLERCORT BOLUS | Pheniramine Maleate 250mg. |
| BOLUS | CETRIVET BOLUS | Cetrizine Dihydrochloride--50mg |
| BOLUS | MEDINIM-SP BOLUS | Nimesulide 500mg + Paracetamol 1500mg + Serratiopeptidase 75mg |
| BOLUS | MOXIMED-S BOLUS | Amoxicillin Trihydrate--1250mg, Sulbactum Sodium--250mg |
| BOLUS | WORMILOK-150 TAB | Fenbendazole--150mg |
| LIQUID | PUREFLOX I.U. | Ofloxacin--50mg + Ornidazole--125mg + Urea--500mg |
| SPRAY | PAIN ACT SPRAY | Menthol 10.50% + Glycerine 19.00% + Nilgiri 2.50% + Terpentine Oil 10.00% + Propelant 100 % |
| SPRAY | FLYACT SPRAY | Turentine Oil 10.00w/w + Camphor Oil 15.00w/w + Neem Oil 10.00w/w + Nilgiri Oil/Eculyplus Oil 2.00w/w |
| SPRAY | OXYMED SPRAY | Gention Violet--0.3gm |
| SOAP SHAMPOO | BIOTIKK- OF HERBAL DOG SHAMPOO | Sles, Cocodi, Cocoditane, Azadiracha Indica, Triclosan, Neemoil, Aloevera, DM Water |
| SOAP SHAMPOO | BIOTIKK-OF DOG SOAP | Aloes--0.5%w/w + Permethrin--1% w/w + Coatar--0.5%w/w |
| SOAP SHAMPOO | GERMITICK VET SOAP | Permethrin--5.0% w/w + Cetrimide I.P.--1.0% w/w + Aloe vera--1.0% w/w |

Visit at..... www.puremedbiotech.in

Contact us for Franchise or PCD Marketing Rights
Haldi Milk Powder
एक प्राचीन आयुर्वेद परम्परा
हल्दी वाला दूध
(केसर पिस्ता के अनोखे स्वाद में)
शरीर की प्रतिरोधक क्षमता (Immunity) बढ़ाये।
पाचन बनाए दुरुस्त।
डायबिटीज रखें कन्ट्रोल।
कैंसर से बचाव।
खून रखे साफ।
दिमाग बनाए स्वस्थ।
शरीर की सूजन करें कम।
बढ़ती उम्र थाम ले।
शरीर को डिटाक्स करने में मददगार।
इतने सारे लाभ एक साथ ...फिर और क्या चाहिए
A Product from: NATURE CARE LIFESCIENCES (A Pioneer in Herbal Medicine) (A Unit of Ayur Rachna Research Foundation)

A Welcome Opportunity For the PHARMA PROFESSIONALS
Renova nutrition
Valuing Life through innovations
Franchisee/PCD for unrepresented Area
Third Party Manufacturing
Monopoly Business Rights
In Quality & State of Art Sections of
Liquid | Tablets | Syrups | Drops
Capsules | Protein Powder | Sachets
Interested Parties for Franchise / PCD may also Contact:
Renova nutrition
1781 M.I.E Part B Bahadurgarh 124507 Haryana
9810102023, 9810010540
renovanutrition71@gmail.com
www.renovanutrition.com | www.velltree.com

## नशीले इंजेक्शन बेचने पर पहलवान और खरीददार अरेस्ट, 3500 इंजेक्शन बरामद

**पानीपत:** नशीले इंजेक्शन बेचने के आरोप में पहलवान और खरीददार दोनों को गिरफ्तार किया गया है। एंटी नारकोटिक्स सेल ने गांजबड़ गांव निवासी पहलवान राजपाल से नशे के 3500 इंजेक्शन बरामद किए हैं। खिलाडियों को प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन बेचने के मामले का खुलासा हुआ है। आरोपी खुद भी पहलवानी करता है। वह स्टेडियम व अन्य स्थानों पर खिलाडियों को नशे के इंजेक्शन सप्लाई करता था। पता चला है कि खिलाड़ी उसके घर से भी नशे के इंजेक्शन खरीदकर ले जाते थे।

जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने गांजबड़ गांव निवासी पहलवान राजपाल से नशे के 3500 इंजेक्शन बरामद किए हैं। बताया गया है कि आरोपी ने इनको घर में तूड़ी में छुपा रखा था। आरोपी की निशानदही पर एक खरीदार को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने खरीदार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है, जबकि आरोपी पहलवान को तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी दो साल से नशे के इंजेक्शन बेचने के धंधे से जुड़ा था। एंटी नारकोटिक्स सेल इंचार्ज सब इंस्पेक्टर संदीप ने बताया कि उनकी टीम टोल प्लाजा के पास मौजूद थी। उनको गुप्त सूचना मिली कि गांजबड़ गांव निवासी राजपाल अपने घर पर नशीले प्रतिबंधित इंजेक्शन बेच रहा है। पुलिस टीम ने ड्यूटी मजिस्ट्रेट तहसीलदार पानीपत वीरेंद्र गिल को साथ लेकर मौके पर दबिश दी। आरोपी पुलिस टीम को देखकर भागने लगा। टीम ने उसको दबोचकर उसके घर की तलाशी ली। यहां तूड़ी के कमरे से नशीले प्रतिबंधित इंजेक्शन की खेप बरामद हुई। इनमें 500 बुप्रेनॉफिन, 1400 पेंटाजोसाइन ओजैटसेल, 1600 पेंटाजोसाइन पेफ्लिन नशीले प्रतिबंधित इंजेक्शन पाए गए। आरोपी ने पुलिस पूछताछ में बताया कि वह करीब दो साल से नशे के प्रतिबंधित इंजेक्शन बेच रहा है। वह करहंस गांव निवासी दुष्यंत से 70 रुपये प्रति इंजेक्शन के हिसाब से खरीद कर लाता था।

उसी गांव का युद्धवीर उससे 120 रुपये प्रति इंजेक्शन के हिसाब से खरीद ले जाता है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर युद्धवीर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से सात नशीले प्रतिबंधित इंजेक्शन बरामद किए। आरोपी युद्धवीर ने पूछताछ में पुलिस को बताया वह खुद इंजेक्शन लगाने का आदी है। आरोपियों के खिलाफ थाना सदर में एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने गांजबड़ गांव निवासी पहलवान राजपाल से नशे के 3500 इंजेक्शन बरामद किए हैं। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से आरोपी युद्धवीर को न्यायिक हिरासत जेल भेज दिया। नशीले इंजेक्शन बेचने के आरोप में पहलवान और खरीददार दोनों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी राजपाल को तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है।

SURYAVEDA COSMECEUTICALS PVT. LTD.
Third Party COSMETIC Manufacturer
In-House Research and Development
In-House Laboratory Testing
Skin Care | Hair Care | Personal Care
FACE WASH, FACE SCRUB, FACE PACK, FACE CREAM, FACE SERUM, FACE MASSAGE GEL, FACE TONER, MOISTURISER, SUNSCREEN, FACIAL KITS, BLEACH CREAM, HAIR REMOVAL CREAM, HAIR OIL, GLYCERIN SOAPS, BODY WASH
BODY MASSAGE OIL, HAIR SERUM, EYE CARE PRODUCTS, HAND & FOOT CARE PRODUCTS, LIP CARE PRODUCTS, HAIR SHAMPOO, HAIR CONDITIONER, HAIR STYLING GEL, PERSONAL HYGIENE PRODUCTS, DERMA COSMETICS, HAND HYGIENE PRODUCTS, SHAVING & BEARD CARE PRODUCTS
Customised Product
Packaging Designs
Mr. Ashok Kumar Jha, Director, M.Sc., MBA, BAMS, Technical Experience: 27 years. Previously worked as a Technical Officer in the MINISTRY OF WELFARE, India
CONTACT US FOR INQUIRES RELATED WITH IT
+91- 8287145039 | 9667097234 | 9897978626
www.suryavedacosmetics.com | www.suryavedacosmeceuticals.in

## भारत ने ऑस्ट्रेलिया में दवा मूल्य नियंत्रण का मुद्दा उठाया

**नई दिल्ली:** भारत ने हाल ही में दोनों देशों के अधिकारियों के बीच द्विपक्षीय बैठक के दौरान ऑस्ट्रेलिया में फार्मास्यूटिकल मूल्य नियंत्रण, विशेष रूप से जेनेरिक दवाओं का मुद्दा उठाया है। वाणिज्य मंत्रालय ने दोनों पक्षों ने बाजार पहुंच के मुद्दों के समय पर समाधान, लोगों से लोगों के बीच संपर्क को गहरा करने और तरजीही आयात डेटा साझा करने के लिए एक संस्थागत तंत्र बनाने पर मिलकर काम करने का फैसला किया है। 2023-24 में देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार 7.7 प्रतिशत घटकर 24 बिलियन अमरीकी डॉलर रह गया, जबकि 2022-23 में यह 26 बिलियन अमरीकी डॉलर था। भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते (इंड-ऑस ईसीटीए) के तहत कैनबरा में पहली संयुक्त समिति की बैठक (जेसीएम) के दौरान अन्य मुद्दों के अलावा इन मुद्दों पर चर्चा की गई । मंत्रालय ने कहा, दोनों पक्षों ने ECTA के सुचारू कार्यान्वयन को स्वीकार करते हुए, जैविक उत्पादों पर MRA (पारस्परिक मान्यता समझौते), भिंडी, अनार, अंगूर, पनीर जैसे उत्पादों से संबंधित बाजार पहुंच के मुद्दों सहित ECTA कार्यान्वयन के मुद्दों पर संक्षेप में विस्तार से बताया ऑस्ट्रेलिया में विशेष रूप से जेनेरिक पर दवा मूल्य नियंत्रण, व्हिस्की और वाइन पर कार्य समूह द्वारा की गई प्रगति। मंत्रालय ने कहा कि इसका उद्देश्य नियामक चुनौतियों का समाधान करना और इन उत्पादों के व्यापार को बढ़ावा देना था, भारत में झींगा और झींगा के लिए रोग मुक्त क्षेत्रों की स्थापना पर भी चर्चा की गई। इसमें कहा गया है कि जेसीएम बैठक में कुछ महत्वपूर्ण सेवा मुद्दों पर विचार किया गया, जिसमें नर्सिंग और दंत चिकित्सा जैसे व्यवसायों में सीमा पार ई-भुगतान और एमआरए की सुविधा के लिए भारत के अनुरोध पर विचार करना शामिल है। भारत-ऑस्ट्रेलिया सीईसीए (व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता) वार्ता के तहत डीएफएटी से अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल और सहायक सचिव रवि केवलराम के बीच मुख्य वार्ताकार स्तर पर भी चर्चा हुई, जिसमें नौ दौर के बाद हुई प्रगति की समीक्षा की गई और संतुलित परिणाम पर पहुंचने के उद्देश्य से इसके पूरा होने के लिए आगे का रास्ता तय किया गया। ऑस्ट्रेलिया ओशिनिया क्षेत्र में भारत का एक महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार है, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच व्यापारिक व्यापार 2023-24 में लगभग 24 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है, जो आगे विकास की महत्वपूर्ण क्षमता का संकेत देता है। यह बैठक व्यापार संबंधों को और मजबूत करने तथा व्यापार सुविधा, निवेश संवर्धन जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग के लिए नए अवसरों का पता लगाने के साथ-साथ प्रौद्योगिकी के लिए समर्थन सहित अन्य क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक मंच के रूप में कार्य करती है।

A WHO - GMP, ISO 9001:2015 Certified Professionally Managed Pharmaceutical Mfg. Group
P2P Brand Producer for more than 85 Companies in PAN INDIA
Available CDSCO Approved Latest Molecules
Own Marketing of over 350 Formulations
Global Supply Through Direct Export & Merchant Export
COPP/Dossier Available
Recognised House for Quality Products
Timely Supplies & Customer Satisfaction
Dallas Pharma Group Celebrating 25th Silver Jubilee Year
Invites P2P Marketers, Professionals, Brand Promoters, Export Enquiries
Dallas Formulations Pvt. Ltd. | Dallas Drugs Pvt. Ltd.
25 Years of Excellence in Healthcare
Mfg. Plant: 144 & 156, DIC, Indl. Area, Baddi-173205 (Himachal Pradesh) INDIA
Phone: 0172-4641318, 92168-81326
Email: dallaspharmaceuticals@yahoo.com & business.dallaspharma.com
Visit us at: www.dallaspharma.com & www.dallasdrugs.org

PCD Pharma Franchise Business Opportunities
Contact us: +91 8629001801, Email: epsilonbiotech@gmail.com
NEAR SENIOR SECONDARY SCHOOL, MOGINAND,KALA-AMB, NAHAN SIRMOUR,HIMACHAL PRADESH PIN-173030
BioSoft Lifesciences Pvt. Ltd. — Contact us: +91 8580941809, Mr. Dalip Singh
Epsilon Biotech — Contact us: +91 8580941815, MR. Ashwani
BioSun Discovery — Contact us: +91 9317012602, Miss. Sakshi Thakur
Milestone Nutritions — Contact us: +91 8580941805, Mr. Balinder
Lee'France Derma — Contact us: +91 8580941811, Miss. Swatika Kalche
Aloria Naturals — Contact us: +91 8580941802, Mrs.Bharti Tomar
Dmax Healthcare — Contact us: +91 85809 41810, Mrs. Rekha Chauhan
Amritya Herbals — Contact us: +91 8580941819, Mrs. Nirmal Thakur
Junior Care — Contact us: +91 8580941803, Mrs. Lavika Chaudhary
La' Glen Derma, A Division of Epsilon Biotech — Contact us: +91 8580941817, Miss. Yukti Chauhan
Alvic Cure — Contact us: +91 8580941804, Miss. Sweety Kumari
Ved Sindari — Contact us: +9186290 01804, Mrs. Monika Shrma
All the products are of WHO,GMP Certified Manufacturing Units
All Products are Trademark Registered
Softgel Capsules | Tablets | Hardgel Capsules | Sachets
Protein Powder | Liquids | Derma & Cosmetics

## प्रतिबंधित दवा की तस्करी के आरोपी को 10 साल कैद

**सिरसा (हरियाणा):** प्रतिबंधित दवा की तस्करी में गिरफ्तार आरोपी को 10 साल कैद और एक लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई है। जुर्माना न भरने पर एक साल अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। डबवाली सीआईए पुलिस एक जनवरी 2020 को क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी दौरान गांव मांगेआना के पास पुलिस ने शक के आधार पर एक युवक को रोका। तलाशी लेने पर उसके पास थैले में से प्रतिबंधित दवा की 2,200 गोलियां बरामद हुईं। पता चला कि इनका गोलियों का इस्तेमाल नशा करने के लिए होता है। पूछताछ करने पर आरोपी की पहचान जिले के गांव देसूजोधा निवासी गुरदास सिंह के रूप में हुई। पुलिस ने गुरदास सिंह को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। न्यायाधीश डॉ. अशोक कुमार ने आरोपी गुरदास सिंह को दोषी करार देकर 10 साल कैद और एक लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई है।

## फॉर्मेसी की फर्जी डिग्री बनवाने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 2 अरेस्ट

**लखनऊः** फॉर्मेसी की फर्जी डिग्री बनवाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया गया है। एसटीएफ यूपी ने इस गिरोह के दो सदस्यों को थाना गाजीपुर क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। पता चला कि आरोपी युवक फर्जी दस्तावेज तैयार कर देश-विदेश के कॉलेजों में एमबीबीएस सहित मेडिकल के विभिन्न कोर्सो में दाखिला दिलाने तथा अवैध मेडिकल स्टोर एवं झोलाछाप क्लीनिक खुलवाने के नाम पर मोटी रकम वसूलते थे। गिरफ्तार आरोपी का नाम सचिन मणि त्रिपाठी पुत्र रमेश तिवारी और शिवानंद वर्मा पुत्र रामबरन वर्मा है। दोनों के कब्जे से 138 कूटरचित मार्कसीट , सर्टिफिकेट व डिग्री, एक लैपटॉप, तीन मोबाइल फोन, दो निर्वाचन कार्ड, दो आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, चार पैन कार्ड, तीन डेबिट कार्ड, एक कैंसिल्ड चेक, दो पीला लिफाफा जिसमें 54 कूटरचित मार्कसीट, सर्टिफिकेट व डिग्री, एक काले रंग का स्मार्ट वाच, एक चार पहिया वाहन क्रेटा कार के अलावा 22 सौ रुपये नकद बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उनका एक गिरोह है, जो मेडिकल स्टोर एवं झोलाछाप क्लीनिक खुलवाने एवं डी-फार्मा, बी-फार्मा एवं एकेडमिक मार्कशीट व सर्टिफिकेट बनाकर धोखाधड़ी कर देश-विदेश के विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस सहित मेडिकल के विभिन्न कोर्सों में दाखिला दिलाने के नाम पैसा वसूलने का कार्य करता है। इस काम में पीसीआई के कुछ कर्मचारी सहित अन्य कई लोग शामिल हैं। हरिशंकर निवासी बरेली द्वारा बी-फार्मा व डी-फार्मा फर्जी की मार्कशीट व सर्टिफिकेट बनवाकर पीसीआई के कर्मचारियों की मिलीभगत से उसका सत्यापन कराकर लाइसेंस बनवाया जाता है। इसके लिए जरूरतमन्द लोगों से इनके द्वारा पांच लाख रुपए लिए जाते हैं, जिसमें से लाख रुपए हरिशंकर लेता है। गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध थाना गाजीपुर में मुकदमा दर्ज करवा दिया गया है।

## केरल के सरकारी अस्पताल में सर्जरी में एक और गड़बड़ी

**कोझिकोडः** यहां के सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चिकित्सा लापरवाही के आरोप लगातार जारी हैं । रविवार को एक व्यक्ति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि दूसरे मरीज के लिए बनाया गया इम्प्लांट उसके टूटे हाथ में गलत तरीके से लगा दिया गया। ताजा आरोप चार साल की बच्ची की छठी उंगली निकालने के बजाय उसकी जीभ का ऑपरेशन करने के आरोप में एक डॉक्टर को निलंबित किए जाने के कुछ ही दिनों बाद सामने आए हैं। मेडिकल कॉलेज पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने कहा कि मेडिकल कॉलेज अस्पताल में हुई कथित गड़बड़ी को लेकर एफआईआर दर्ज की जा रही है। अधिकारी ने पीटीआई को बताया, उस व्यक्ति ने अपनी सर्जरी को लेकर कुछ संदेह जताया है। शिकायत में किए गए दावे की पुष्टि के लिए विस्तृत जांच की आवश्यकता है।

## नवजात की मौत के बाद हॉस्पिटल का लाइसेंस कैंसिल, फर्जी डॉक्टर फरार

**रायबरेलीः** नवजात की मौत के बाद हरचंदपुर के उपमा सरजूरानी पाली हॉस्पिटल का लाइसेंस कैंसिल कर दिया गया है। वहीं, अस्पताल का संचालक फर्जी डॉक्टर फरार हो गया है। पुलिस टीम उसकी तलाश कर रही है। टेक्नीशियन ने प्रसूता को बेहोशी की दवा दी थी और उसी ने सिजेरियन प्रसव भी कर दिया था। इसके बाद नवजात की मौत हो गई थी। अस्पताल को बंद कर दिया गया है। मामले में संचालक के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज है। हरचंदपुर गांव निवासी आनंद मोहन श्रीवास्तव की पत्नी विशाखा (25) का बीते माह उपमा सरजूरानी पॉली क्लीनिक हरचंदपुर में सिजेरियन प्रसव किया गया था। प्रसव के बाद नवजात की मौत हो गई थी। मामले की जांच में सामने आया कि अस्पताल के संचालक नीरज श्रीवास्तव व उसकी पत्नी प्रियांशी ने डॉक्टर बनकर प्रसूता का ऑपरेशन किया था। इसके बाद हुए बवाल के चलते अस्पताल संचालक के खिलाफ हरचंदपुर थाने में केस दर्ज कराया गया था। एसीएमओ डॉ. अरविंद कुमार की टीम ने जांच के बाद अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं को प्रतिबंधित कर दिया था। अब उसके लाइसेंस को कैंसिल कर अस्पताल को बंद करने के आदेश दिए गए हैं।

## ठाणे में नकली दवाइयां बांटने के आरोप में दो फार्मा एजेंसियों के खिलाफ मामला दर्ज

**ठाणेः** महाराष्ट्र के ठाणे शहर के अस्पतालों में कथित तौर पर नकली दवाइयाँ वितरित करने के आरोप में दो दवा एजेंसियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है , पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। खाद्य एवं औषधि प्रशासन ( एफडीए ) द्वारा दर्ज की गई शिकायत के आधार पर, भारतीय दंड संहिता और औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 की धारा 420 (धोखाधड़ी), 468 (जालसाजी), 273 (हानिकारक खाद्य या पेय की बिक्री) और अन्य प्रासंगिक प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि शिकायत के अनुसार, एफडीए अधिकारियों ने 11 दिसंबर, 2023 को ठाणे के सरकारी अस्पताल में दवाओं का निरीक्षण किया और पाया कि कुछ दवाएं नकली थीं। अधिकारी ने बताया कि दोनों एजेंसियों ने कथित तौर पर ठाणे सिविल अस्पताल और अन्य अस्पतालों को नकली दवाएं बेचीं और इन दवाओं की आपूर्ति देश के विभिन्न हिस्सों में की।

## सार्वदेशिक आर्य वीरांगना दल का शिविर हरियाणा में

सार्वदेशिक आर्य वीरांगना दल का वार्षिक राष्ट्रीय शिविर 2024 इस बार हरियाणा में दिनांक 8 जून से 16 जून 2024 तक राजकीय कन्या विद्यालय, ग्राम पोस्ट गांधरा, तहसील सांपला, जिला रोहतक (हरियाणा) (मोबाईल नं० 91-8700541461) में आयोजित किया जा रहा है।

इसमें भाग लेने के लिए 13 वर्ष से अधिक आयु की आर्य वीरांगनाएं 26 मई 2024 तक अपने नाम निम्नलिखित नंबरों पर दें, ताकि व्यवस्था सुचारू रूप से हो सके।

**वीरांगना दल मे शामिल होने के लिए इन नंबरो पर करें संपर्क**

साध्वी डॉ उत्तमा यति
प्रधान संचालिका
8750482498
मुदुला चौहान
संचालिका
9810702760
आरती खुराना
सचिव
9910234595
नीरज कुमारी
कोषाध्यक्ष
8920208536

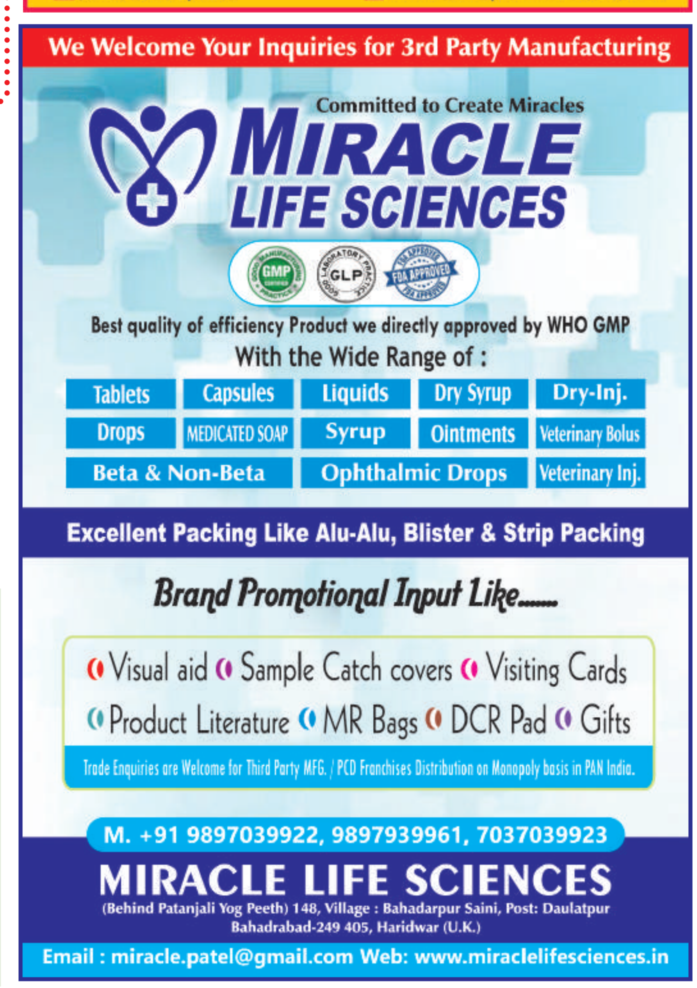


नीरू गर्ग स्वामी की ओर से ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा प्रकाशित, ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा मुद्रित तथा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एण्ड पैकिंग लिमिटिड नोएडा, गौतम बुद्ध नगर में मुद्रित एवं के० पी० रोड, बुलन्दशहर से प्रकाशित, सम्पादक - ब्रजेश कुमार गर्ग